वार्षिक रिपोर्ट

2013–14

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
ओल्ड रेसीडेंसी रोड, रातानाड़ा
जोधपुर 342011

विषय–वस्तु

प्रस्तावना

संगठन

शासी बोर्ड 1

वित्त समिति 3

भवन एवं कार्य समिति 5

प्रमुख पदाधिकारी 6

केंद्र और फोकस समूह – संबद्ध संकाय सदस्य 8

कर्मचारी सदस्य 22

शैक्षिक

शैक्षिक कार्यक्रम 23

शोध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध 25

शोध एवं विकास परियोजनाएं 27

संकाय प्रकाशन 32

अवर स्नातक शोध एवं नवाचार कार्यक्रम (यू.जी.आर.आई.) 41

आउटरीच 42

संस्थान के प्रसंग

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री का दौरा 43

प्रथम दीक्षांत समारोह 44

आई.आई.टी. जोधपुर के नए निदेशक 45

राष्ट्रीय उत्सव 47

स्थापना और प्रशासन में कदम 49

सुविधाएं

वर्तमान परिसर 57

स्थायी परिसर 52

कंप्यूटर केंद्र 55

पुस्तकालय 57

प्रयोगशालाएं 60

स्वास्थ्य केंद्र 78

खेल सुविधाएं 78

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ 78

छात्र गतिविधियां

छात्र जिमखाना 79

छात्र उत्सव 87

परिवर्तन 92

छात्र पुरस्कार 93

परामर्शी सेवाएं 94

छात्र प्लेसमेंट सेल 96

भूतपूर्व छात्र (एल्युमिनि) संबंध 99

पंजीकृत छात्रों की सूची 100

वित्तीय स्थिति 125

प्रस्तावना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के छः वर्ष पूरे होने वाले हैं। वर्ष 2013–14 अंतर्दर्शन और समेकन का वर्ष रहा है। मौखिक परंपराओं से औपचारिक दस्तावेजी परंपराओं तक सुकर पारगमन सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं जिससे प्रणालियों और प्रक्रियाओं की स्थापना हई है। मुख्य परिवर्तन विशेषकर दो भागों नामतः, शैक्षिक डिग्री कार्यक्रमों और छात्र प्रायोजित कार्यक्रमों के संबंध में किया गया था। हालांकि, इस दुष्कर प्रयास को संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा वर्ष भर उत्साहपूर्वक चलाया गया था। साथ ही, संकाय एवं कर्मचारी सदस्यों की समीक्षा तथा भर्ती पर अतिरिक्त ध्यान दिया गया।

लोग पहले....... संस्थान की स्पष्ट नीति है। संस्थान को *(क)* शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए *छात्र–केंद्रित* तथा *(ख)* प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमों के लिए *भारत–केंद्रित* बनाने के लिए कार्यवाही योग्य प्रयास किए जा रहे हैं। संकाय एवं कर्मचारी सदस्यों के कैरियर निर्माण का यह पणधारी दृष्टिकोण आई.आई.टी. जोधपुर समुदाय का नाारा है। यह आशा की जाती है कि संस्थान के निर्माण के "पणधारी दृष्टिकोण" का क्रियान्वयन करने हेतु संस्थान और अधिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं की स्थापना करेगा।

संगठन

शासी बोर्ड

अध्यक्ष

- **प्रोफेसर गोवर्धन मेहता** (एफएनए, एफआरएस)
  आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
  हैदराबाद विश्वविद्यालय,
  पी.ओ. – केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
  हैदराबाद– 500046,

- **निदेशक (पदेन)**
  प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति
  निदेशक
  आई.आई.टी. जोधपुर
  ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
  जोधपुर 342011

सदस्य – आई.आई.टी. परिषद् द्वारा मनोनीत

- **प्रोफेसर पंकज चंद्रा**
  पूर्व निदेशक
  भारतीय प्रबंध संस्थान
  बंगलौर 560076

- **डॉ. क. विजय राघवन**
  सचिव,
  जैव प्रौद्योगिकी विभाग
  भारत सरकार
  बंगलौर 560076

- **श्री किरण कार्णिक**
  पूर्व अध्यक्ष, नेसकॉम
  एस–315 पंचशील पार्क
  नई दिल्ली 110017

- **श्री डी. आर. मेहता**
  संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक
  भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति
  13ए–गुरूनानक पथ
  मुख्य मालवीय नगर
  जयपुर 302017

राज्य सरकार के नामिति

- **प्रमुख सचिव**
  उच्च एवं तकनीकी शिक्षा
  मुख्य भवन सचिवालय
  राजस्थान सरकार
  जयपुर 302005

वित्त समिति

अध्यक्ष

- **प्रोफेसर गोवर्धन मेहता** (एफएनए, एफआरएस)
  आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
  हैदराबाद विश्वविद्यालय,
  पी.ओ. – केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
  हैदराबाद– 500046,

सदस्य

- **प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति**
  निदेशक
  आई.आई.टी. जोधपुर
  ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
  जोधपुर 342011

- **अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)**
  उच्चतर शिक्षा विभाग
  मानव संसाधन विकास मंत्रालय
  भारत सरकार
  शास्त्री भवन
  नई दिल्ली –110001

- **वित्तीय सलाहकार**
  उच्चतर शिक्षा विभाग
  मानव संसाधन विकास मंत्रालय
  भारत सरकार
  शास्त्री भवन
  नई दिल्ली –110001

- **श्री जी. एस. सूद**
  सीएमडी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम
  एनबीसीसी टॉवर
  प्लाट संख्या 15
  भीकाजी कामा प्लेस
  नई दिल्ली 110066

- **सी.ए. एस. एस. भंडारी**
  निदेशक
  बोर्ड में गैर–कार्यकारी निदेशक
  बैंक ऑफ बड़ौदा
  पी–7, तिलक मार्ग, सी–स्कीम
  जयपुर 302005

- **गौरव हरित**
  सहायक प्रोफेसर
  आई.आई.टी. जोधपुर
  ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा
  जोधपुर 342011

भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

- **प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति**
  निदेशक
  आई.आई.टी. जोधपुर
  ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातान्दा
  जोधपुर 342011

सदस्य

- **सुश्री उषा कासना,**
  मुख्य वास्तुकार,
  लोक निर्माण विभाग,
  राजस्थान सरकार,
  जेकब रोड, सिविल लाइंस,
  जयपुर 302006

- **श्री आर. के. गोविल**
  अतिरिक्त महानिदेशक सिविल (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
  26, अंकुर अपार्टमेंट
  7, आई0पी0 एक्सटेंशन
  दिल्ली 110092

- **श्री वी. के. बंसल**
  मुख्य अभियंता विद्युत (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
  721 स्काई लार्क अपार्टमेंट,
  सेक्टर–6, प्लॉट संख्या–35, द्वारका
  नई दिल्ली 110075

- **बी. रवीन्द्र**
  एसोशिएट प्रोफेसर
  भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
  जोधपुर 342011

निदेशक

सी. वी. आर. मूर्ति

समन्वयक

बी. रवीन्द्र	संकाय
अम्बेश दीक्षित	अनुसंधान एवं विकास
गौरव हरित	शैक्षिक (अवर स्नातक कार्यक्रम)
अतुल कुमार	शैक्षिक (स्नातकोत्तर कार्यक्रम)
हरि नारायणन् वी.	छात्र
राकेश कुमार शर्मा	प्रयोगशाला
राकेश कुमार शर्मा	स्वचालन
मैनाक मजूमदार	पुस्तकालय
सुष्मिता झा	जैविकरूप प्रेरित प्रणाली विज्ञान केंद्र
बी. रवीन्द्र	ऊर्जा केंद्र
अनिल कुमार तिवारी	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी केंद्र
किरणकुमार आर. हीरेमठ	प्रणाली विज्ञान केंद्र

संयोजक

वेंकट रमन बादारला	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
छीपककुमार एम्. फुलवानी	इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
आनंद कृष्णन पलापल्ली	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
सुष्मिता झा	जीवविज्ञान
राकेश कुमार शर्मा	रसायन
पुनीत शर्मा	गणित
आशुतोष कुमार आलोक	भौतिक विज्ञान
विद्या सर्वेश्वरन	मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान

अध्यक्ष

श्री प्रकाश तिवारी	वार्डन परिषद
पी. माणिकंडन	छात्र प्लेसमेंट समिति
अनिल कुमार तिवारी	चिकित्सा सेवा समिति
वी. वी. एम. एस. चंद्रमौली	संभार–तंत्रीय समिति
वी. वी. एम. एस. चंद्रमौली	छात्रवृत्ति और पुरस्कार समिति
आनंद कृष्णन पलापल्ली	एलुमिनि संबंध समिति
लालटू चंद्रा	प्रमुख समीक्षा समिति
मोनिका सिन्हा	काउंसिलिंग सेवा समिति
विद्या सर्वेश्वरन	अतिरिक्त भित्ति व्याख्यान समिति

अधिकारी

गौरव हरित	मुख्य सतर्कता अधिकारी
राहुल छिब्बर	पारदर्शिता अधिकारी
पुनीत शर्मा	हिंदी अधिकारी
किरणकुमार आर. हीरेमठ	हरित पहल अधिकारी
मोनिका सिन्हा	महिला प्रकोष्ठ अधिकारी
अमरदीप शर्मा	जनसंपर्क अधिकारी

सीनेट

सी. वी. आर. मूर्ति	अध्यक्ष
प्रताप भानु मेहता	सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)
एच. पी. खिंचा	सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)
संजीव मिश्रा	सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)
बी. रवीन्द्र	सदस्य
अतुल कुमार	
गौरव हरित	
मैनाक मजूमदार	
राकेश कुमार शर्मा	
श्री प्रकाश तिवारी	
विद्या सर्वेश्वरन	

शैक्षणिक समिति

समन्वयक (पीजी कार्यक्रम)	अध्यक्ष
समन्वयक (यूजी कार्यक्रम)	सह–अध्यक्ष
समन्वयक, जैविकरूप प्रेरित प्रणालि विज्ञान केंद्र	सदस्य
समन्वयक, ऊर्जा केंद्र	
समन्वयक, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी केंद्र	
समन्वयक, प्रणाली विज्ञान केंद्र	
बरुण प्रतिहर	

केंद्र और फोकस समूह – संबद्ध संकाय सदस्य

आई.आई.टी. जोधपुर की शैक्षिक एवं शोध गतिविधियां इसके केंद्रों तथा फोकस समूहों द्वारा आयोजित की जाती है।

हम ऐसे अत्याधुनिक, शोध संचालित और बहु–विषयक केंद्रों की स्थापना करने के प्रति वचनबद्ध है जहां विभिन्न विषयों के विद्वान उभरते हुए और प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक एवं ऐसे सामाजिक मुद्दों पर उत्पादक शोध करेंगे जो समकालीन जगत के समक्ष आ रही चुनौतियों को परिलक्षित करते हैं। प्रत्येक शैक्षिक गतिविधि में अंतर–विषयक संस्कृति का संवर्धन करने के लिए आईआईटी, जोधपुर वैयक्तिक विषयों पर आधारित शैक्षिक विभागों की स्थापना के ढांचे को नहीं अपनाता है। केवल अवर स्नातक कार्यक्रम ही वैयक्तिक विषयों में प्रदान किए जाते हैं।

वर्तमान में आई.आई.टी. जोधपुर में निम्नलिखित क्षेत्रों में चार केंद्र हैः

1. ऊर्जा
2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
3. प्रणाली विज्ञान, और
4. जैविकरूप प्रेरित प्रणाली विज्ञान

निम्नलिखित विषयों में फोकस ग्रुप गठित किए गए हैः

1. कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
2. इलेक्ट्रिकल प्रौद्योगिकी
3. मैकेनिकल प्रौद्योगिकी
4. जीवविज्ञान शास्त्र
5. रसायन शास्त्र
6. गणित शास्त्र
7. भौतिकी शास्त्र
8. मानविकी और सामाजिक विज्ञान

जैविकरूप प्रेरित प्रणाली विज्ञान केंद्र (बी.आई.एस.एस.)

दृष्टिकोण

जैविकरूप प्रेरित प्रणाली विज्ञान केंद्र (बी.आई.एस.एस.) जैविक प्रणालियों तथा प्रक्रियाओ द्वारा प्रेरित आदर्श, अनुकूल और सतत् प्रौद्योगिकीय हल प्रदान करने के बृहत उद्देश्य से आरंभ किया गया एक केंद्र है। आई.आई.टी. जोधपुर ने इस केंद्र को इस धारणा के साथ आरंभ किया है कि एक परीक्षा उन्मुखी एकल शिक्षा से सृजनात्मकता – उन्मुखी गुणवत्ता बहु–विषयक शिक्षा में जाने हेतु सुधार का समय आ गया है जिससे जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग के बीच मौजूद सीमाएं दूर हो सकेगी।

बी.आई.एस.एस. में अन्य बी.टेक. छात्रों को जीव विज्ञान में अतिरिक्त आधुनिक सक्षमता के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग अथवा कंप्यूटर विज्ञान के तीन इंजीनियरिंग विषयों में से एक में कोर सक्षमता चुनने का विकल्प प्रदान करता है। उन्हें मूल जीव विज्ञान से लेकर प्रौन्नत न्यूरो साइंस, मनोविज्ञान, कोग्निटिव साइंस, कंप्यूटेशनल बॉयोलोजी तथा पर्यावरण विज्ञान के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाएगा। कोर इंजीनियरिंग के ज्ञान के ये भंडार तथा बॉयोलोजी के क्षेत्र में अग्रणीय स्थान पारंपरिक तथा जैविकरूप प्रेरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में चुने गए कैरियर का अतिरिक्त लाभ प्रदान करते है।

बी.आई.एस.एस. में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम को 4 सेमेस्टरों में बांटा गया है। इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार है:

1. छात्रों को कोर पाठ्यक्रमों के साथ मौलिक शिक्षा सहित सशक्त बनाना;
2. शोध उन्मुखीकरण का विकास करना;
3. उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना (एम.टेक./एम.एस./पीएच.डी.);
4. विशिष्ट अथवा प्रोन्नत इलेक्टिव पाठ्यक्रम;
5. परियोजना आधारित वास्तवित अनुभव;
6. छात्रों को प्रमुख उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार करना।

पीएच.डी. (बॉयोलोजिकल इंसपायर्ड सिस्टम विज्ञान) कार्यक्रम जीव–विज्ञान, वास्तविक विज्ञान और इंजीनियरिंग से नवाचार तक तकनीकों के प्रशिक्षण और समेकन पर जोर देता है जो कि छात्रों को बहु–विषयक एवं समेकित समस्याओं का हल करने का पात्र बनाता है।

शोध सार

संकाय सदस्य निम्नलिखित क्षेत्रों में मूल एवं एप्लाइड शोध करते है:

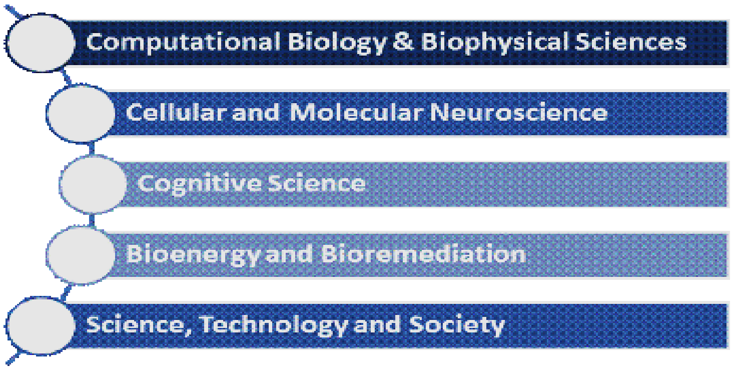

कंप्यूटेशनल बॉयोलोजी तथा बॉयोफिजिकल विज्ञान

इस समूह का ध्यान भौतिक और रसायनिक प्रक्रियाओं को समझना है जो जटिल जैविक प्रणाली का संगठन करती हैं। समूह के सदस्य मॉलीक्यूलर डॉकिंग, वर्चुअल स्क्रीनिंग, ग्राफ थ्योरी, जटिल नेटवर्क विश्लेषण जो मॉलीक्यूलर स्तर पर ऐसी जटिल प्रणालियों की संगत सूचना प्रदान करता है पर आधारित कंप्यूटेशनल मॉडलिंग के साथ मॉलीक्यूलर डायनेमिक्स जैसे सैद्धांतिक और कंप्यूटेशनल दृष्टिकोण पर कार्य करता है। यह समूह विविध बॉयोफिजिकल तकनीक अर्थात् मैगनेटिक रेजोनेंस, माइक्रोस्कोपी, कैलोरीमीट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपी इत्यादि के कंप्यूटेशनल आकलन की जांच के अतिरिक्त संगत लघु एवं मैक्रो मॉलीक्यूल की अवसंरचना, कार्य और इंटरमॉलीक्यूलर अभिक्रियाओं को समझने तथा उनका विश्लेषण करने के लिए भी क्रियान्वयन करता है।

सेल्यूलर तथा मॉलीक्यूलर न्यूरो साइंस

इसका उद्देश्य स्वस्थ तथा रोगी मस्तिष्क के कार्यों हेतु सेल्यूलर तथा मॉलीक्यूलर तंत्र की खोज करना है। प्रथम दृष्टिकोण न्यूरोन में सेल्यूलर स्तर पर अत्यधिक बहुमुखी तथा आदिष्ट प्रोटीन असेम्बलियों के मॉलीक्यूलर तंत्र को समझना है। दूसरे दृष्टिकोण का लक्ष्य इंट्रीकेट सेल्यूलर और मॉलीक्यूलर तंत्र को समझना है जो एक दूसरे के साथ तथा न्यूरो के साथ ग्लीअल की अभिक्रिया को स्पष्ट करता है।

कोग्निटिव विज्ञान

मस्तिष्क एवं इसके कार्यों का अध्ययन कोग्निटिव विज्ञान, दर्शन–शास्त्र, मनोविज्ञान, कंप्यूटेशनल तथा न्यूरो साइंस के दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाता है। वर्तमान शोध एम्बोडिड कोगनेशन, माइंडफुलनेस, मन–भटकने, ध्यान, परिकल्पना, याददाशत, परिकल्पना–कार्य इंटरफेस, सृजनात्मकता, व्यवहार में कोगनेटिव उतार–चढ़ाव जैसे कि स्वयं को नुकसान पहुंचाना और बचाव तथा उत्कृष्टता के लिए कोग्निटिव एवं न्यूरो फीडबैक पर केंद्रित है।

बॉयोएनर्जी तथा बॉयोरिमेडिएशन

ऊर्जा दोहन प्रणालियां जिनके पास प्रदूषण हटाने क्षमता है, वे सतत एवं वृहत प्रयोग के लिए हित की प्रणालियां है। यह माइक्रोबियल फ्यूल सेल पर ध्यान केंद्रित करता है जो कि सक्षम अपशिष्ट ट्रीटमेंट उपकरण हैं परंतु वे अल्प ऊर्जा उत्पादक होते है। शोध में सेल के कम्पार्टमेंटों में माइक्रोबियल/इलेक्ट्रोकैमिकल प्रक्रिया को समझ कर ऊर्जा की सक्षमता में सुधार करने पर दिया जाता है। हमारी प्रयोगशाला खमीर आधारित बॉयोडीजल का पता लगाने और उसकी पैदावार में सुधार करने का भी प्रयास कर रही है।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा समाज

इस मंच में शैक्षिक और शिक्षा शास्त्र का ध्यान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज पर संकेन्द्रित है। यह मंच उपर्युक्त के दर्शनशास्त्र, संस्कृति, नॉरमेटिव तथा ऐतिहासिक ज्ञान पर जोर देता है। खोज के मुख्य शीर्षकों में विज्ञान का इतिहास और दर्शन, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का सामान्यीकरण, सततता, प्रौद्योगिकीय प्रकटन, सौंदर्यशास्त्र तथा डिजाइन, विजुअल कला अध्ययन एवं साहित्य शामिल है। यह उन तरीकों को समझने के लिए एक मंच प्रदान करता है जिसमें मानव समाज स्वयं को प्रौद्योगिकीय नवाचार के माध्यम से और परिवर्तन के साथ जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक और नीतिगत मुद्दों के आकलन हेतु परिवर्तित करता है।

उद्देश्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में ऊर्जा केंद्र शिक्षा प्रदान करने, नई तथा वृद्धित ऊर्जा परिवर्तन प्रौद्योगिकियां तैयार करने तथा ऊर्जा भंडारण, प्रौद्योगिकीय स्वदेशीकरण, सौर ऊर्जा संवर्धन तथा ऊर्जा परिवर्तन सहित सतत् ऊर्जा हल विकसित करने के प्रति समर्पित है।

केंद्र की ऊर्जा के संबंध में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों को आरंभ करके, शिक्षित तथा समन्वित करके भारत के रुक्ष पश्चिमी भाग की वृद्धि और विकास हेतु एक उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पना की गई है। यह ऊर्जा से संबंधित मुद्दों और प्रौद्योगिकी के विकास में भागीदारी और कार्यों के लिए सरकार, शिक्षा जगत, उद्योग जगत और समाज के लिए एक समान आधार प्रदान करता है।

ऊर्जा केंद्र में अपने कार्य और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के उद्देश्य से रसायन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और भौतिकी के केंद्रित समूहों से ऊर्जा शोध में कार्यरत संकाय सदस्य है।

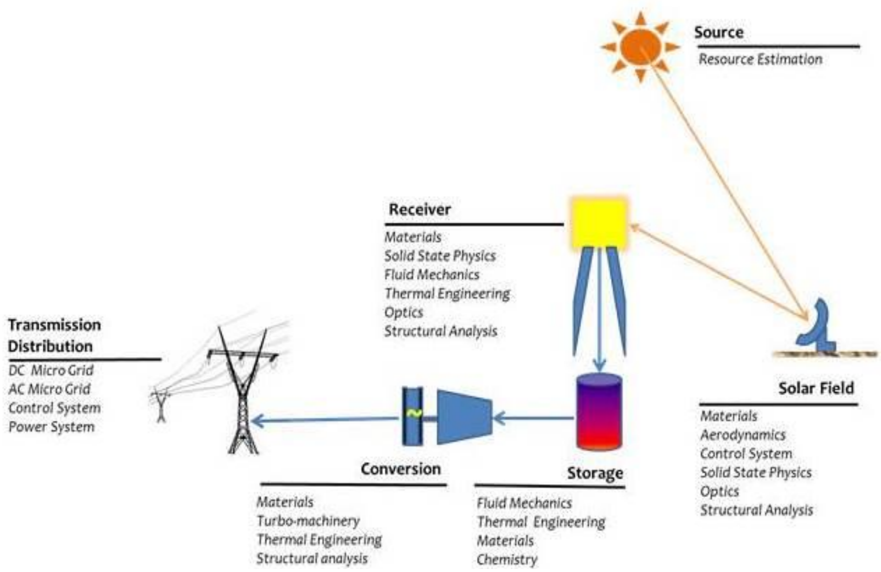

संबद्ध संकाय सदस्य निम्नलिखित क्षेत्रों में मूल एवं एप्लाइड शोध में रत है:

1. सौर ऊर्जा
2. पदार्थ
3. रसायन
4. भौतिकी
5. ऊर्जा रूपांतरण और वितरण
6. भंडारण
7. कम्प्यूटेशनल द्रव डायनेमिक्स
8. संरचनात्मक विश्लेषण और डिजाइन
9. पर्यावरण और समाज

दृष्टिकोण
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) केंद्र का लक्ष्य सामाजिक–आर्थिक तथा पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए नवाचारी और सतत् आईसीटी आधारित हल तैयार करने हेतु एक प्रमुख गतंव्य बनना है।

मिशन
आईसीटी केंद्र में बहु–विषयक शोध किए जाते हैं और नीचे उल्लिखित उद्देश्यों के साथ शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं:

1. मौजूदा सामाजिक–आर्थिक तथा पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति की क्षमता का लाभ उठाना।
2. डिजीटल डिवाइड को संचालन आधारित लागत हार्डवेयर डिजाइन के माध्यम से सभी के लिए डिजीटल अवसर में परिवर्तित करना।
3. प्रशिक्षुओं, डेवलोपरों, अंशदाताओं, उद्यमियों तथा नीति निर्धारकों के लिए आधार तैयार करना।
4. सरकार, निजी क्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी के साथ समेकित समाज का निर्माण करने की दिशा में कार्य करना।

शोध क्षेत्र
संचार एवं नेटवर्किंग
इस समूह की गतिविधियां मुख्यतः वॉयरलेस तथा वॉयर आधारित संचार, सेंसर और कंप्यूटर नेटवर्कों के लिए हल तैयार करने पर संकेंद्रित है। शोध में बहु–इनपुट बहु–आउटपुट (एमआईएमओ) प्रणाली, व्याख्या प्रबंधन, संसाधन आबंटन, क्रॉस–लेयर एल्गोरिथम डिजाइन, फिजिकल लेयर सुरक्षा, निगरानी, वॉयरलेस पॉवर ट्रांसफर तथा कोगनेटिव रेडियो प्रौद्योगिकियों के लिए कंप्यूटेशनल सक्षम योजनाओं का विकास करना शामिल है। अन्य केंद्रित क्षेत्रों में सैटेलाइट आधारित नेवीगेशन प्रणाली, रेडार प्रणाली और मोबाइल क्लाउड कंप्यूटिंग शामिल है।

उपकरण प्रौद्योगिकी
इस समूह की गतिविधियां मुख्यतः माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स तथा वीएलएसआई के क्षेत्र पर केंद्रित है। वर्तमान शोध गतिविधियों का लक्ष्य अल्प आयामी सेमीकंडक्टर उपकरणों, एलईडी, एचईएमटी, सेंसर तथा सोलर सैल प्रयोगों के लिए ग्रुप III – नाइटराइड मेटीरियल, अल्प लागत कार्बनिक फील्ड – इफेक्ट ट्रांजिस्टर, मेमोरी और फोटोवोल्टिक प्रयोगों के लिए मल्टीलेयर जियोमेट्री में ऑकसाइड तथा नाइटराइड कंपाउंड सेमीकंडक्टर, एमईएमएस उपकरणों के लिए स्पिनट्रॉनिक प्रयोग, प्लाजमोनिक तथा गणितीय स्ट्रक्चर, पीजोइलेक्ट्रिक थिन फिल्मों को तैयार करना है।

मल्टीमीडिया एवं सॉफ्टवेयर प्रणाली

वर्तमान में यह समूह डीग्रेडिड वीडियो के वास्तविक समय प्रसंस्करण हेतु कंप्यूटेशनल सक्षम एल्गोरिथम, ध्वनि न्यूनतम करने, सुपर रेज्यूलेशन, वाटरमार्किंग, इमेज तथा वीडियो कम्प्रेशन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मुख्य संकेंद्रण वीडियो विश्लेषण, दस्तावेज इमेज विश्लेषण, मल्टी–कैमरा निगरानी, वीडियो इंडेक्सिंग पर है। इन प्रयोगों को करने में मशीन अधिगम मुद्दों को हल करने पर विशिष्ट जोर दिया जा रहा है। सॉफ्टवेयर प्रणालियों हेतु मल्टी–कोर प्रणालियों के लिए ऊर्जा सक्षम कार्य सेड्यूलिंग एल्गोरिथम तैयार करने, वितरित प्रणालियों का प्रयोग करते हुए उच्च निष्पादन गणना क्षमता की आवश्यकता वाली वैज्ञानिक समस्याओं को हल करने और कंप्यूटेशनल जटिल थ्यौरी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह समूह बड़े आंकड़ा विश्लेषण के प्रणाली संबंधित पहलुओं पर भी ध्यान देता है।

दृष्टिकोण

आई.आई.टी. जोधपुर का प्रणाली विज्ञान केंद्र का 2011 में इसकी शुरूआत से ही एक समग्र प्रणाली समझ दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतर–विषयक शिक्षा और शोध का संवर्धन तथा क्रियान्वयन करने का लक्ष्य रहा है। यह केंद्र छात्रों को युवा प्रशिक्षित स्नातकों में परिवर्तित करने के अपने दृष्टिकोण को बनाए रखे हुए है जो इंजीनियरिंग प्रणाली, प्राकृतिक प्रणाली तथा वित्तीय प्रणालियों के विविध क्षेत्रों में प्रणाली ज्ञान की भावनाओं के साथ समाहित है। यह केंद्र शोध क्षेत्रों में कार्य करता है जिनमें मात्रात्मक वित्त, मात्रा सूचना, गैर–रेखीय डायनेमिक्स और अराजकता, जटिल नेटवर्क और प्रणालियां, रसायनिक अभिक्रिया डायनेमिक्स, ग्राफ एल्गोरिथम तथा इमेज प्रोसेसिंग शामिल है। इन शोध क्षेत्रों का विवरण निम्नानुसार हैः

मात्रात्मक वित्त

मात्रात्मक वित्त समूह के केंद्रित क्षेत्रों में वित्तीय जोखिम माप और मॉडलिंगः बैंकिंग क्षेत्र के लिए क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम और संचालन जोखिम; समय श्रृंखला तथा मशीन अधिगम तकनीकः वित्तीय समय श्रृंखला के दीर्घावधि तथा लघु अवधि पूर्वानुमान के लिए मॉडल का विकास; तथा बीमा मॉडलः मौजूदा मॉडलों का विश्लेषण तथा नए मॉडलों का विकास शामिल है।

मात्रा सूचना

मात्रा सूचना क्षेत्र, मात्रा सूचना एवं गणना जैसे कि मात्रा क्रिप्टोग्राफी, टेलीपोर्टेशन, सीक्रेट शेयरिंग, मात्रा एल्गोरिथम तथा डेंस कोडिंग द्वारा प्रदत्त संभावित प्रयोगों के मात्रा के मूल पहलुओं को शामिल करने वाले विस्तृत विषयों पर कार्य करता है। इस शोध मंच में यह समूह मात्रा ऑप्टिक्स, कंडेंशस्ड मेटर फिजिक्स तथा पार्टिकल फिजिक्स जैसे शोध क्षेत्र के साथ मात्रात्मक सूचना के इंटरफेस पर भी कार्य करता है।

गैर–रेखीय डायनेमिक्स तथा अराजकता

यह क्षेत्र गैर–रेखीय डायनेमिक्स के इंजीनियरिंग और गणतीय पहलुओं, दीर्घावधि व्यवहार और स्थिरता, डायनामिकल लक्षण जैसे कि ट्रांजिस्टीविटी, संवेदनशीलता, आवधिक, एंट्रोपी तथा अराजकता के विभिन्न पहलुओं में कार्य करता है। इन गणितीय अध्ययनों से प्राप्त दृष्टिकोणों का गैर–रेखीय ऑप्टिक्स, प्लाजमोनिक्स, लाइट–मेटर एंटरएक्शन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। यह समूह अल्प आयामी प्रणालियों में आकर्षकों के अध्ययन जियोमेट्रिक रिजीडिटी के लिए पुनः सामान्यीकरण तकनीक पर भी ध्यान देता है तथा इस सिद्धांत को उच्च आयामी प्रणालियों में कैसे विस्तारित किया जाए पर भी ध्यान देता है।

जटिल नेटवर्क और प्रणालियां

इस शोध क्षेत्र के सेकेंद्रित क्षेत्रों में नियंत्रणयता, वोटिंग तथा सहमति नीति निर्धारण; नेटवर्क पर खेल, औपचारिक–अनौपचारिक नेटवर्क तथा सामाजिक पूंजी, नेटवर्कों में सूचना प्रसार, वास्तविक नेटवर्कों की मॉडलिंग और विश्लेषण शामिल है। इस समूह में सदस्य भी पदार्थों से लेकर इंजीनियरिंग तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी शोध के लिए समग्र प्रणाली दृ ष्टिकोण के माध्यम से राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कार्यक्रम मिशन 2020 (एनएमईएमपी 2020) में योगदान दे रहे है।

वर्ष 2013–14 में वैयक्तिक विषय क्षेत्रों में फोकस समूहों का आरंभ होने से संकाय सदस्यों को आई.आई.टी. जोधपुर में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु सीधे विचार–विमर्शों में शामिल होना सुकर हो गया है। वर्तमान में निम्नलिखित क्षेत्रों में संकाय सदस्यों से संबद्ध तथा उनके विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आठ फोकस समूह हैः

कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	
वेंकट रमण बादारला	परिवहन, नेटवर्क, एमएसी लेयर मुद्दे वायरलेस एड–हॉक, मेश, सेंसर नेटवर्क। तथा एक स्वायत्त/स्व स्थापना वायरलेस नेटवर्किंग सिस्टम का डिजाइन, रिकॉन्फीग्रुरेबल एमएसी–लेयर के क्रियान्वयन हेतु तकनीक, एक प्रोटोटाइप कोगनेटिव रेडियो नेटवर्क के क्रियान्वयन की तकनीक, आईपीवी6 के तैनाती संबंधी पहलू और डब्ल्यूआईएमएएक्स से संबंधित मुद्दों जैसे मामलों में भी अभिरूचि।
अभिषेक मिश्रा	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंगः एलगोरिथम तथा जटिलता
गौरव हरित	इमेज एवं वीडियो विश्लेषण
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	
दीपककुमार एम. फुलवानी	अस्थिर प्रणालियों, पॉवर प्रणालियों का नियंत्रण तथा स्टेट आकलन, हवा ऊर्जा परिवर्तन प्रणाली में नियंत्रण संबंधी मुद्दे।
अब्दुल गफूर शेख	पॉवर सिस्टम के विभिन्न घटकों का संरक्षण, डीजी पैनीट्रेशन के साथ वितरण नेटवर्क का संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत पैनीट्रेशन के साथ वितरण नेटवर्क में पॉवर गुणवत्ता मूल्यांकन तथा मिटीगेशन
अनिल कुमार तिवारी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंगः बॉयो मेडिकल में इमेज प्रोसेसिंग, वीडियो प्रोसेसिंग तथा सिग्नल प्रोसेसिंग एप्लीकेशन
अरुण कुमार सिंह	संचार थ्योरी, वायरलेस एवं मोबाइल संचार, सेटेलाइट आधारित नेवीगेशन प्रणाली, स्प्रेड स्पैक्ट्रम प्रणाली
संदीप कुमार यादव	सिग्नल प्रोसेसिंग, कंडीशन मॉनीटरिंग, इमेज प्रोसेसिंग, डाटा कम्प्रेशन, ब्लाइंड स्रोत पृथक्कीकरण, काल्पनिक न्यूरल नेटवर्क

श्री प्रकाश तिवारी	माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स तथा वीएलएसआई प्रौद्योगिकी, माइक्रो फैब्रीकेशन, ऑर्गेननिक इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण भौतिकी तथा वर्गीकरण, नए उपकरण ढांचे
विवेक दीक्षित	नेनोफोटोनिक/ओपटोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सेमीकंडक्टर उपकरण भौतिकी, III-V सेमीकंडक्टर,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	
आनंद कृष्णन पलापल्ली	ऊर्जा जल संबंध, जल/अपशिष्ट जल ट्रीटमेंट, हाइड्रोलॉजी, मेटीरियल मैकेनिक्स, संभाव्यता, इंजीनियरिंग पद्धति, कृषि जल प्रबंधन
बी. रवीन्द्र	मैकेनिक्स, मैकाट्रॉनिक्स तथा सौर ऊर्जा
बरुण प्रतिहर	डायनामिक मॉडल एवं साइमूलेशन, गैर–रेखीय डायनामिक्स, स्थिरता विश्लेषण, अस्थिरता तकनीक, लोचशील रॉबर्ट, लोचशील पाइप अथवा कार्बन नेनो ट्यूब में फ्लूइड स्ट्रक्चर इंटरएक्शन, मॉडलिंग तथा डायनामिक रेसपोंस एमईएमएस उपकरण
लालटू चंद्रा	सौलर थर्मल सिस्टम, थर्मल हाइड्रोलिक्स, टर्बूलेंस साइमूलेशन (डीएमएस/एलईएस/हाइब्रिड/आरएएनएस) तथा मॉडल विकास, कंप्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स, हीट एक्सचेंजर डिजाइन
प्रोद्युत रंजन चक्रवर्ती	हीट एवं मास ट्रांसफर, उच्च ताप प्रयोग के लिए लेटेंट हीट आधारित थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एक्टिव एवं पेसिव सौलर कूलिंग, धातुओं को ठोस और द्रव बनाना, थर्मोडायनामिक्स, न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर
राहुल छिब्बर	बेल्डिंग तथा ज्वाइनिंग, प्रौन्नत निर्माण प्रक्रिया, क्षति मैकेनिक्स, बॉयो सामग्री, पदार्थ प्रोसेसिंग
तपनो कुमार होत्ता	इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के थर्मल प्रबंधन, सौर प्रशीतन और एयर कंडीशनिंग
जीवविज्ञान	
सुष्मिता झा	सेलुलर और मॉलीक्यूलर तंत्रिका विज्ञान, सेल और मॉलीक्यूलर फिजियोलॉजी
अमित कुमार मिश्रा	सेलुलर और मॉलीक्यूलर तंत्रिका विज्ञान, कोशिका चक्र विनियमन और कैंसर
गणेश बागलर	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और जैव सूचना विज्ञान, जटिल नेटवर्क, सिस्टम जीव विज्ञान, जटिल प्रणालियां

करुणाकर कार	प्रोटीन बायोफिजिक्स, एमीलोइड्स और कोलेजन, रेशनली इंजीनियर्ड बायोमैटिरियल्स
मीनू छाबड़ा	जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकीः नवीकरणीय बॉयोएनर्जी बॉयोरिमेडीएशन

रसायन

राकेश कुमार शर्मा	जल स्पिलीटिंग कटैलिसीस, सौर हाइड्रोजन उत्पादन मैक्रोमोलीक्यूल आधारित मॉलीक्यूलर सेंसर, लघु मॉलीक्यूल सक्रियण के लिए हैट्रोजीनियस कटैलिसीस, ग्रीन कैमिस्ट्री कटैलिसीस स्टीरियोकंट्रोल प्लास्टिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए कटैलिसीस, फीडस्टॉक रसायन विज्ञान, ऊर्जा के समाधान के लिए कटैलिसीस, डी और एफ ब्लॉक तत्व के आधार पर समन्वय रसायन विज्ञान। जल रसायन शास्त्र
अनन्या देबनाथ	मल्टी स्कैल मॉडलिंग, प्रोटीन मेम्ब्रेन बायोफिजिक्स, डायनामिक्स और इंटरफेसियल जल का थर्मोडायनामिक्स, सक्रिय प्रक्रियाओं के पॉलिमर डायनामिक्स और अवरोध मुक्त अभिक्रिया, पाथ इंटीग्रल थ्योरी
अतुल कुमार	मात्रा सूचना प्रोसेसिंग
मणिकंडन परंज्योति	सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, रासायनिक प्रतिक्रिया डायनामिक्स
एस. हरिणीप्रिया	लिथियम आयन बैटरी, ईंधन सैल, इलेक्ट्रो–डिपोजीशन, थर्मल भंडारण प्रणालियां, मोंटे कार्लो सिमुलेशन, सामग्री संश्लेषण और लक्षण
समन्विता पाल	हल और सोलिड स्टेट एनएमआर और एनक्यूआर स्पेक्ट्रोस्कोपी

गणित

पुनीत शर्मा	टोपोलॉजिकल डायनामिक्स, अल्प आयामी अराजकता
बिभास अधिकारी	रैखिक और गैर–रेखीय बीजीय सिस्टम, अनुकूलन तकनीक, नेटवर्क सिस्टम
दीनबंधु प्रधान	ग्राफ थ्योरी और ग्राफ एल्गोरिथम
गौरव भटनागर	वेवलेट विश्लेषण, आंशिक ट्रांसफोर्म थ्योरी, मल्टीमीडिया सुरक्षा, इमेज प्रोसेसिंग, सूचना फ्यूजन
आई. वेंकट अप्पल राजू	वित्तीय गणित, बीमा मॉडल

किरणकुमार आर. हीरेमठ	वेब–मेटर इंटरएक्शन के सैद्धांतिक गणितीय और कम्प्यूटेशनल पहलू
सत्यब्रत अधिकारी	मात्रा सूचना
वी. वी. एम. एस. चंद्रमौली	स्मूथ डायनामिकल प्रणालियां, यूनीमॉडल नक्शों और हेनन–समान नक्शों का पुनः सामान्यीकरण
विवेक विजय	वित्तीय जोखिम विश्लेषण, स्पष्ट डेटा विश्लेषण, प्रतिगमन
भौतिकी	
आशुतोष कुमार आलोक	पार्टिकल भौतिकी और ब्रह्माण्ड विज्ञान
अम्बेश दीक्षित	सेमीकंडक्टर, मल्टीफंक्शनल फेरोइक तथा ऊर्जा–फेब्रीकेशन और लक्षण हेतु पदार्थ, फोटोवोल्टिक सामग्री और उपकरण एब इनीसियो डीएफटी अध्ययन और डिवाइस सिमुलेशन
महेश कुमार	एमबीई द्वारा समूह III-V मात्रा संरचना, पतली फिल्मों और नेनोस्ट्रक्चरों की वृद्धि, एलईडी के लिए समूह– III नाइटराइड एलोय, एचईएमटी तथा फोटोवोल्टिक प्रयोग अकार्बनिक–अकार्बनिक स्ट्रक्चर बैंडगेप इंजीनियरिंग पर विशेष ध्यान देते हुए, एमईएमएस के लिए एसआई वाइड बैंड गेप सेमीकंडक्टर, माइक्रो तथा नेनो उपकरण फेब्रीकेशन
मोनिका सिन्हा	एस्ट्रोफिजिक्स, एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स
सत्यजीत साहू	जैविक प्रणालियों में सूचना प्रोसेसिंग
शुभाशीष बनर्जी	ओपन मात्रा प्रणालियां; मात्रा सूचना; गैर–संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; मात्रा ऑप्टिक्स
वी. नारायणन	ऑप्टिक्स तथा सौर फील्ड डिजाइन, प्लाजमोनिक्स, लेजर उत्पादित प्लाज्मा (एलपीपी), प्लस्ड लेजर डिपोजीशन (पीएलडी), प्लाज्मा डायग्नोस्टिक्स (इंटरफेरोमेट्री और ऑप्टिकल उत्सर्जन स्पेक्ट्रोस्कोपी (ओईएस)), लेजर पदार्थ सहभागिता और लेजर क्लस्टर इंटरेक्शन
मानविकी और सामाजिक विज्ञान	
विद्या सर्वेश्वरन	अंग्रेजी: साहित्य और पर्यावरण (इकोक्रिटिसीजम), फिल्म और साहित्य, वैश्विक दक्षिण साहित्य, अनुवाद में क्षेत्रीय साहित्य, अमेरिकी साहित्य

अंकिता शर्मा	मनोविज्ञान:	जरा विज्ञान, क्लीनिकल और सकारात्मक मनोविज्ञान
अंशू लुईस	अंग्रेजी:	अमेरिकी साहित्य, साहित्यिक और क्रिटिकल थ्योरी, पोस्टमॉडर्न फिक्शन, और अंग्रेजी भाषा तथा संचार
देबब्रत पाल	अर्थशास्त्र:	सामाजिक विकल्प थ्योरी, कानून और अर्थशास्त्र, सामाजिक–आर्थिक नेटवर्क, आर्थिक थ्योरी
गौरीशंकर एस. हीरेमठ	अर्थशास्त्र:	वित्तीय अर्थशास्त्र, वित्तीय बाजार, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, ऊर्जा अर्थशास्त्र, लांग मेमेरत, सहकारिता
के. जे. जॉर्ज	दर्शनशास्त्र:	एप्लाइड नीतिशास्त्र, प्रौद्योगिकी का आचार, बॉयोइथिक्स
मैनाक मजूमदार	अर्थशास्त्र:	बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और दवा उद्योग, उत्पादकता और कार्यकुशलता विश्लेषण, वृद्धि और क्षेत्रीय विकास, असमानता गरीबी और सामाजिक गतिशीलता
रीजो एम. जॉन	अर्थशास्त्र:	स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य नीति, एप्लाइड इकोमेट्रिक्स, विकास अध्ययन
स्नेहलता जसवाल	मनोविज्ञान:	कोग्नेशनल, साइकोमीट्रिक्स, अवसाद
श्रीकुमार जयदेवन	दर्शनशास्त्र:	दर्शनशास्त्र, डिजाइन का सौंदर्यशास्त्र, औपचारिक तर्क, प्रौद्योगिकी का दर्शनशास्त्र
वी. हरि नारायणन	दर्शनशास्त्र:	संज्ञानात्मक अध्ययन, विकासवादी थ्योरी, विश्लेषणात्मक दर्शन और माइंडफुलनेस

कर्मचारी सदस्य

क्षेमा प्रकाश	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
संजीव मुखर्जी	अधिशासी अभियंता
अमरदीप शर्मा	सहायक कुलसचिव
आशीष कछवाह	लेखा अधिकारी
गौरव निगम	अधीक्षक
संदीप चंदेल	अधीक्षक
नरेन्द्र कुमार सिंह	तकनीकी अधीक्षक
रिंपेश कटियार	तकनीकी अधीक्षक
विजय बोराणा	वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
धीरेन्द्र कुमार यादव	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
पूनम चंद संखला	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
रिंकेश कुमार मंगल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
भरत पारीक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
राजू पेटा	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
शैलेंद्र प्रताप सिंह	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
अमित कुमार सोनी	वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
नरेश चौहान	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
संदीप पारीक	कनिष्ठ अधीक्षक
शरभ प्रधान	कनिष्ठ अधीक्षक
सुदेश कुमार अग्निहोत्री	कनिष्ठ अधीक्षक
विनय कुमार	कनिष्ठ इंजीनियर
चंद्रेश पारीक	कनिष्ठ इंजीनियर
शरद श्रीवास्तव	कनिष्ठ एकाउंटेंट
धनी राम	कनिष्ठ सहायक
स्वाति कुशवाहा	कनिष्ठ सहायक
गणपत चौधरी	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
पंकज सिंह	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
प्रवीण सुथार	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
अनुराग गुप्ता	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
विवेक वर्मा	कनिष्ठ लैब सहायक

शैक्षिक कार्यक्रम

वर्ष 2013–14 में संकाय सदस्यों, शैक्षिक कार्यालयों, छात्रों को शामिल करते हुए सावधानीपूर्वक एक प्रयास में तीन डिग्री कार्यक्रमों (नामतः, बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम) की पुनश्चर्या और पाठ्यक्रमों की सूक्ष्म समीक्षा की गई और इसे पुनः तैयार किया। 300 से अधिक पाठ्यक्रमों के इस पुनः निर्धारण ने आईआईटी जोधपुर में गुणवत्तावान शिक्षा की सीमा का स्तर उठाने का अवसर प्रदान किया।

वर्तमान में आई.आई.टी. जोधपुर निम्नलिखित अवर स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। प्रदान किए जाने वाले पांच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) कार्यक्रम निम्नानुसार हैः

1. बी.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
2. बी.टेक. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी
3. बी.टेक. यांत्रिक इंजीनियरी
4. बी.टेक. प्रणाली विज्ञान
5. बी.टेक. जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान

बी.टेक. कार्यक्रम की अवधि 4 वर्ष है। इन अवरस्नातक कार्यक्रमों का उद्देश्य हैः

1. छात्रों को प्रौद्योगिकी और विज्ञान में मूल दृष्टिकोण प्रदान करना,
2. अध्ययन के क्षेत्र में मुक्त एवं उद्देश्यपूर्ण खोज की भावना का संवर्धन करना, और
3. राष्ट्र की प्रौद्योगिकीय आवश्यकता को पूरा करने के लिए कुशल तकनीकी श्रमिकों के विकास में योगदान देना।

तीन क्षेत्रों में एम.टेक. कार्यक्रम भी प्रदान किए जाते हैं, नामतः

1. एम.टेक. (उर्जा)
2. एम.टेक. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी), तथा
3. एम.टेक. (प्रणाली विज्ञान)

अब एम.टेक. कार्यक्रमों में इलेक्टिव संगठित विषय है। इसी प्रकार, नए पीएच.डी. कार्यक्रमों की आवश्यकता को अन्य संस्थानों में अपनाई जा रही पद्धति के अनुसार बनाया गया है। सभी तीन कार्यक्रमों (बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी.) में आरंभ में एक पर्यवेक्षक के साथ बहु–विषयक शोध को प्रोत्साहित किया जाता है।

आईआईटी जोधपुर में प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, विज्ञान और मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। पी.एचडी कार्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन तथा उभरते हुए क्षेत्रों में अच्छे ज्ञान और शोध प्रशिक्षण वाले स्नातक तैयार करना है। पीएच.डी. कार्यक्रम (1) सेमेस्टर प्रणाली, (2) क्रेडिट प्रणाली, और (3) रिलेटिव ग्रेडिंग के तीन आयामों पर आधारित है।

वर्ष 2013–14 में एक शैक्षिक–उद्योग जगत भागीदारी के एक बी.टेक. कार्यक्रम के प्रस्ताव को भी सफलतापूर्वक पारित किया। यह अन्नय कार्यक्रम जुलाई, 2014 से संस्थान में आने वाले अवर स्नातक छात्रों के लिए आरंभ किया जाना अपेक्षित है। इस अनन्य कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

1. प्रमुख उद्योगों से पाठ्यक्रम सुधार में योगदान देने और चुनिंदा क्षेत्रों में व्याख्यान देने के लिए प्रबुद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित करना;
2. छात्रों को संस्थान द्वारा प्रदत्त प्रौद्योगिकी शिक्षा के समेकित भाग के रूप में तीन निरंतर ग्रीष्म के लिए प्रत्येक ग्रीष्म 8–सप्ताह हेतु उद्योगों में एक गहन अनुभव प्रदान करना;
3. उद्योग तथा शैक्षिक जगत द्वारा विविध विषय विशेषज्ञों द्वारा सभी पाठ्यक्रमों के प्रथम लेक्चर;
4. छात्रों की प्रौद्योगिकी–संबद्ध पाठ्यक्रमों के साथ शुरूआती संलिप्तता;
5. उद्योग जगत के साथ ढ़ाई से अधिक वर्षों में व्यापक कैप्सटोन बहु–विषयक नवाचारी परियोजनाएं।

आज की स्थिति के अनुसार, देश के सात सर्वोच्च उद्योगों ने देश के इस अपने किस्म के कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने की इच्छा व्यक्त की है।

शोध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आई.आई.टी. जोधपुर और अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं तथा एजेंसियों के बीच संगम ज्ञापन

1. **यूनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न ओंटारियो, कनाडा (दिनांक 09.08.2010)**
   शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में सहयोग की संभावनाएं तलाशना तथा परिसरों में पारस्परिक वास्तविक उपस्थिति, प्रत्यक्ष संपर्क तथा संकाय सदस्यों, विभागों और शोध केन्द्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।

2. **यूनिवर्सिटी रोविरा इ वरजिली, तरागोना, स्पेन (दिनांक 29.08.2010)**
   पारस्परिक रूप से लाभप्रद शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास, शिक्षण, शोध और प्रशिक्षण के प्रयोजन से शैक्षिक स्टाफ मोबिलिटी का समन्वय, अध्ययन और अनुसंधान, शोध, प्रकाशन एवं सिंपोजिया जैसे संयुक्त शैक्षिक कार्यकलापों के लिए छात्र मोबिलिटी कार्यक्रम में सहयोग, पारस्परिक हित के क्षेत्रों में प्रलेखन तथा शोध सामग्री के आदान–प्रदान में कई कानूनी अड़चन न हो, और दोनों संस्थाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय मास्टर और डॉक्टोरल कार्यक्रम में सहयोग।

3. **दीकमिसरियेट इ ला इनर्जी एटोमीक एट ऑक्स इनर्जीज अल्टरनेटिव्ज, फ्रांस (दिनांक 22.11.2010)**
   सौर ऊर्जा अनुसंधान में क्षेत्रों में सहयोग, जैसे संकेन्द्रित सौर ऊर्जा और संकेद्रित फोटोवोल्टिक, सौर ऊर्जा के उपयोग से जल उत्पादन; नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण तथा स्मार्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जा का समेकन और भवन में ऊर्जा कार्यक्षमता।

4. **यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाडा (दिनांक 25.11.2010)**
   पारस्परिकता, पारस्परिक लाभ, नियमित संपर्क और स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों के आदान–प्रदान के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय अनुभव को बढ़ाने और ज्ञान का विकास करने के सहयोगात्मक उपाय।

5. **यूनिवर्सिटी ऑफ मानिटोबा, कनाडा (दिनांक 09.12.2010)**
   छात्रों के ज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव की उन्नति के लिए अवसर प्रदान करने हेतु इंटर्नशिप और स्नातक अध्ययन के लिए परस्पर लाभकारी कार्यक्रम विकसित करना।

6. भारत में फ्रांस का दूतावास (दिनांक 28.03.2011)

छात्रों के लिए भविष्यलक्षी क्षेत्रों की तलाश करना और छात्रों की प्रभावशाली ढंग से फ्रेंच भाषा सीखने में सहायता करना।

7. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, मरसीड (दिनांक 26.04.2011)

शैक्षिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने वाले पारस्परिक लाभप्रद संबंध बनाना, शिक्षण, अनुसंधान और कार्यक्रम विकास के लिए प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, स्नातक छात्रों तथा शोध कार्मिकों का आदान–प्रदान। इसके अलावा, परिचालन के लिए उपलब्ध प्रकाशनों, वैज्ञानिक सामग्री, अध्येता शोध–पत्रों और शोध जानकारी का आदान–प्रदान संबंधी संस्थाओं के लाइसेंसिंग करारों द्वारा यथाअनुमत्य पुस्तकालय सामग्री तक पहुंच प्रदान करना।

8. एरिड वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, भारत (दिनांक 15.08.2011)

आई.आई.टी., जोधपुर में एक चुनी हुई साईट के लिए शहरी वन्य मॉडल के रूप में छाया बेल्ट रोपण का विकास।

9. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, नारा, जापान (दिनांक 28.02.2012)

उन क्षेत्रों जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करनाः शैक्षिक आदान–प्रदान में सहयोगी शोध का कार्यान्वयन, संयुक्त सिम्पोजिया, लैक्चर और शिक्षा तथा विद्वानों, शोधकर्ताओं और प्रशासनिक स्टाफ के आदान–प्रदान, उन क्षेत्रों में सूचना का आदान–प्रदान जो दोनों पक्षों की रूचि की हो और दोनों पक्षों के हित के क्षेत्र में स्नातक छात्रों का आदान–प्रदान शामिल होगा।

शोध एवं विकास परियोजनाएं

प्रौद्योगिकी संस्थानों में शोध के वातावरण में सुधार करने के राष्ट्रीय उद्देश्य को हमारे संकाय सदस्यों द्वारा गंभीरतापूर्वक लिया जा रहा है। जैसा कि जारी प्रायोजित शोध परियोजनाओं की निम्नलिखित सूची में दिया गया है, उनमें से प्रायोजित शोध हेतु बीस का निधियन राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा किया गया हैः

1. **न्यूरोडीजनरेटिव रोगों में ई3 यूबीक्यूटिन लिगेज इम्पलीकेटिड की पहचान, मूल्यांकन और वर्णन**
   जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार
   पीआईः अमित मिश्रा
   74.5 लाख रूपए
2. **कैपरोन मीडिएटिड ऑटोफैजी के मॉलीक्यूलर फंक्शन को समझना**
   जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार
   पीआईः अमित मिश्रा
   41.19 लाख रूपए
3. **न्यूरोडीजनरेटिव रोगों में ई3 यूबीक्यूटिन लिगेज और मॉलीक्यूलर कैपरोन इम्पलीकेटिड की पहचान, मूल्यांकन और वर्णन**
   विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
   पीआईः अमित मिश्रा
   5.56 लाख रूपए
4. **तनाव के पश्चात् एएमएफआर कैसे जीन सेल डिवीजन और कैंसर को विनियमित करता है**?
   परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीएई, भारत सरकार
   पीआईः अमित मिश्रा
   23.9 लाख रूपए
5. **भाषा, अनुभूति और मानव मस्तिष्क**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
   पीआईः हरि नारायण वी0
   0.5 लाख रूपए
6. **माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करते हुए डेनीट्रीफिकेशन सहित अल्प स्तर अपशिष्ट का बॉयोरिमेडिएशन**
   परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीएई, भारत सरकार
   पीआईः मीनू छाबड़ा; सह–पीआईः अतुल कुमार
   23.73 लाख रूपए
7. **फेफड़ों में वात कणों का डिपोजीशन**
   परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीएई, भारत सरकार
   पीआईः सुष्मिता झा
   24.79 लाख रूपए

8. **गिलीओमा में इन्फ्लेमासोम से जुड़े प्रोटीन की भूमिका**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: सुष्मिता झा
22.30 लाख रूपए

9. **उच्च आवृत्ति के सा–उपकरण प्रयोगों के लिए III–नाइटराइड पतली फिल्मों का विकास**
अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार
पीआई:: अम्बेश दीक्षित
22.62 लाख रूपए

10. **फैरोइलेक्ट्रिक का विकास और माइक्रोवेव अवशोषण अनुप्रयोगों के लिए हेक्साफेराइट के साथ उनका संघटन**
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, जोधपुर
पीआई: अम्बेश दीक्षित
9.55 लाख रूपए

11. **सीयू1–एक्सटीएमएक्सओ मल्टीफेरोइक सिस्टम में मेगनेटोइलेक्ट्रिक युग्मन की जांच**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआई: अम्बेश दीक्षित
23.42 लाख रूपए

12. **बी-> एस संक्रमण के माध्यम से नई भौतिकी की खोज**
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार
पीआई: आशुतोष के0 आलोक
सह–पीआई: सुभाशीष बनर्जी
11.92 लाख रूपए

13. **चलायमान प्लेटफार्म के साथ एक उच्च हल्के रोटर–बियरिंग सिस्टम के विभाजन और स्थिरता का आकलन**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: बरुण प्रतिहर
21.8 लाख रूपए

14. **सौर थर्मल अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना**
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार
पीआई: लालतू चंद्रा
40 करोड़ रूपए

15. **आईओसी–भेल–आईआईटी जे सीएसपी प्लांट**
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
पीआई: लालटू चंद्रा
60 लाख रूपए

16. **सौलर हाइड्रोजन का सृजन, भंडारण और वितरण**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई: राकेश कुमार शर्मा
8.66 लाख रूपए

17. **कार्बन नेनोट्यूब सरफेस पर असिमीट्रिक हाइड्रोजीनेशन**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई: राकेश कुमार शर्मा
25.25 लाख रूपए

18. **मॉलीक्यूलर सेंसरः संश्लेषण और अनायन मान्यता अध्ययन**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: राकेश कुमार शर्मा
27 लाख रूपए

19. **सरफेकटेंट, सह–सरफेकटेंट जल प्रणाली का दोहरा सिमुलेशन**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: अनन्या देबनाथ
21.7 लाख रूपए

20. **स्वास्थ्य एवं पर्यावरण निगरानी हेतु इंटेलीजेंट वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए सक्षम प्रौद्योगिकी**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआई: अनिल कुमार तिवारी
75 लाख रूपए

21. **अल्प लागत मोबाइल रोबोट का विकास – शिक्षा के लिए रोबोटिक**
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
पीआई: दीपक कुमार एम. फुलवानी
1.55 करोड़ रूपए

22. **जटिल परीक्षण अवश्यकताओं को सुकर बनाने हेतु फोटोवोल्टिक संयंत्र के लिए प्रोग्राम योग्य इमूलेटर का विकास**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: दीपक कुमार एम. फुलवानी
9.48 लाख रूपए

23. **शैक्षिक वीडियो का लाभ उठाने के लिए विश्लेषण तथा अनुक्रमण उपकरणों का विकास**
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
पीआई: गौरव हरित
32.45 लाख रूपए

24. **गैस सेंसिंग एप्लीकेशन के लिए स्पूटरिंग द्वारा मेटल डोप्पड टीआईओ2 अल्प परिमाण संरचना का विकास**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआईःमहेश कुमार
17.46 लाख रूपए

25. **जटिल कार्बनिक प्रतिक्रियाओं का रासायनिक गतिशीलता सिमुलेशन**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआईः माणिकंदन प्राणज्योति
18.7 लाख रूपए

26. **एनआई–सेंसर और नेटवर्क लैब**
एनआई सिस्टम (आइ) प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर
पीआईः संदीप कुमार यादव
5 लाख रूपए

27. **प्रजनन बाल स्वास्थ्य**
यूनिसेफ, जयपुर शाखा
पीआईः संदीप कुमार यादव
38.52 लाख रूपए

28. **जटिल कम्प्यूटेशनल पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न जैविक और कृत्रिम प्रणालियों का सिन्क्रोनी आधारित विकास**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
पीआईः सत्यजीत साहू
35 लाख रूपए

29. **लचीले कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए डाईइलेक्ट्रिक सेमीकंडक्टर संयोजन और प्रक्रियाओं का विकास**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआईः श्री प्रकाश तिवारी
12.84 लाख रूपए

30. **इंटरवल रैखिक व्यवस्था और इंटरवल ईजेन–मूल्य समस्या के लिए थ्योरी और संख्यात्मक एल्गोरिथम**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआईः बिभास अधिकारी
सह–पीआईः विवेक विजय
21.87 लाख रूपए

31. **मात्रा सूचना प्रोसेसिंग में ग्राफ थ्योरेटिकल पहलू**
औद्योगिक और वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार
पीआईः बिभास अधिकारी
9.92 लाख रूपए

32. **ग्रेफाइट पर एसआईसी कोटिंग्स**
परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार
पीआई: एस. हरिणीप्रिया
17.12 लाख रूपए

33. **जलीय लचीले लिथियम आयन बैटरी के लिए अल्ट्राफास्ट चार्जिंग कैथोड और एनोड नेनोमैटीरियल**
विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार
पीआई: एस. हरिणीप्रिया
18 लाख रूपए

विशेषकर अपने संबंधित क्षेत्रों में शोध उपलब्धियों के लिए अमित कुमार मिश्रा को दिसंबर, 2013 में आईएनएसए के वार्षिक सम्मेलन में आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पदक से सम्मानि किया गया है, जबकि महेश कुमार को दिसंबर, 2014 में इस वर्ष का यह पुरस्कार प्राप्त करने के लिए चुना गया है। नौ संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय तकनीकी इवेंटों में अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संस्थान की भागीदारी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आई.आई.टी. जोधपुर के स्थायी परिसर में एक 100 किलोवाट (ईष्टतम क्षमता) कन्सन्ट्रेटिड सौलर थर्मल प्रणाली के निर्माण में सतत् सहायता के जरिए और अधिक सुदृढ़ हुई है।

वर्ष 2013–14 में हमारे संकाय सदस्यों द्वारा 56 जर्नल लेखों, 18 सम्मेलन प्रस्तुतियों और सम्मेलन कार्रवाई प्रकाशनों, दो पुस्तक अध्याय तथा दो संपादित पुस्तकों का योगदान दिया गया है। साथ ही, हमारे संकाय सदस्य कुछ अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नलों के संपादक बोर्ड में भी कार्य कर रहे हैं।

साथ ही, हमारे कर्मचारी सदस्यों ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आई.सी.ए.आर.) और अन्य आई.आई.टी. में चयन तथा मूल्यांकन समितियों के सदस्यों के रूप में भाग लिया है। विशेषकर क्षेमा प्रकाश INFLIBNET कन्सोर्टियम द्वारा आयोजित ई–पीजी पाठशाला के विकास के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की विषय–वस्तु तैयार करने में शामिल है।

संकाय प्रकाशन 2013–14

जर्नल प्रकाशन

1. **Adhikari, B.**, & Alam, R. (2014). Structured mapping problems for linearly structured matrices. *Linear Algebra and Its Applications*, *Vol. 444,* Pp.132–145. doi:10.1016/j.laa.2013.11.014

2. Sazim, S., **Adhikari, S.**, **Banerjee, S.**, & Pramanik, T. (2013). Quantification of entanglement of teleportation in arbitrary dimensions. *Quantum Information Processing*, *Vol. 13(4),* Pp.863–80. doi:10.1007/s11128-013-0697-3

3. **Alok, A. K.**, & **Banerjee, S.** (2013). Decoherence free B_d and B_s meson systems. *Physical Review D*, *88*(9), 094013(1–4). doi:10.1103/PhysRevD.88.094013

4. **Banerjee, S.**, Chandrashekar, C. M., & Pati, A. K. (2013). Enhancement of geometric phase by frustration of decoherence: A Parrondo-like effect. *Physical Review A*, *87*(4), 042119. doi:10.1103/PhysRevA.87.042119

5. Omkar, S., Srikanth, R., & **Banerjee, S.** (2013). Dissipative and non-dissipative single-qubit channels: dynamics and geometry. *Quantum Information Processing*, *12*(12), 3725–44. doi:10.1007/s11128-013-0628-3

6. Shrimali, M. D., & **Banerjee, S.** (2013). Commun Nonlinear Sci Numer Simulat Delayed q-deformed logistic map. *Communications in Nonlinear Science and Numerical Simulation*, *18*(11), 3126–33. doi:10.1016/j.cnsns.2013.03.017

7. Dhar, H. S., **Banerjee, S.**, Chatterjee, A., & Ghosh, R. (2013). Controllable quantum correlations of two-photon states generated using classically driven three-level atoms. *Annals of Physics*, *331*, 97–109. doi:10.1016/j.aop.2012.12.008

8. **Chakraborty, P. R.**, & Dutta, P. (2013). Study of Freckles Formation During Directional Solidification Under the Influence of Single-Phase and Multiphase Convection. *Journal of Thermal Science and Engineering Applications*, Vol. 5(2), Pp.021004(1–13). doi:10.1115/1.4023601

9. Singhvi, P., **Chhabra, M.** (2013). Simultaneous Chromium Removal and Power Generation Using Algal Biomass in a Dual Chambered Salt Bridge Microbial Fuel Cell. *Journal of Bioremediation & Biodegradation*, *Vol 4(5).* Pp. 1000190(1-4). doi:10.4172/2155-6199.1000190

10. Jindal, S., **Chhibber, R.**, & Mehta, N. P. (2013). Effect of welding parameters on bead profile, microhardness and H2 content in submerged arc welding of high-strength low-alloy steel. *Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part B: Journal of Engineering Manufacture*, *228*(1), 82–94. doi:10.1177/0954405413495846

11. Jindal, S., **Chhibber, R.**, & Mehta, N. P. (2014). Modeling flux chemistry for submerged arc weldments of high-strength low-alloy steel. *Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part B: Journal of Engineering Manufacture*, *0*(0), 1–14. doi:10.1177/0954405413517364

12. Ciomaga Hatnean, M., Pinsard-Gaudart, L., Fernández-Díaz, M. T., Petit, S., **Dixit, A.**, Lawes, G., & Suryanarayanan, R. (2013). Structural and magnetic properties of the $M_2Ga_2Fe_2O_9$ (M=In, Sc) oxides. *Journal of Solid State Chemistry*, *200*, 110–116. doi:10.1016/j.jssc.2012.12.014

13. **Dixit, A.**, Thakur, J. S., Naik, V. M., & Naik, R. (2013). Influence of Excitation Frequency on Raman Modes of $In_{1-x}Ga_xN$ Thin Films. *Advances in Condensed Matter Physics*, *2013* (Article ID 191282), 1–4.

14. Goi, K., Ogawa, K., Tan, Y. T., **Dixit, V.**, Lim, S. T., Png, C. E., … Kwong, D.-L. (2013). Silicon Mach-Zehnder modulator using low-loss phase shifter with bottom PN junction formed by restricted-depth doping. *IEICE Electronics Express*, *Vol. 10(17),* Pp.1-9. doi:10.1587/elex.10.20130552

15. Khoo, E. H., Ahmed, I., Guo, Z., **Dixit, V.**, Ang, M. T. W., & Li, E. P. (2013). Investigation of the near field distribution in circular nanostructures using Stokes polarization states. *Applied Physics A*, *Vol. 112(3),* Pp.597–603. doi:10.1007/s00339-013-7756-6

16. Pandey, V., & **George, K. J.** (2014). Changing Perceptions of Fairness : Group Identity , Locus of Merit and Need , and the Preference for Norms of Allocation. *International Journal of Social Sciences*, *Vol. III(1),* Pp.2–18.

17. Bag, S., **Harit, G.**, & Bhowmick, P. (2014). Recognition of Bangla compound characters using structural decomposition. *Pattern Recognition*, *Vol. 47(3),* Pp.1187–1201. doi:10.1016/j.patcog.2013.08.026

18. Mallik, A., Ghosh, H., Chaudhury, S., & **Harit, G.** (2013). MOWL : An Ontology Representation Language for Web-Based Multimedia Applications, *ACM Transactions on Multimedia Computing, Communications and Applications, Vol. 10(1),* Pp.1–21. doi:10.1145/2542205.2542210

19. Franchimon, E. F., **Hiremath, K. R.**, Stoffer, R., & Hammer, M. (2013). Interaction of whispering gallery modes in integrated optical microring or microdisk circuits: hybrid coupled mode theory model. *Journal of the Optical Society of America B*, *Vol. 30(4),* Pp.1048–1057. doi:10.1364/JOSAB.30.001048

20. **Hotta, T. K.**, Balaji, C., & Venkateshan, S. P. (2014a). Experiment Driven Ann-GA Based Technique for Optimal Distribution of Discrete Heat Sources Under Mixed Convection. *Experimental Heat Transfer*, *28*(3), 298–315. doi:10.1080/08916152.2013.871867

21. **Hotta, T. K.**, Balaji, C., & Venkateshan, S. P. (2014b). Optimal Distribution of Discrete Heat Sources Under Mixed Convection—A Heuristic Approach. *Journal of Heat Transfer*, *136*(10), 104503(1–7). doi:10.1115/1.4027350

22. **Hotta, T. K.**, & Venkateshan, S. P. (2014). Optimal Distribution of Discrete Heat Sources Under Natural Convection Using ANN–GA Based Technique. *Heat Transfer Engineering*, *36*(2), 200–11. doi:10.1080/01457632.2014.909222

23. **Jayadevan, S.** (2014). Early Life of Scientific Theories: A Model Based Analysis. *Jadavpur Journal of Philosophy, Vol. 1(1).*

24. Mamudu, H. M., **John, R. M.**, Veeranki, S. P., & Ouma, A. E. O. (2013). The odd man out in Sub-Saharan Africa: understanding the tobacco use prevalence in Madagascar. *BMC Public Health, Vol. 13(1),* Pp.856-66. doi:10.1186/1471-2458-13-856

25. Mamudu, H. M., Veeranki, S. P., & **John, R. M.** (2013). Tobacco Use Among School-Going Adolescents (11–17 Years) in Ghana. *Nicotine & Tobacco Research, Vol 15(8),* Pp. 1355-64. doi:10.1093/ntr/nts269

26. Dubey, K., & **Kar, K.** (2014). Type I collagen prevents amyloid aggregation of hen egg white lysozyme. *Biochemical and Biophysical Research Communications, Vol. 448(4),* Pp. 480–84. doi:10.1016/j.bbrc.2014.04.135

27. **Kar, K.**, Arduini, I., Drombosky, K. W., van der Wel, P. C. a, & Wetzel, R. (2014). D-polyglutamine amyloid recruits L-polyglutamine monomers and kills cells. *Journal of Molecular Biology, Vol. 426(4),* Pp.816–29. doi:10.1016/j.jmb.2013.11.019

28. Roy, S., Ganguly, N., **Kumar, A.**, **Adhikari, S.**, & Majumdar, A. S. (2013). A cloned qutrit and its utility in information processing tasks. *Quantum Information Processing, Vol. 13(3),* Pp.629–638. doi:10.1007/s11128-013-0678-6

29. Bhat, T. N., Rajpalke, M. K., Roul, B., **Kumar, M.**, & Krupanidhi, S. B. (2013). Impact of substrate nitridation on the photoluminescence and photovoltaic characteristics of GaN grown on p-Si (100) by molecular beam epitaxy. *Journal of Materials Science: Materials in Electronics, Vol. 24(9),* Pp.3371–75. doi:10.1007/s10854-013-1257-4

30. Rajpalke, M. K., Roul, B., Bhat, T. N., **Kumar, M.**, Sinha, N., Jali, V. M., & Krupanidhi, S. B. (2014). Effects of growth temperature on nonpolar a-plane InN grown by molecular beam epitaxy. *Physica Status Solidi (c), Vol. 11(3-4),* Pp.932–35. doi:10.1002/pssc.201300486

31. **Louis, A.** (2014). Ethnicity and the Rhetoric of Essentialism in Philip Roth's Operation Shylock. *Critique: Studies in Contemporary Fiction, Vol. 55(4),* Pp.452–64. doi:10.1080/00111619.2013.783787

32. Chhangani, D., Chinchwadkar, S., & **Mishra, A.** (2014). Autophagy coupling interplay: can improve cellular repair and aging? *Molecular Neurobiology*, *Vol. 49(3),* Pp.1270–81. doi:10.1007/s12035-013-8599-z

33. Chhangani, D., & **Mishra, Amit.** (2013). Mahogunin ring finger-1 (MGRN1) suppresses chaperone-associated misfolded protein aggregation and toxicity. *Scientific Reports*, *No. 3:1972,* Pp.srep01972(1-10). doi:10.1038/srep01972

34. Chhangani, D., & **Mishra, Amit.** (2013). Protein quality control system in neurodegeneration: a healing company hard to beat but failure is fatal. *Molecular Neurobiology*, *48*(1), 141–56. doi:10.1007/s12035-013-8411-0

35. **Mishra, A.**, Maheshwari, M., Chhangani, D., Fujimori-Tonou, N., Endo, F., Joshi, A. P., … Yamanaka, K. (2013). E6-AP association promotes SOD1 aggresomes degradation and suppresses toxicity. *Neurobiology of Aging*, Vol. *34*(4), Pp.1310.e11–23. doi:10.1016/j.neurobiolaging.2012.08.016

36. **Mishra, Abhishek.**, & Tripathi, A. K. (2014). A Monte Carlo algorithm for real time task scheduling on multi-core processors with software controlled dynamic voltage scaling. *Applied Mathematical Modelling*, *Vol. 38(7-8),* Pp.1929–47. doi:10.1016/j.apm.2013.10.023

37. **Mishra, Abhishek.**, & Tripathi, A. K. (2014b). Energy efficient voltage scheduling for multi-core processors with software controlled dynamic voltage scaling. *Applied Mathematical Modelling*, *Vol. 38(14),* Pp.3456–66. doi:10.1016/j.apm.2013.12.009

38. **Narayanan, V. H.** (2013). Embodied cognition and the Orwell's problem in cognitive science. *AI & SOCIETY*, Pp. 1–5. doi:10.1007/s00146-013-0496-5

39. Rajeev, R., Madhu Trivikram, T., Rishad, K. P. M., **Narayanan, V.**, & Krishnamurthy, M. (2013). Generation of energetic negative ions from clusters using intense laser fields. *New Journal of Physics*, *15*(4), 043036 (1–15). doi:10.1088/1367-2630/15/4/043036

40. **Paranjothy, M.**, Sun, R., Kumar Paul, A., & Hase, W. L. (2013). Models for Intrinsic Non-RRKM Dynamics. Decomposition of the SN2 Intermediate Cl−–CH3Br. *Zeitschrift Für Physikalische Chemie*, *Vol. 227(9-11),* 1361–79. doi:10.1524/zpch.2013.0414

41. **Paranjothy, M.**, Sun, R., Zhuang, Y., & Hase, W. L. (2013). Direct chemical dynamics simulations: coupling of classical and quasiclassical trajectories with electronic structure theory. *Wiley Interdisciplinary Reviews: Computational Molecular Science*, *Vol. 3(3),* Pp.296–316. doi:10.1002/wcms.1132

42. Pratihar, S., Kohale, S. C., Yang, L., **Paranjothy, M.**, Gibson, K. D., Killelea, D. R., … Hase, W. L. (2013). Chemical Dynamics Simulations of High Energy Xenon Atom Collisions with the {0001} Surface of Hexagonal Ice. *The Journal of Physical Chemistry C*, *Vol. 117(5),* Pp.2183–93. doi:10.1021/jp3112028

43. **Plappally, A. K.** et. al. (2013). Water Use and Related Costs at Households in Western and Northern Parts of India. *Hydrology Current Research, Vol. 4(3),* Pp. 158(1-9). doi:10.4172/2157-7587.1000158

44. **Pradhan, D.** (2014). On the complexity of the minimum outer-connected dominating set problem in graphs. *Journal of Combinatorial Optimization, January 2014*. doi:10.1007/s10878-013-9703-z

45. Ghosh, S., Dutta, M., **Sahu, S.**, Fujita, D., & Bandyopadhyay, A. (2014). Nano Molecular-Platform: A Protocol to Write Energy Transmission Program Inside a Molecule for Bio-Inspired Supramolecular Engineering. *Advanced Functional Materials, Vol. 24(10),* Pp.1364–71. doi:10.1002/adfm.201302111

46. Ghosh, S., **Sahu, S.**, & Bandyopadhyay, A. (2014). Evidence of massive global synchronization and the consciousness: comment on "Consciousness in the universe: a review of the 'Orch OR' theory" by Hameroff and Penrose. *Physics of Life Reviews, Vol. 11(1),* Pp.83–84; discussion 94–100. doi:10.1016/j.plrev.2013.10.007

47. **Sahu, S.**, Ghosh, S., Ghosh, B., Aswani, K., Hirata, K., Fujita, D., & Bandyopadhyay, A. (2013). Atomic water channel controlling remarkable properties of a single brain microtubule: correlating single protein to its supramolecular assembly. *Biosensors & Bioelectronics, Vol. 47,* Pp.141–48. doi:10.1016/j.bios.2013.02.050

48. Usmani, B., & **Seshadri, H.** (2013). Characterization of Black Chrome Films in the Presence and Absence of Graphite Encapsulated FeCo Nanoparticles Prepared by Electrodeposition Technique for Solar Thermal Applications. *ECS Transactions , Vol. 53(19),* Pp.47–61. doi:10.1149/05319.0047ecst

49. Usmani, B., **Seshadri, H.**, Kumar, N., & Gupta, V. (2014). Solar selective coatings with enhanced thermal and corrosion stability: Electrochemically deposited black chrome on stainless steel in the presence of graphite encapsulated FeCo Nanoparticles. *Advanced Materials Research, Vol. 875-877,* Pp.388–93. doi:10.4028/www.scientific.net/AMR.875-877.388

50. Manda, S., Saini, A., Khaleeq, S., Patel, R., Usmani, B., **Seshadri, H.**, … Roy, B. (2013). Thermocells of carbon material electrodes and its performance characteristics. *Journal of Materials Research and Technology, Vol. 2(2),* Pp.165–181. doi:10.1016/j.jmrt.2013.01.005

51. **Sharma, A.** (2013). Challenging Activity Theory for Subjective Well-being. *Indian Journal of Applied Research, Vol. 3(12),* Pp.516–520.

52. Salvi, G., **Sharma, P.**, & Raman, S. (2013). Efficient Image Retargeting for High Dynamic Range Scenes, 1–8. Computer Vision and Pattern Recognition. Submitted to Computing and Research Repository (CoRR). Retrieved from http://arxiv.org/abs/1305.4544

53. **Sinha, M.,** Huang, X.-G., & Sedrakian, A. (2013). Strange quark matter in strong magnetic fields within a confining model. *Physical Review D, Vol. 88(2),* Pp.025008(1-6). doi:10.1103/PhysRevD.88.025008

54. **Sinha, M.,** Huang, X.-G., & Sedrakian, A. (2013). Strange quark matter in strong magnetic fields within a confining model. *Physical Review D, Vol. 88(2),* Pp.025008(1-6). doi:10.1103/PhysRevD.88.025008

55. Chourasia, V. S., & **Tiwari, A. K.** (2013). Design Methodology of a New Wavelet Basis Function for Fetal Phonocardiographic Signals, *The Scientific World Journal, Vol. 2013,* Article ID 505840, 12 pages. doi:10.1155/2013/505840

56. Chourasia, V. S., **Tiwari, A. K.**, & Gangopadhyay, R. (2014). Interval type-2 fuzzy logic based antenatal care system using phonocardiography. *Applied Soft Computing, Vol. 14 (Part C),* Pp.489–97. doi:10.1016/j.asoc.2013.08.016

57. Getmanenko, Y. A., Polander, L. E., Hwang, D. K., **Tiwari, S. P.**, Galán, E., Seifried, B. M., … Marder, S. R. (2013). Bis(naphthalene diimide) derivatives with mono- and dicarbonyl-fused tricyclic heterocyclic bridges as electron-transport materials. *Journal of Organic Semiconductors, Vol. 1(1),* Pp.7–15. doi:10.1080/21606099.2013.791037

58. Singh, V. P., **Vijay, V.**, **Ravindra, B.**, Basu, J. S., Chaturvedi, D.K., & Rajshekhar, P. (2013). Combined effect of deterministic and stochastic variables on comparative performance analysis of 101 kW A-Si PV and C-Si PV based rooftop grid tied solar Photovoltaic systems in Jodhpur. *Journal of Central Power Research Institute, Vol. 9(2),* Pp.279–89.

59. Singh, V. P., **Vijay, V.**, **Hiremath, G. S.**, Chaturvedi, D. K., Rajkumar, N. (2013). Analysis of solar power variability due to seasonal variation and its forecasting for Jodhpur region using Artificial Neural Network. *Journal of the Central Power Research Institute, Vol. 9(3),* Pp.110–18.

शोध रिपोर्टें

1. Burki, S. J., Pasha, A. G., Pasha, H. A., **John, R. M.**, Jha, P., Baloch, A. A., … Chaloupka, F. J. (2013). *The Economics of Tobacco and Tobacco Taxation in Pakistan*. Paris: International Union Against Tuberculosis and Lung Disease. ISBN: 9791091287104.

सम्मेलन प्रस्तुतियां और सम्मेलन की कार्रवाई में प्रकाशन

1. Rathore, H., **Badarla, V., Jha, S.**, & Gupta, A. (2014). Novel approach for security in Wireless Sensor Network using bio-inspirations. In *Sixth International Conference on Communication Systems and Networks (COMSNETS)* (Pp.1–8). IEEE. doi:10.1109/COMSNETS.2014.6734875

2. **Bhatnagar, G.**, & Wu, Q. M. J. (2013). *A novel framework for multi-focus image fusion.* In Harit, G., (Ed.) & Das, S. (Ed.). 2013 Fourth National Conference on Computer Vision, Pattern Recognition, Image Processing and Graphics (NCVPRIPG), Jodhpur, Pp. 1–4. IEEE. doi:10.1109/NCVPRIPG.2013.6776177

3. Sharma P. K., Sarma R, **Chandra, L.**, Shekhar, R., Ghoshdastidar, P. S., *On the design and evaluation of open volumetric air receiver for process heat applications.* ISES Solar World Congress 2013, Cancun Mexico.

4. Yadav, N. K., Pala, D., & **Chandra, L.**, *On the understanding and analyses of dust deposition on heliostat.* ISES Solar World Congress 2013, Cancun, Mexico.

5. **Chandra, L.** (2013). *Solar thermal R & D at IITJ*. Workshop on Energy Efficiency and Clean Energy, 13 September 2013, India Expo Center, Greater Noida, India.

6. Verma, R. N., Jayakumar, P., **Chandra, L.**, Shekhar, R. (2013). *Development of a Technique for Measurement of High Heat Flux*. 37th National Systems Conference, 5-7 December 2013, IIT Jodhpur.Tanwar, U., Tripathi, S., Lahuwa, K., Mohan, A., & **Dixit, A.** (2013). Novel MICS band implantable antenna for WBAN application. In *Proceedings of the IEEE Indian Antenna Week*. Aurangabad.

7. Tanwar, U., Tripathi, S., Lahuwa, K., Mohan, A., & **Dixit, A.** (2013). Novel MICS band implantable antenna for WBAN application. In *Proceedings of the IEEE Indian Antenna Week*. Aurangabad.

8. Trivedi, A. R., Singh, A. K., Digumarti, S. T., **Fulwani, D.**, & Kumar, S. (2013). Design and Implementation of a Smart Wheelchair. *Proceedings of Conference on Advances In Robotics - AIR '13*, ACM, New York, NY, USA. (Pp. 1-6) doi:10.1145/2506095.2506140

9. Singh, S., & **Fulwani, D.** (2014). On design of a robust controller to mitigate CPL effect a DC-Micro-grid Application. In *IEEE International Conference on Industrial Technology (ICT) 2014.* (Pp. 448–454). Busan, Korea: IEEE.

10. **George, K. J.** (2013). Intergenerational and International Justice: Sustainability and the Dilemma of Developing Nations. In *Societas Ethica Annual Conference 2013: Climate Change, Sustainability and an Ethics of an Open Future*. Soesterberg, Netherlands: Societas Ethica.

11. **Jaswal, S.** (2014). Profiles on Facebook: What do they reveal. In *49th Indian and 18th International Conference of the Indian Academy of Applied Psychology*. Ahmedabad: Indian Academy of Applied Psychology.

12. **Jha, S.** (2013). Debris clearance in the brain: Implications for inflammation and repair. In *Young Investors Meeting (YIM)*. Jodhpur: Indiabioscience.org.

13. Ram, P., **Kumar, M.**, **Dixit, V.**, **Sharma, R. K.** (2013). Synthesis, physical and electrochemical characterization of Gd(III) doped $LiMn_2O_4$ and cathode material for lithium ion rechargeable batteries. In *International Union of Materials Research Societies (IUMRS) 12th International Conference in Asia (ICA) 2013,* 15-20 December 2013, IISc, Bangalore.

14. Tripathi, B., **Ravindra, B.**, & Joshi, Y. M. (2013). Improving lubrication of EDM oil at higher shear rate & temperature with carbon nanotubes. In *International Conference and Exhibition of Powder, Granule and Bulk Solids, Innovations and Applications (PGBSIA)*. Patiala.

15. **Singh, A.**, Elia, P., & Jalden, J. (2013). Rate-reliability-complexity tradeoff for ML and lattice decoding of full-rate codes. In *IEEE International Symposium on Information Theory* (Pp. 1267–1271). IEEE. doi:10.1109/ISIT.2013.6620430

16. Sharma, P., **Sharma, R. K.** (2014). Metal Incarcerated CNT Nanoreactors for Asymmetric Catalysis. In *16th CRSI National Symposium in Chemistry, 7-9 February 2014, IIT Bombay, Bombay.*

17. Shejale, K. P., **Sharma, R. K.**, Roy, M. S., **Kumar, M.** (2013). Investigation of Synthesized Graphene Counter Electrode for Dye Sensitized Solar Cells. In *International Union of Materials Research Societies (IUMRS) 12th International Conference in Asia (ICA) 2013,* 15-20 December 2013, IISc, Bangalore.

18. Jaiswal , S.P., Au, O.C., Jakhetiya, V., Guo, Y., **Tiwari, A. K.** (2013). Efficient Adaptive Prediction Based Reversible Image Watermarking. In *IEEE International Conference on Image Processing (ICIP)* (Pp. 4540–44). Hong Kong: IEEE. doi:10.1109/ICIP.2013.6738935

19. Jaiswal, S. P., Au, O. C., Bhadviya, J., Jakhetiya, V., Yuan, Y., & **Tiwari, A. K.** (2013). An efficient two phase image interpolation algorithm based upon error feedback mechanism. In *IEEE Signal Processing Society (SiPS) 2013 Proceedings* (Pp. 251–55). IEEE. doi:10.1109/SiPS.2013.6674514

20. Singh, V. P., **Vijay, V.**, **Ravindra, B.**, Basu, S. J., & Chaturvedi, D. K. (2014). Ground based measurement for solar power variability forecasting using generalized neural network. In V. Vijay, S. Yadav, B. Adhikari, H. Seshadri, & D. Fulwani (Eds.), *Systems Thinking Approach for Social Problems: Proceedings of 37th National Systems Conference, December 2013. Series: Lecture Notes in Electrical Engineering Vol. 327*. Jodhpur: Springer Verlag.

21. Hewson, D. J., Jaber, R., Chkeir, A., Hammoud, A., Gupta, D., Bassement, J., **Yadav, S.,** … Duchene, J. (2013). *Development of a monitoring system for physical frailty in independent elderly.* In Lovell, N. (Ed.). Proceedings of the 35th Annual International Conference of the IEEE Engineering in Medicine and Biology Society, Osaka, Pp. 6215–18. doi:10.1109/EMBC.2013.6610973

22. Tripathi, S. Mohan, A. **Yadav, S. Vijay, V. Dixit, A.** (2013). Hexagonal Shaped Fractal UWB Antenna. In *IEEE APPLIED ELECTROMAGNETICS CONFERENCE 2013*. Bhubanashwar.

23. Tripathi, S., **Yadav, S., Vijay, V.**, & **Dixit, A.** (2013). A Novel Multi band notched Octagonal Shaped Fractal UWB Antenna. In *35th International Conference on Software Engineering (ICSE 2013)* (pp. 167–169). San Francisco: ICSE 2013 doi:10.1109/ICSPCom.2013.6719776

संपादित पुस्तकें

1. **Jaswal, S. (Ed.).** (2013). *Inhibition in the Process of Feature Binding*. Switzerland: Frontiers Media SA. ISBN: 9782889191406. doi:doi:10.3389/978-2-88919-140-6

2. Slovic, S., Rangarajan, S., & **Sarveswaran, V.** (Eds.). (2014). *Ecoambigutiy Community and Development: Toward a Politicized Ecocriticism* (1st ed., p. Pp.214). Maryland: Lexington Press.

पुस्तक अध्याय

1. **Fulwani, D.**, & Bandyopadhyay, B. (2013). Design of Sliding Mode Controller with Actuator Saturation. In B. Bandyopadhyay, S. Janardhanan, & S. K. Spurgeon (Eds.), *Advances in Sliding Mode Control SE - 10* (Vol. 440, pp. 207–219). Springer Berlin Heidelberg. doi:10.1007/978-3-642-36986-5_10

2. **Narayanan, V. H.** (2014). Reconceptualising the Separative Self. In S. Menon, A. Sinha, & B. V. Sreekantan (Eds.), *Interdisciplinary Perspectives on Consciousness and the Self* (Pp. 328). Springer Verlag.

3. **Sharma, A.,** Sharma, A. (2013). Role of emotional competence in motivation to work and extra role behaviors. In Pattanayak, B., Ray, K.S. & Niranjana, F. (Eds.), *Inclusive Growth: Need to Rethink the Business Model.* Bloomsbury Publishing.

अवर स्नातक शोध पहल (यू.जी.आर.आई. 2013)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अवर स्नातक छात्रों के विभिन्न समूह के बीच अनुसंधान और नवाचार का संवर्धन करने के लक्ष्य के साथ 2011 में अवर स्नातक शोध एवं नवाचार (यू.जी.आर.आई.) कार्यक्रम आरंभ किया। यह कार्यक्रम छात्रों को उनके व्यावसायिक ज्ञान और कौशल में सुधार करने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु प्रत्येक गर्मियों में जारी रहा। देश भर से छात्रों को उनकी शैक्षिक और व्यावसायिक विकास के लिए यू.जी.आर.आई. कार्यक्रम का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। 2013 में यह कार्यक्रम 6 मई से 18 जुलाई के बीच संचालित किया गया। ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) से संबंधित विषयों पर संस्थान में संकाय सदस्यों के साथ 16 छात्रों का उनकी अभिरूचि की परियोजनाओं में कार्य करने हेतु चयन किया गया।

चुने गए छात्रों को आई.आई.टी. जोधपुर के छात्रावास में आवास प्रदान किया गया। इस अवधि के दौरान वित्तीय सहायता के रूप में 8000 रू. प्रति माह का पारिश्रमिक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पोस्टर और अंतरिम रिपोर्ट तैयार करने के लिए 1000 रू. अतिरिक्त प्राप्त किए।

आउटरीच

संस्थान ने विदेश मंत्रालय–आईआईटी जोधपुर प्रबुद्ध व्याख्यान माला का एक नया कदम आरंभ किया जहां भारत के वर्तमान और पूर्व राजदूतों को विश्व के संदर्भ में भारत के उनके अनुभवों और ज्ञान को साझा करने के लिए संस्थान में आमंत्रित किया जाता है। इस पहल के भाग के रूप में प्रथम लेक्चर अशोक सज्जानहर, लातविया, स्वीडन और कजाकिस्तान के पूर्व राजदूत द्वारा प्रदान किया गया जो कि वर्तमान में राष्ट्रीय सद्भावना फाउंडेशन (एनएफसीएच) के सचिव है।

यह विशिष्ट लेक्चर (डीआईएल) श्रृंखला और अतिरिक्त–वृत्ति लेक्चर (ईएमएल) श्रृंखला संस्थान के बाहर से विचारों के अर्थपूर्ण आदान–प्रदान हेतु संस्थान के दो अन्य कदम हैं। पहला विशिष्ट लेक्चर प्रोफेसर ब्रुश एलबर्ट, प्रबुद्ध अमेरिकी बॉयोकेमिस्ट तथा राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, यूएसए के पूर्व अध्यक्ष द्वारा 17 जनवरी, 2014 को प्रदान किया गया था।

प्रथम ईएमएल लेक्चर प्रोफेसर एम.एस. अनंत, पूर्व निदेशक, आईआईटी, मद्रास, तथा वर्तमान में विजिटिंग प्रोफेसर, आईआईएससी बंगलौर द्वारा 22 नवंबर, 2013 को प्रदान किया गया था, जिसके पश्चात् प्रोफेसर आई.के. भट्ट, निदेशक, एमएनआईटी, जयपुर द्वारा 28 नवंबर, 2013 को और प्रोफेसर वी.एस. राजू, पूर्व निदेशक, आईआईटी, दिल्ली द्वारा 5 मार्च, 2014 को ईएलएम लेक्चर प्रदान किया गया।

संस्थान के संकाय सदस्यों ने शोध समुदाय के बीच छात्रवृत्ति एवं नेटवर्किंग को सुलभ बनाने के लिए छः इवेंटों का आयोजन किया। ये हैः

1. ″सामाजिक–आर्थिक नेटवर्क प्रणाली″ संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 25–27 अक्तूबर, 2013
2. 37वां राष्ट्रीय ″सिस्टम सम्मेलन″, 5–7 दिसंबर, 2013;
3. ″मात्रा संबंध और तर्क, भाषा तथा सेट थ्योरी″ संबंधी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन, 9–14 दिसंबर, 2013;
4. ″कंप्यूटर विजन, पैटर्न मान्यता, इमेज प्रोसेसिंग तथा ग्राफिक″ संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन 18–21 दिसंबर, 2013;
5. ″कंसेंट्रेटिड सौलर पॉवर टेक्नोलॉजी के लिए उप–प्रणाली तैयार करना″ संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 19–22 दिसंबर, 2013; और
6. ″कंसेंट्रेटिड सौलर थर्मल सिस्टम″ संबंधी लघु पाठ्यक्रम, 16–18 दिसंबर, 2013।

संस्थान के प्रसंग

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री का दौरा

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री एम. पल्लम राजू ने 16 अप्रैल, 2013 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने प्रथमतः संस्थान के ट्रांजिट शैक्षिक परिसर में प्रयोगशालाओं, लेक्चर हॉल परिसर तथा अन्य सुविधाओं का दौरा किया। तत्पश्चात् श्री पल्लम राजू ने उसी दिन कारवाड गांव में आई.आई.टी. जोधपुर के स्थायी परिसर की नींव रखी।

आई.आई.टी. जोधपुर का प्रथम दीक्षांत समारोह

आई.आई.टी. जोधपुर का प्रथम दीक्षांत समारोह 10 जुलाई, 2013 को आयोजित किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई। समारोह में श्रीमती मार्गेट अल्का, राजस्थान की राज्यपाल और श्री अशोक गहलोत, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भी भाग लिया। बी.टेक. अवर स्नातक छात्रों के पहले दो बैच और एम.टेक. छात्रों के पहले बैच ने इस अवसर पर अपनी डिग्रियां प्राप्त की।

इस अवसर पर राष्ट्रपति महोदय ने करवड़ गांव में एनएच 21 पर संस्थान के स्थायी परिसर में वृक्षारोपण समारोह भी किया। प्रथम दीक्षांत समारोह में जोधपुर तथा उसके आसपास के कई प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

आई.आई.टी. जोधपुर के नए निदेशक

प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति ने दिनांक 11 सितंबर, 2013 को आई.आई.टी. जोधपुर के निदेशक के रूप में कार्यग्रहण किया। प्रोफेसर मूर्ति ने आई.आई.टी. मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक., स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एम.टेक. तथा कैलीफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, यूएसए से सिविल इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की है। उन्होंने 1993 से 2010 तक सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी. कानपुर में कार्य किया और प्रमुख, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के रूप में भी कार्य किया। 2008–2009 के दौरान वे आईआईटी, हैदराबाद में मूल शैक्षिक प्रणालियां आरंभ करने तथा स्थापित करने के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आईआईटी, मद्रास से संबद्ध थे। उन्होंने 2010 से आईआईटी, जोधपुर में संस्थान के निदेशक के रूप में कार्यग्रहण करने तक आईआईटी, मद्रास में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

प्रोफेसर मूर्ति के प्राथमिक शोध अभिरूचि क्षेत्र (क) स्टील एवं रिइन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) स्ट्रक्चर के सिस्मिक बिहेवियर, (ख) स्ट्रक्चरों के गैर–रेखीय बिहेवियर की मॉडलिंग और (ग) सिस्मिक डिजाइन कोड का विकास रहे हैं। उनके कार्य अधिकांशतः भूकंप इंजीनियरिंग अनुसंधान के प्रयोगात्मक पहलुओं तथा उनका देश के डिजाइन दिशा–निर्देशों और भवन कोड के क्रियान्वयन से संबंधित है। उन्होंने छः पीएच.डी. और 28 स्नातकोत्तर थीसिस का पर्यवेक्षण किया है; वर्तमान में वे चार पीएच.डी. छात्रों के पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

वे भवन एवं पुलों के लिए सिस्मिक डिजाइन प्रावधान के संबंध में भारतीय सिस्मिक कोड में मुख्य संशोधनों, भारतीय मानक ब्यूरो तथा भारतीय सड़क कांग्रेस कोड समिति के सदस्य के रूप में जुड़े रहे हैं। उन्होंने सात पुस्तकें तथा भूकंपरोधी डिजाइन और निर्माण पर एक पुस्तक अध्ययन लिखा है; पुस्तक अधिगम भूकंपरोधी डिजाइन और निर्माण से संबंधित आईआईटी के – बीएमटीपीसी *भूकंप* टिप सिरीज ने वर्ष 2004–05 के लिए आईसीआई सर्वोत्तम निर्माण तकनीक लेख पुरस्कार प्राप्त किया। वे अक्तूबर, 2005–जुलाई, 2008 के दौरान *प्रमुख संपादक,* वर्ल्ड हाउसिंग एनसाइक्लोपीडिया, भूकंप इंजीनियरिंग शोध संस्थान, यूएसए थे।

वे *राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति तथा भूकंप–दिशा–निर्देश* में प्रधान लेखक थे; *राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार* द्वारा यह नीति दस्तावेज (अप्रैल, 2007 में अनुमोदित) भारत में सिस्मिक सुरक्षा के लिए की जाने वाली व्यापक कार्य योजना मदों की पहचान करने के लिए प्राथमिक नीति दस्तावेज हैं। इसके अतिरिक्त, वे सुनामी के विरूद्ध सुरक्षा हेतु दिशानिर्देश तैयार करने, भवनों और अस्पतालो की सिस्मिक रिट्रोफिटिंग, *बैंकों के लिए तकनीकी–वित्तीय नीति और भारत की सिस्मिक मेक्रोजोनेशन के*

लिए एनडीएमए की अन्य तकनीकी समितियों के सदस्य भी हैं। उन्होंने जून, 2005—जुलाई, 2007 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सरकार में मानद सलाहकार (भूकंप मिटीगेशन) के रूप में भी कार्य किया। मई, 2013 से वे *तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण*, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई के सदस्य है।

वे उन भूकंप मान्यता दलों के सदस्य रहे हैं जिन्होंने 2011 सिक्किम, 2005 कश्मीर, 2004 सुमात्रा, 2002 डिगलीपुर, 2001 भुज, 1999 चमौली, 1997 जबलपुर और 1993 किलारी भूकंपों के पश्चात् गहन उत्तर—भूकंप सर्वेक्षण किए हैं। इनमें से कुछ अध्ययन भूकंप इंजीनियरिंग शोध संस्थान (ईईआरआई, यूएसए) राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (यूएसए) के साथ भूकंप परियोजनाओं की अधिगम के भाग भी रहे हैं। वे 2011 सिक्किम तथा 2012 डोडा भूकंपों के प्रभाव का अध्ययन करने वाले एनडीएमए उत्तर—भूकंप मान्यता दल के टीम प्रमुख थे। उन्होंने ब्रिजों के नए भवनों (रिइनफोस्ट कंक्रीट, स्टील तथा मेसनरी) के सिस्मिक डिजाइन तथा सिस्मिक विकास और मौजूदा ढांचों की दृढ़ता के संबंध में भारत, नेपाल तथा भूटान में 40 से अधिक लघु अवधि पाठ्यक्रमों का संचालन किया और अपने सहयोगियों के साथ 2500 से अधिक व्यावसायिक इंजीनियरों और वास्तुकारों को प्रशिक्षित किया।

उन्होंने दो संगठनों के साथ भूकंप इंजीनियरिंग शोध में सक्रिय रूप से तकनीकी सहयोग किया, नामतः

(क) 1996—2002 के दौरान संयुक्त सहयोग शोध परियोजनाओं में केंद्रीय भवन शोध संस्थान (सी.बी.आर.आई.), रूड़की, भारतीय छात्रों की चार स्नातकोत्तर थीसिस का पर्यवेक्षण किया; और

(ख) स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एम.एससी. शोध कार्यक्रम की स्थापना हेतु 1997 से इंजीनियरिंग संस्थान (आई.ओ.ई.), त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल (लेब्रोरेट्री प्रयोग, थीसिस विचार—विमर्श तथा एक्सटर्नल एग्जामिनर एम.एससी. थीसिस)।

2010 से वे एंडोवमेंट विभाग, आंध्र प्रदेश के नियंत्रणाधीन मंदिरों तथा संबद्ध ढांचों की स्ट्रक्चरल सुरक्षा संबंधी तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य रहे हैं। वर्तमान में वे भारत में सिविल इंजीनियरिंग विरासत की स्थिति और भविष्य के संबंध में एक श्वेत—पत्र तैयार करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, नई दिल्ली के भारतीय इंजीनियरिंग विरासत (सिविल) संबंधी अध्ययन समूह के अध्यक्ष है।

वे *फैलो,* भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी; *फैलो,* इंजीनियर्स संस्था (भारत); *आजीवन सदस्य,* भारतीय भूकंप प्रौद्योगिकी सोसायटी; *आजीवन सदस्य,* भारतीय सड़क कांग्रेस; एसोसिएट सदस्य, भूकंप इंजीनियरिंग शोध संस्थान (यूएसए); *आजीवन सदस्य,* भारतीय कंक्रीट संस्थान; *आजीवन सदस्य,* इस्पात विकास एवं संवर्धन संस्थान; *आजीवन सदस्य,* इंजीनियर्स संस्था (भारत); *आजीवन सदस्य,* भारतीय मैटीरियल एवं प्रोसेसिंग इंजीनियरिंग उन्नति सोसायटीय तथा *आजीवन सदस्य*, भारतीय पुरातत्व सोसायटी हैं।

राष्ट्रीय उत्सव

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान ने देश भक्ति की भावना के साथ 15 अगस्त, 2013 को 67वां स्वतंत्रता दिवस आयोजित किया गया। निदेशक, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने इसमें भाग लिया। यह समारोह निदेशक, प्रोफेसर प्रेम कुमार कालरा द्वारा ध्वजरोहण के साथ शैक्षिक परिसर में 15 अगस्त को प्रातः 09:15 बजे प्रारंभ हुआ जिसके पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया और निदेशक महोदय ने भाषण दिया। हमारे छात्रों ने नृत्य एवं नाटक क्लब द्वारा देशभक्ति के कविता पाठ, भाषण, नृत्य और नुक्कड़ नाटक इत्यादि जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। शैक्षिक तथा अन्य बाह्य गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। संस्थान के दो आवासीय परिसरों में भी राष्ट्रीय उत्सव का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2014 को आई.आई.टी. जोधपुर के शैक्षिक तथा आवासीय परिसरों में 65वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रोफेसर सी.वी.आर. मूर्ति, आई.आई.टी. जोधपुर के निदेशक ने शैक्षिक परिसर में प्रातः 08:00 बजे ध्वजारोहण किया और संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा छात्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के योगदान को सराहा गया। राकेश कुमार शर्मा तथा विवेक विजयवर्गिया को 'सर्वोत्तम अध्यापक' के रूप में सम्मानित किया गया जबकि क्षेमा प्रकाश और शरद श्रीवास्तव ने कर्मचारी श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त किया। हमारे तीन हेल्पर कंवरा राम, डूंगर राम तथा मनोहर सिंह और जे.आर. चौहान (गार्ड, एम.बी.एम. कॉलेज, जोधपुर) को भी पुरस्कृत किया।

प्रोफेसर मैनेल पी.जखारिया, भारत में फ्रेंच दूतावास में अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ जो भारत–फ्रेंच सहयोग प्रबंध के अंतर्गत आई.आई.टी. जोधपुर में एक शिक्षण एवं शोध कार्य पर काम कर रहे हैं को भी संस्थान में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विशेषज्ञता के उनके क्षेत्र अंडरवाटर एक्वास्टिक तथा सौलर सिग्नल प्रोसेसिंग है।

दो आवासीय परिसरों में भी गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। वार्डन, आवास संकाय सदस्य तथा छात्र द्वारा बीएसएनएल के आवासीय परिसरों में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। छात्रों ने जीपीआरए आवासीय परिसरों में अपनी सृजनात्मक दक्षताओं की प्रस्तुती की।

रणवीर सिंह ने छात्र निकाय भाषण दिया। शरद चिन्ना और रीना यादव ने राष्ट्रीय उत्सव के प्रति अपने विचार साझा किए। जबकि संगम संगीत क्लब ने अपनी संगीतीय प्रस्तुती के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन किया, अवधेश कुमार शर्मा ने हिंदी में देशभक्ति की कविताओं को गाते हुए हमारी देशभक्ति की भावनाओं को उजागर किया। हमारी छात्र नुक्कड़ टीम ने किसी व्यक्ति अथवा समूह का बिना तार्किक विचार किए अनुसरण करने की लोगों की आम प्रकृति को प्रदर्शित करते हुए "भेड़ चाल" शीर्षक के नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। इस नाटक में हमारे कार्यों को किसी दिशा में ले जाने से पहले विचार, विश्लेषण और परिणाम समझने के प्रति एक समुचित संदेश दिया गया।

भर्ती और समीक्षा

संकाय और कर्मचारी सदस्यों की नई भर्ती करने से पहले संस्थान ने अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के लिए मापदंड तैयार किए है। इसने संस्थान के नई भर्ती चक्र में सहायता की है। इस वर्ष प्रशासनिक कर्मचारी सदस्यों को 12 प्रस्ताव और संकाय सदस्यों को तीन प्रस्ताव किए गए हैं। साथ ही, सात प्रशासनिक संकाय सदस्यों, 11 तकनीकी कर्मचारी सदस्यों, पांच चिकित्सा संकाय सदस्यों तथा 16 संकाय सदस्यों के कार्यों की समीक्षा भी की गई।

प्रशासनिक प्रणाली और प्रक्रिया

प्रशासन पारदर्शिता, जवाबदेही, वृद्धि उन्मुखीकरण तथा सूचित निर्णय निर्धारण ढांचों पर जोर देते हुए सुशासन के संवर्धन हेतु कार्य कर रहा है। संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु परिभाषित मानदंडों और प्रणालियों के साथ एक प्रक्रिया–उन्मुखी संगठन तैयार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान के कार्यों में संयुक्त मिशन, विजन तथा प्रमुख मूल्यों सहित मानवीय पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सुविधाएं

हमारे परिसर

वर्तमान शैक्षिक तथा आवासीय परिसर

वर्तमान में संस्थान जोधपुर, राजस्थान के रातानादा में अस्थायी परिसर सें कार्य कर रहा है। इस परिसर में तीन ब्लॉक हैं, नामतः प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षिक ब्लॉक–I, शैक्षिक ब्लॉक–II। संस्थान के प्रमुख प्रशासनिक कार्यालयों के अतिरिक्त, प्रशासनिक ब्लॉक में कुछ प्रयोगशालाएं स्थित हैं। शैक्षिक ब्लॉक–I में प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर केन्द्र और पुस्तकालय स्थित हैं। शैक्षिक ब्लॉक–II में व्याख्यान कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष, भाषा प्रयोगशाला और पीएच. डी. छात्रों के केबिन हैं। परिसर में छात्रों के लिए भोजन सुविधा भी है।

आई.आई.टी., जोधपुर का आवासीय क्षेत्र जोधपुर शहर के बाहरी ओर नए पाली रोड़ एवं शस्त्री नगर में स्थित है, जो कि शहरी क्षेत्र में आता है। नई पाली रोड़ में जीपीआरए कॉलोनी में अवर स्नातक आवास प्रदान किए गए हैं जहां यह क्षेत्र संस्थान के छात्रावास, कर्मचारियों के आवासीय अपार्टमेंट, व्यायामशाला, स्वास्थ्य केंद्र तथा वार्डन परिसर के कार्यालयों में बंटा हुआ है। इसके अतिरिक्त, छात्र इस क्षेत्र में इंडोर तथा आउटडोर दोनों खेलों की सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। शास्त्री नगर में बीएसएनएल कॉलोनी आवासीय परिसरों में एक स्वास्थ्य केंद्र भी चल रहा है जहां स्नातकोत्तर छात्रों को छात्रावास सुविधाएं प्रदान की जाती है। कुछ संकाय सदस्य भी यहां रहते हैं। 24 घंटे की सुरक्षा सेवाएं आवासीय क्षेत्र को सुरक्षित रखती है। सभी छात्रावास वाई–फाई समर्थित है।

जी.पी.आर.ए. आवासीय क्षेत्र में एक कंप्यूटर केंद्र, टेलीविजन कक्ष तथा विभिन्न आयोजनों के लिए छात्र–गतिविधि केंद्र है। इसके अतिरिक्त, आवासीय परिसर में विभिन्न छात्र संचालित क्लब भी हैं जो छात्रों की सृजनात्मकता का पोषण करते है और विभिन्न उत्सवों के आयोजन में पहल करते हैं। छात्रों को इन आवासीय क्षेत्रों में मेस सुविधा प्रदान की जाती है। मेस वहनीय दरों पर अच्छी गुणवत्ता का भोजन प्रदान करती है। स्वच्छता और पोषण मूल्यों को सुनिश्चित करने के लिए नियमित आधार पर वार्डनों द्वारा इन मेसों की निगरानी की जाती है।

आवासीय क्षेत्र में एक एटीएम काउंटर के साथ भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा है। संस्थान में अन्नय रूप से छात्रों, संकाय सदस्यों और संस्थान के कर्मचारियों के लिए नियमित अंतराल पर आवासीय एवं शैक्षिक क्षेत्रों के बीच एक बस सेवा चलती है। छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवासीय क्षेत्र के सामने दो दुकानें, दो जरनल स्टोर, एक मेडिकल स्टोर, स्टेशनरी तथा एक मोबाइल एसेसरी स्टोर भी कार्यरत है। शहरी परिसर होने के नाते बीएसएनएल कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र की भी शॉपिंग इत्यादि सुविधाओं तक पहुंच है।

स्थायी परिसर

आने वाले वर्षों में संस्थान को जोधपुर में नागौर के निकट हमारे आवासीय परिसर में स्थानांतरित किया जाएगा। सरकार ने संस्थान के लिए 872 एकड़ भूमि प्राप्त की है और चारदीवारी का निर्माण तथा 33 किलोवाट के इलेक्ट्रिक सब–स्टेशन का निर्माण पूरा किया जा रहा है। संस्थान के लिए एक शहरी वन्य मॉडल डिजाइन तथा विकसित करने के लिए एरिड वन अनुसंधान संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संस्थान ने कैम्पस के मास्टर प्लानर का सफलतापूर्वक चयन किया है। यह परिकल्पना की जाती है कि आईआईटी जोधपुर का नया परिसर एक ईको–विलेज, एक कला एवं संस्कृति केंद्र तथा एक अंतर्राष्ट्रीय अंतर–संस्कृति गतिविधि केंद्र जैसे केंद्रों के साथ एक बहु–सांस्कृतिक मंच का सृजन करते हुए शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में उभरेगा, जिनमें से सभी इसके समुदाय के समग्र विकास में योगदान देंगे।

आई.आई.टी. जोधपुर के स्थायी परिसर के एक ऐसे स्थान के रूप में परिकल्पना की गई है जहां हमारी मूल्य प्रणाली एक वास्तविक परिवर्तन लाने में सहायक होगी। बढ़ते हुए संसाधन उपयोग द्वारा अनुरक्षित बहुलता की खोज को बहुतायात सृजन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। कमी में अधिक कार्य करना होगा। हम उपचार के स्थान पर सहजीवी होंगे तथा हमारा उद्देश्य अंध उपलब्धि के बजाय उद्देश्यों को पूरा करना होगा। इस रेगिस्तान के जल अभाव क्षेत्र में हम मौसमी, समग्र, पौषक, कार्बनिक भोजन प्रदान करने के लिए कार्बनिक तथा प्राकृतिक शहर कृषि के इच्छुक हैं। दीर्घावधि में हम जल तथा ऊर्जा में आत्मनिर्भर होंगे। ऊर्जा तथा उच्च मूल्य के पोषकों का उत्पादन करने हेतु रिसाइकल अपशिष्ट की योजना है। कार्बनिक खेती और रसायनिक एवं तेल मुक्त संचालित साधनों

को हमारे परिसर में प्रोत्साहित किया जाएगा। प्राकृतिक, स्थानीय भवन सामग्रियों का प्रयोग किया जाएगा जो प्राकृतिक रूप से कंट्रीयार्ड, बाह्य चारदीवारों और भूमि के साथ भवनों में गर्मी कम करता है।

यह पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल, खेल और शैक्षिक सुविधाओं के साथ बिना धूल मिट्टी, शोर रहित स्थान होगा जिसे अन्य समुदायों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। न्यूनतम ऊर्जा उपयोग, इस्पात, सीमेंट अथवा ईंटों जैसे प्रोसेस्ड पदार्थों और ग्लास के सतत् उपयोग के साथ हम सतत् ढांचा तैयार करने के प्रति आशान्वित है। भवन में स्वदेशी तकनीक तथा समझ और संस्कृति को अपनाकर, कृषि, बॉयो विविधता प्रबंधन, बागवानी, हीलिंग प्रणाली, जल तथा ऊर्जा प्रबंधन, रोजगार सृजन तथा उन्नयन के साथ हम ऐसे अर्थपूर्ण परिवर्तन के प्रति आशान्वित है जिसकी विश्व को आवश्यकता है।

आई.आई.टी. जोधपुर की परिसर मास्टर योजना में परसिर के सभी भागों के एक इंटरलॉकिंग, जीवित मेटाबोलिज्म जैसी जटिल डायनामिक प्रणालियों के समेकित नेटवर्क के कार्यों की परिकल्पना की गई है। इस मेटा–प्रणाली के न केवल एक निपटान परंतु "जीवित प्रयोगशाला" के रूप में भी आशा है जिसकी ऑनलाइन अध्ययन तथा निगरानी की जाती है। यह "स्मार्ट इटेलीजेंट इको–कैम्पस" सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावर्णीय सततता और भू–स्खलन और जैव–विविधता, भोजन, जल तथा अपशिष्ट, ठोस अपशिष्ट, गतिशीलता, ऊर्जा तथा कैम्पस मेटाबोलिज्म की जटिल जीवन प्रणाली के सृजन हेतु आईसीटी के विचार को शामिल करता है।

आई.आई.टी. जोधपुर के स्थायी परिसर की मुख्य विशेषताएं

1. पहुंच : अपक्षरण तथा मरुथल, समय के साथ उत्पन्न मृदा आद्रता की रोकथाम
2. संयंत्र : नेटिव प्लांट प्रजातियां, मृदा स्थिरीकरण, रेतीली हवाओं से सुरक्षा
3. आवागमन : पदयात्री उन्मुखी तथा साइकल प्रभावी
4. स्थान : लोचशील, साझा सार्वजनिक स्थानों के साथ मल्टी–मीडिया समर्थित शिक्षण स्थान
5. सेटलमेंट : गहन रेगिस्तान सेटलमेंट मोर्फोलॉजी, अल्प ऊंचाई निर्माणः वृद्धित स्थानीय एवं पारंपरिक पद्धतियों के साथ अल्प एम्बोडिड ऊर्जा सामग्रियां
6. भवन : जी.आर.आई.एच.ए. 4/5 स्टार अनुकूलित भवन और जी.आर.आई.एच.ए. एल.डी. बैंचमार्क परिसर
7. जल : वर्षा जल संचयन, जल कटौती और सीवेज रिसाइकलिंग, समय के साथ स्थान को हरा–भरा बनाना
8. अवशिष्ट : पृथक अपशिष्ट और कस्टमाइज्ड रिसाइकलिंग
9. ऊर्जा : कार्बन न्यूरल कैम्पस हार्नेसिंग नवीकरणीय ऊजा
10. समुदाय : गहन योजनाबद्ध आउटरीच तथा समुदाय–प्रौद्योगिकीय इंटरफेस
11. प्रौद्योगिकी : आईसीटी के साथ कहीं भी, किसी भी समय शिक्षण सुलभ

करवड गांव, नागौर में एनएच 21 में आई.आई.टी, जोधपुर के स्थायी परिसर की कैम्पस मास्टर योजना

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र संस्थान में शैक्षिक तथा आवासीय परिसरों को तथा आवश्यक नेटवर्किंग और कंप्यूटरिंग सुविधाएं प्रदान करते हुए बाह्य जगत के साथ जोड़ता है। यह 1जीबीपीएस इंटरनेट बैंडविथ के साथ एक गीगाबिट लेन पर कार्य करता है।

नेटवर्किंग सुविधाएं – गीगाबिट नेटवर्क

1. गीगाबिट कोर स्वीच
2. गीगाबिट नेटवर्क एज स्विच
3. वायरलेस कंट्रोलर
4. वायरलेस एक्सेस पॉइंट्स
5. फायरवॉल एंड वेब सिक्योरिटी डिवाइस
6. इंटरनेट एक्सेस ऑथेंटिकेशन सर्वर
7. डब्ल्यूपीए2 एंटरप्राइज सिक्योरिटी

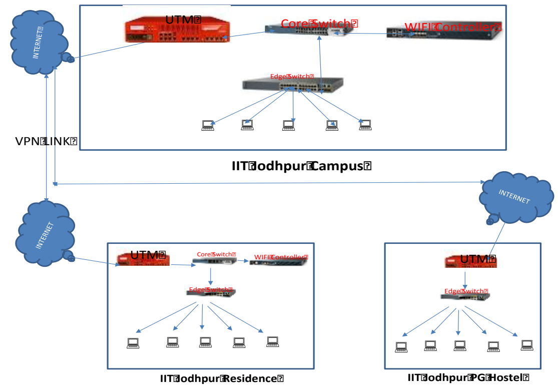

कंप्यूटिंग सुविधा

कंप्यूटर केंद्र आंतरिक संसाधनों तक पहुंच, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा इंटरनेट तक पहुंच हेतु संकाय, कर्मचारी सदस्यों और छात्रों के लिए कंप्यूटिंग सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र में 65 कंप्यूटर टर्मिनल हैं जो विंडोज और जीएनयू/लाइनेक्स ऑपरेटिंग सिस्टम पर कार्य कर रहे हैं। यह कंप्यूटर केंद्र आईआईटी, जोधपुर द्वारा लाइसेंस पर लिए गए मेटलैब, मैथेमेटिका, कार्डेंस, मेंटर–ग्राफिक, एनसिस, पीएससीएडी, सॉलिड वर्क, ओर्केड जैसे सॉफ्टवेयर तक पहुंच प्रदान करता है। शैक्षिक और आवासीय परिसर एक 802.11/बी/जी/एन वाई–फाई समर्थित है। कंप्यूटर केंद्र में वैज्ञानिक शोध के लिए उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग कलस्टर भी है।

सर्वर और सॉफ्टवेयर

कंप्यूटर केंद्र में निम्नलिखित सर्वर और सॉफ्टवेयर उपलब्ध है:

1. 32 जीबी रैम (डेल आर810 और 910) के साथ केंद्रीकृत सर्वर ई7–7540 प्रोसेसर 2*6 कोर–6 नोड
2. 128 जीबी रैम (फुजीसू आरग600 एस6) के साथ केंद्रीकृत एप्लीकेशन सर्वर ई7–8837 प्रोसेसर 4*10 कोर–4 नोड
3. 64 जीबी रैम (फुजीसू सेल्सियस आर920) के साथ वर्क स्टेशन ई5–2640 प्रोसेसर 2*6 कोर–2 नोड
4. 2 टेस्ला नोट के साथ उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सिस्मट – 520 कोर
5. मेटलैब, मैथेमेटिका, पीएसपीआईसीई, मेंटल–ग्राफिक, केडेंस, एनसिस, पिसकेड, सीएसटी स्टूडियो, सॉलिड वर्क प्रोई तथा सिनोप्सिस इत्यादि जैसे सॉफ्टवेयर

ऑनलाइन आवेदन सेवाएं (ऑटोमेशन)

कंप्यूटर केंद्र के कार्यालय ऑटोमेसन विंग ने शैक्षिक, शोध एवं विकास, लेखा कार्यालयों और छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक आरंभ किए है। उनमें से कुछ हैं:

1. एम.टेक. तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन फीस जमा करने की सुविधा के साथ पंजीकरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल।
2. संकाय सदस्यों तथा शैक्षिक कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा ग्रेड अपलोड करने, सेमेस्टर पाठ्यक्रम पंजीकरण के लिए प्रयोग किए जाने वाले शैक्षिक चयन तथा छात्रों के लिए पाठ्यक्रम फीडबैक प्रस्तुत करने और उनके अभिलेखों को देखने एवं मुद्रित करने हेतु ऑनलाइन पोर्टल।
3. ऑनलाइन स्टॉफ भर्ती परियोजना पर कार्य करने के लिए शोध एवं विकास कार्यालय के संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों द्वारा उपयोग हेतु आरएंडडी अनुभाग के लिए ऑनलाइन पोर्टल।
4. भंडार एवं क्रय अनुभाग के लिए उनकी प्रक्रिया के स्वचालन हेतु ऑनलाइन आवेदन।
5. कर्मचारी सदस्यों की भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा सुविधा के साथ ऑनलाइन पोर्टल।
6. केंद्रीकृत प्रमाणन सर्वर (एलडीएपी)

ये विशिष्टताएं समेकित रूप से एक **लगभग शून्य उत्सर्जन परिसर** की ओर ले जाती हैं जिनके सभी संगत सेवाओं के लोचशील और चरणबद्ध विस्तार प्रदान करने की योजना है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों के अर्जन, संगठन और प्रसार को सुकर बनाकर संस्थान की सभी शिक्षण और शोध गतिविधियों की सहायता करता है और आई.आई.टी., जोधपुर के समुदाय को पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं प्रदान करता है। यह आईआईटी., जोधपुर के शैक्षिक परिसर के कमरा सं.–1001 और 1011 में भूतल, शैक्षिक ब्लॉक–। में स्थित है। यह पुस्तकालय संस्थान की पुस्तकालय समिति के निर्देशों के अंतर्गत काम करता है।

पुस्तकालय संग्रह

1. **पुस्तकें:** वर्ष 2013–14 के दौरान संग्रह में 907 पुस्तकें जोड़ी गई हैं जिनसे कुल 11,388 खंड उपलब्ध हो गए हैं। इसमें उद्धरण पुस्तकें, संदर्भ तथा शोध प्रकृति की पुस्तकें शामिल हैं।
2. **जर्नल डाटाबेस:** पुस्तकालय विभिन्न स्रोतों से विद्वत जर्नल/डाटाबेस मंगवाता है। इन संसाधनों तक संस्थान के शैक्षिक और आवासीय परिसरों में संकाय सदस्यों और छात्रों की उनके शैक्षिक एवं शोध कार्य हेतु पहुंच प्राप्त होती है। पुस्तकालय कुछ लोकप्रिय मैगजीन तथा दैनिक भी मंगवाता है। वर्ष 2013–14 में पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित जर्नल और डाटाबेस संसाधनों को मंगवाया गया था।

जर्नल संसाधन

1. ए.सी.एम. डिजीटल पुस्तकालय
2. अमेरिकी कैमिकल सोसायटी
3. अमेरिकी भौतिकी संस्थान
4. अमेरिकी भौतिकी सोसायटी
5. ए.एस.एम.ई. डिजीटल पुस्तकालय
6. एलसीवियर साइंस डायरेक्ट
7. आ.ई.एल. ऑनलाइन
8. कैमिस्ट्री रॉयल सोसायटी
9. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्रवाई
10. परियोजना म्यूज
11. विज्ञान ऑनलाइन
12. औद्योगिक एवं एप्लाइड गणित सोसायटी
13. स्प्रिंगर लिंक

फुलटेक्स्ट डाटाबेस

1. जेस्टोर
2. एबस्को अकादमिक खोज संपूर्ण
3. एबस्को इकोनलिट

सेवाएं तथा सुविधाएं

1. **सदस्य सेवाएंः** पुस्तकालय आईआईटी जोधपुर के सभी पंजीकृत छात्रों, संकाय, स्टाफ सदस्यों को सुविधाएं तथा सेवाएं प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय आईआईटी जोधपुर के विजिटिंग संकाय को भी सेवाएं तथा सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय के स्टाफ द्वारा पठन सामग्री खोजने में सहायता, नए उपभोकताओं का उन्मुखीकरण भी किया जाता है।
2. **परिचालन सेवाएंः** पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली एक प्रमुख सेवा उपभोक्ताओं में पुस्तकों तथा अन्य पठन सामग्री का परिचालन करना है। आईआईटी जोधपुर के सभी संकाय, छात्र तथा स्टाफ पुस्तकालय से पठन सामग्री उधार लेने के पात्र हैं।
3. **संदर्भ तथा सूचना सेवाः** पुस्तकालय में कई संदर्भ पुस्तकें हैं तथा इलैक्ट्रॉनिक्स स्वरूप में सूचना संसाधनों तक पहुंच भी मौजूद है। पुस्तकालय के कर्मचारी संदर्भ सामग्री के साथ दिशा–निर्देश और सहायता तथा संबंधित प्रश्नों के उत्तर के लिए उपलब्ध रहते हैं।
4. **अंतर पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज डिलीवरी सेवाः** पुस्तकालय उन पुस्तकों तथा विद्वत लेखों को भारत में अन्य पुस्तकालयों से उधार लेने का प्रबंध करता है जो पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं होते हैं।
5. **पाठ्यक्रम आरक्षितः** भिन्न पाठ्यक्रमों के लिए संकाय द्वारा सिफारिश की जाने वाली पाठ्य–पुस्तकें पाठ्यक्रम आरक्षित खंड में उपलब्ध हैं। ये पुस्तकें पहचान पत्र पर पुस्तकालय परिसर में परामर्श के लिए उपलब्ध होती हैं। तथापि, इन्हें आईआईटी जोधपुर में परीक्षा की अवधि के दौरान रात्रि के लिए जारी किया जाता है।
6. **चालू जागरूकता सेवाः** नई पुस्तकों तथा जर्नलों के आने से संबंधित सूचना पुस्तकालय की वेबसाईट पर उपलब्ध करवाई जाती है तथा आवधिक रूप से भेजे जाने वाले एक ई–मेल समाचार पत्र द्वारा दी जाती हैं।
7. **ऑनलाईन केटालॉगः** पुस्तकालय के कार्य पूर्णतया कम्पयूटरीकृत हैं। ऑनलाईन केटालॉग को शैक्षिक तथा आवासीय दोनों परिसरों से देखा जा सकता है।
8. **पुस्तकालय वेबसाईटः** पुस्तकालय की वेबसाईट से प्राप्त की जा सकने वाली सेवाओं तथा सुविधाओं के बारे में सूचना प्रदान करती है तथा यह अंशदान और खुली पहुंच सहित इलैक्ट्रानिक संसाधनों की श्रेणी के द्वार के रूप में भी कार्य करती है। पुस्तकालय हेतु सिफारिश की गई पुस्तकों तथा जर्नलों के लिए इंडेंट फॉर्म पुस्तकालय की वेबसाईट पर डाले जाते हैं।
9. **डिजिटल पुस्तकालय सुविधाः** कमरा संख्या 1011 में पुस्तकालय विस्तार विभिन्न शैक्षिक संसाधनों अर्थात जर्नल, डाटाबेस इत्यादि के लिए 14 कम्पयूटर टर्मिनल सुविधा पहुंच के साथ डिजिटल पुस्तकालय के रूप में कार्य करता है।

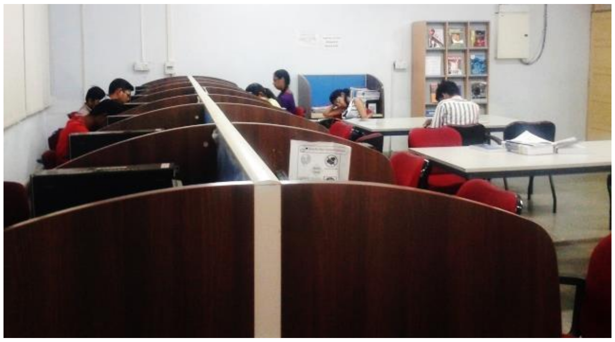

पुस्तकालय नेटवर्कः आई.आई.टी. जोधपुर पुस्तकालय व्यावसायिक पुस्तकालय नेटवर्कों का सदस्य है जैसे कि भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल इंजीनियरिंग, विज्ञाान तथा प्रौद्योगिकी पुस्तकालय (इंडेस्ट), सूचना तथा पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फलिबनेट), तथा पुस्तकालय नेटवर्क विकास (डेलनेट)। सदस्य के रूप में पुस्तकालय जर्नल संसाधनों के अंशदान तथा अंतर पुस्तकालय ऋण और संसाधन साझा करने के रूप में लाभ उठाता है।

पुस्तकालय में नया खंडः पुस्तकालय उपभोक्ताओं के लिए एक लघु पठन खंड तैयार किया गया है जो उन्हें अपनी स्वयं की पुस्तकें लाने और अपने शैक्षिक कार्य करने की अनुमति प्रदान करेगा। इसमें आंशिक सीटिंग क्षमता है किंतु फिर भी इसने छात्रों के अध्ययन उद्देश्य को सुलभ बनाया है।

नियमित पुस्तकालय सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करने के साथ अब पुस्तकालय के कर्मचारी वार्षिक रिपोर्ट, समाचार–पत्र जैसे संस्थान के प्रकाशन तैयार करने में सेवाएं प्रदान कर रहे है और संस्थान की दीक्षांत समारोह जैसी गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

प्रयोगशालाएं

संस्थान ने अनेक प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए हैं जो छात्रों को सीमित शैक्षिक सरोकारों से ऊपर उठा कर वैज्ञानिक परिदृश्य की कौतूहलपूर्ण दुनिया में ले जाएंगे। ये प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र संकाय और छात्रों को मौजूदा प्रौद्योगिकियों को उनकी दक्षता, सृजनशीलता तथा कल्पना से संपूरित करके बेहतर भविष्य के लिए प्रयोग में लाते हैं। निम्नलिखति खंड संस्थान में प्रयोगशालाओं और उपकरणों के बारे में विस्तार से विवरण प्रदान करते हैं।

प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

प्रोन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला में प्रोई, सॉलिडवर्क, केटिया जैसे 3डी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए वस्तु का सीएडी मॉडल तैयार किया जाता है। एनसिस, नास्ट्रॉन/पैटर्न जैसे विश्लेषण सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए एफई विश्लेषण किया जाता है तथा सीएनसी प्रोग्रामिक/सीएनसी मशीनों तथा रैपिड प्रोटोटाइपिंग मशीन/3डी प्रिंटर का प्रयोग करते हुए सटीक निर्माण किया जाता है। यूटीएम, हार्डनेस टेस्टर, इम्पैक्ट टेस्टर इत्यादि का प्रयोग करते हुए मैकेनिकल बिहेवियर के लिए विनिर्माम घटकों को वर्गीकृत किया जाता है। निर्मित किए जाने वाले उत्पाद की लोचशीलता तथा सटीकता में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि के लिए सीएनसी मशीनों की भूमिका दर्शाई जाती है। संस्थान की प्रोन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला निम्नलिखित सुविधाओं से सुसज्जित है:

1. सीएडी खंड
2. सटीकता मशीनिंग खंड
3. रेपिड प्रोटोटाइपिंग खंड
4. मैकेनिकल बिहेवियर खंड

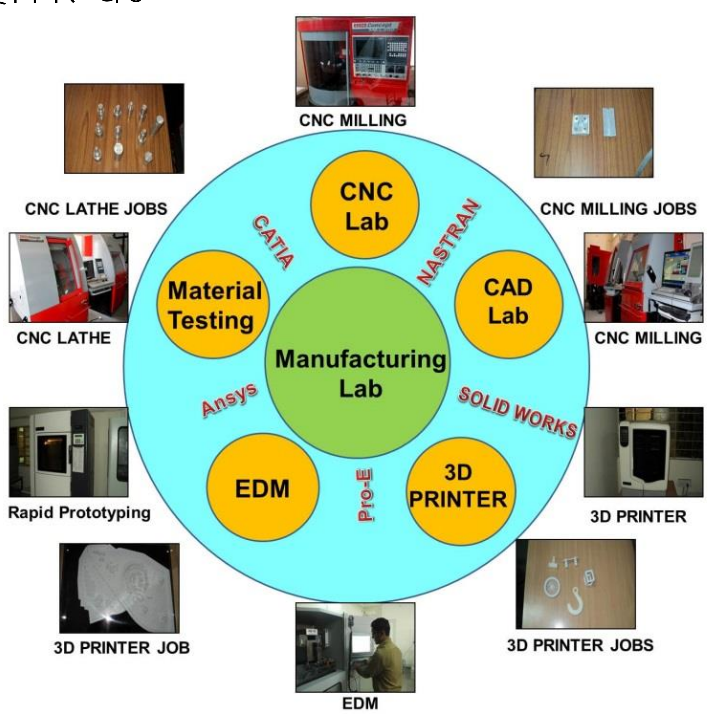

केंद्रीय कार्यशाला

केंद्रीय कार्यशाला संस्थान की केंद्रीय सुविधा है जिसमें वेल्डिंग शॉप, कारपेंटरी शॉप, फिटिंग शॉप, सीट मैटल शॉप, फाउंड्री तथा हीट ट्रीटमेंट शॉप और मशीन शॉप जैसी विभिन्न कार्यशालाएं शामिल हैं। अवर स्नातक छात्र अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में कार्य करके तथा परियोजनाओं में कार्य करके उपर्युक्त खंडों में अनुभव प्राप्त करते हैं और छात्र अपनी शैक्षिक परियोजनाओं के फेब्रीकेशन उद्देश्य के लिए भी इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यह संकाय सदस्यों तथा पीएच.डी. और एम.टेक. शोध विद्वानों के थीसिस कार्य में उनके शोध फेब्रीकेशन में सहायता प्रदान करके संस्थान की शोध एवं विकास परियोजनाओं में भी सहायता प्रदान करती हैं। केंद्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित मशीनें और उपकरण उपलब्ध हैः

1. वैल्डिंग ध्फ्यूम एक्सट्रेकशन डॉउन ड्राफ्ट टेबल
2. बहु–प्रक्रिया वैल्डिंग उपकरण
3. पोर्टेबल सिंगल फेज एमआईजी/एमएजी
4. एसी/डीसी वेल्डिंग उपकरण
5. एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग उपकरण
6. ट्रीडल संचालित शयरिंग मशीन
7. हस्त संचालित फोल्डिंग मशीन
8. कैजन मफल फर्नेस
9. हस्तचालित जीनी अथवा बेरिंग मशीन
10. मोटरचालित सर्कल कटिंग मशीन

11. हस्तचालित सर्कल कटिंग मशीन
12. हाइड्रोलिक शेयरिंग मशीन
13. पोर्टेबल हीटिंग प्लांट
14. पोर्टेबल हार्डनिंग प्लांट
15. फोर्जिंग हीटिंग प्लांट
16. एल्यूमीनियम मेल्टिंग प्लांट
17. फिटिंग टेबल
18. मोल्ड बनाने की सुविधा
19. पोर्टेबल उपकरण ग्राइंडर

इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला

छात्रों को इलेक्ट्रिकल मशीन विशेषताओं और लक्षणों के प्रति परिचित कराने के लिए आईआईटी, जोधपुर ने 'इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला' की स्थापना की है और यह अपनी प्रयोगशाला सुविधाओं की क्षमता का सतत् रूप से विकास करता रहा है। इस प्रयोगशाला में अत्याधुनिक "इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" सुविधाएं छात्रों को वास्तविक प्रयोग वातावरण में मशीनों के कई प्रयोगात्मक और औद्योगिकी प्रयोगों सहित इलेक्ट्रो–मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रक्रिया के मूल के साथ स्वयं को परिचित कराते हुए उनकी क्षमताओं को सशक्त बनाती है। यह प्रयोगशाला सतत् विकास प्रयासों के साथ मूल तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

फ्लूइड मैकेनिक्स एंड हीट ट्रांसफर लेबोरेटरी

फ्लूइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला में छात्र निम्नलिखित के बारे में सीखते हैः

1. प्रयोगात्मक आंकड़ों का विश्लेषण और मूल्यांकन
2. थ्योरीटिक्ल मॉडल और प्रयोगात्मक आंकड़ों के बीच तुलना
3. एक फ्लूइड मैकेनिकल तथा हीट ट्रांसफर प्रणाली कैसे तैयार करें उदाहरण के लिए एक पाइप प्रणाली जिसमें विभिन्न तकनीकी पहलुओं, हीट एक्सचेंजर, थर्मल ऊर्जा भंडार, रिसीवर, विंड कैचर, वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर पर विचार किया गया हो।

उपर्युक्त के अलावा इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों में प्रयोगों तथा लघु स्तर की परियोजनाओं के डिजाइन का संवर्धन करके नवाचारी विचारों का सृजन करना है। वर्तमान में फ्लूइड मैकेनिक प्रयोगशाला में पाइप (साफ/खुरदरे) और फिटिंग (उदाहरण वाल्व, बेंड) में हानि संबंधी प्रयोग, विभिन्न फ्लो–मीटर, पार्टिकल इमेज वेलोसीमीट्री तकनीक, हॉट–वॉयर एनीमोमीटर, लैब स्केल सब सोनिक विंड टनल एक सैलेंडर/एयर–फायल के दाब वितरण, लिफ्ट तथा ड्रेग संतुलन, बाउंड्री लेयर विकास, मौसम निगरानी के बीच तुलना संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह प्रयोगशाला अग्नि सिमुलेशन के लिए सीएफएएसटी जैसे मानक सॉफ्टवेयर के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

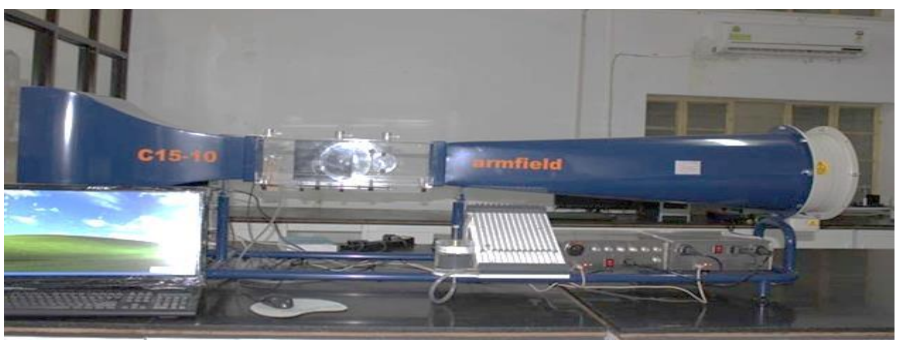

वर्तमान में हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला विभिन्न थर्मोमीटरी तकनीक, हीट एक्सचेंज प्रणाली, वेंटीलेशन प्रणाली, प्राकृतिक एवं फोर्स्ड कन्वेंशन प्रणाली, विभिन्न सामग्रियों के लिए हीट कंडक्शन ईकाई, लैब तथा औद्योगिक–स्तर सौर जल हीटर प्रणाली और थर्मल रेडीएशन ईकाई से सुसज्जित है। ये सभी उपकरण संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित किए गए हैं।

इन प्रयोगशालाओं में परीक्षण, केलीब्रेशन और शोध उद्देश्य के लिए पार्टीकल एनालाइजर के साथ लेजर डॉप्लर वेलोसीमीटर, दाव तथा ताप केलीब्रेशन, बेरीएबल फ्लो के साथ ब्लोअर, प्रेसर ट्रांसडूसर, डिफरेंशियल प्रेसर ट्रांसडूसर, टर्बाइन टेस्ट रिग, टर्बो–मशीन टेस्टरिग, आईसी इंजन, टेस्टरिग इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों का प्रापण किया गया है।

इसके अतिरिक्त, बहु–उद्देश्य टेस्ट सेटअप को स्वदेशी रूप से तैयार किया जा रहा है और उनमें शामिल वस्तुओं/उप–प्रणालियों को स्थानीय रूप से तैयार किया जा रहा है। इस प्रणाली का उद्देश्य वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंज सिस्टम जैसी सौर थर्मल उप–प्रणालियों तथा उनके सतत् संचालन का निरीक्षण और मूल्यांकन करना है।

नियंत्रण/डीएसपी/माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला नियंत्रण प्रणालियों, माइक्रोप्रोसेसर और डीएसपी में प्रयोग करने के लिए साफ्टवेयर और हार्डवेयर अवसंरचना उपलब्ध कराती है। मौटे तौर पर इसमें निम्नलिखित प्रायोगिक संस्थापनाएं शामिल हैं:

क. नियंत्रक प्रणालियां

1. क्वान्सर बॉल तथा बीम प्रणाली
2. क्वान्सर मेगनेटिक लेविटेशन प्रणाली
3. क्वानसर इनवर्टिड पेंडुलम प्रणाली
4. स्किलेब/मेटलेब सहित सॉफ्टवेयर

ख. डीएसपी प्रयोगषाला उपकरण

ग. माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

इलैक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में एनालॉग तथा डिजिटल सर्किट का डायोड, ट्रांजिस्टर, ओपाम्पस तथा क्लॉक जैसे सभी प्रकार के सर्किट उपकरणों का प्रयोग करते हुए निरीक्षण किया जा सकता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण हैं :

1. एजिलेंट से आर्बिट्रेरी फंक्शन जेनरेटर
2. एजिलेंट से डिजिटल आक्सीलोस्कोप
3. प्रोग्रामेबल पावर आपूर्ति
4. एजिलेंट से 6 1/2 बीआईटी डीएमए

पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला

पावर इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला का प्रयोग पावर इलैक्ट्रॉनिक्स आधारित पावर कन्वर्सन प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली और ड्राइव्स के क्षेत्र में अवर–स्नातक और शोध के लिए किया जाता है। यह प्रयोगशाला संकाय और छात्रों के लिए पावर कनवर्टर और एसी/डीसी माइक्रो ग्रिड के क्षेत्रों में शोध को सुकर बनाती है। यह प्रयोगशाला आधुनिक परीक्षण और माप इंस्ट्रूमेंटस, कन्वर्टस, पावर स्पालाई और प्रोग्रामिंग बोर्डों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध मुख्य उपकरण हैं:

1. हाई प्रीसिसन पावर एनालाइजर–योकोगवा डब्ल्यूटी 3000
2. डीएसओ–टेकट्रोनिक्स 200 एमएचजेड (डीपीओ 2024) तथा आईजीएचजेड (डीपीओ 4104बी)
3. फंक्शन जेनरेटर–टेकट्रोनिक्स एएफजी 3021बी
4. पावर स्पलाई : 0–30 वोल्ट, 1ए; 0–32 वोल्ट, 3ए; 0–32, 10ए
5. तीन फेज इनवर्टर ड्राइव
6. तीन फेज इनवर्टर स्टेकस
7. डीसी–डीसी कन्वर्टस
8. विभेदी करंट प्रोब्स
9. करंट क्लेम्प
10. आइसोलेशन ट्रांसफोर्मर्स
11. एफपीजीए प्रशिक्षण किट और प्रोग्रामिंग बोर्ड

रोबोटिक्स प्रयोगशाला

आई.आई.टी., जोधपुर की स्नातकोत्तर/अवर स्नातक शिक्षा और शोध हेतु एक अत्याधुनिक रोबोटिक प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित अवसंरचना हैं:

1. विकोन मोशन ट्रैकिंग प्रणाली
2. एक पावर बोट मोबाइल रोबट प्लेटफार्म पर बैरेट डब्ल्यूएएम आर्म का चल मेनिपुलेटर
3. पायोनियर पी3–डीएक्स चल रोबोट्स – 10 इकाईयां
4. टर्टलेबोट
5. व्हील चेयर
6. फोर्स प्लेट
7. चल रोबोट के लिए अवसरंचना–नेविगेशन, पाथ–प्लानिंग स्लाम
8. डायनेमिक और काइनेमेटिक नियंत्रण समस्या, रिडन्डेन्सी रिजोल्यूशन, मेनिपुलेटर्स और मोबाइल मेनिपुलेटर्स का उल्टा काइनेमेटिक्स, विजुअल सर्विंग
9. जीएआईटी विश्लेषण और रोबोट समर्थित पुनर्वास।

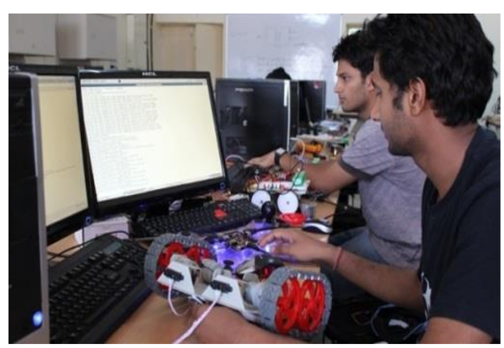

यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला

यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला का मिशन अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान और मापन तथा स्वचालन प्रौद्योगिकी में पठन और शोध का संश्लेषण करना है। इस प्रयोगशाला में स्थित अत्याधुनिक सुविधाएं संचार के खगोलीय पर्यावरण और वास्तविक समय मापन तथा वास्तविक समय मापन प्रौद्योगिकी में नवीन शोध के अवसर प्रदान करती हैं। अनुभवी प्रयोगशाला दल छात्रों की शोध में प्रतिभा का पोषण करती है और जटिल मापन विकसित करने, परीक्षण करने, नियंत्रण प्रणाली, डाटा विश्लेषण प्रणाली और अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

छात्र (1) बेसबेंड संचार सर्किट बनाने (2) एनआई लैबव्यू ग्राफिक प्रोग्रामिंग साफ्टवेयर के प्रयोग (3) पीएक्सआई आधारित एनआई आरएफ/वायरलैस मापन स्टैंड (4) एनआई डब्ल्यूएसएन और लैबव्यू साफ्टवेयर का मूल्यांकन, साफ्टवेयर परिभाषित रेडियो प्रणाली समायोजित करने, अध्ययन किए गए एंटिनाओं के प्राचलों की मात्रा निर्धारित करने (5) एनालॉग मॉड्यूलेशन योजनाओं का संचार करने से संबंधित सिद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों ही ज्ञान विकसित करते हैं। एनआई–लैब में ऐसी साफ्टवेयर और हार्डवेयर उप–प्रणाली हैं जो रेपिड प्रोटोटाइपिंग तथा विभिन्न उपयोगों के लिए एम्बेडिड प्रणाली के विकास को सक्षम बनाती है। वर्तमान में प्रयोगशाला में निम्नलिखित सेट अप हैं :

1. एनआई एल्विस आधारित संचार प्रणाली और थ्योरी शिक्षण स्टैंड
2. स्पेकट्रल, चेनल सक्षमता अध्ययन के लिए बड़ा एमआईएमओ स्टैंड तथा नए मानक विकास
3. डब्ल्यू लेन, डब्ल्यू आई मैक्स, जीपीएस, आरएफआईडी, जिगबी, जीएसएम, सीडीएमए, डब्ल्यूसीडीएमए, ब्लूटूथ हेतु प्रोटोकोल स्टैंड
4. कस्टम संचार योजना के विकास और शोध के लिए एफपीजीए–एनेबल्ड सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो स्टैंड
5. बेसिक एनालॉग और डिजिटल संचार तकनीक शिक्षण स्टैंड
6. वायरलैस सेंसर नेटवर्क स्टैंड
7. सिग्नल सतर्कता और वायरलैस स्प्रैक्ट्रल मॉनिटरिंग स्टैंड
8. वायरलैस प्रोटोटाइप वर्गीकरण तथा टेस्टिंग स्टैंड

9. बेस–बैंड अध्ययन और सिग्नल प्रसंस्करण के लिए एफपीजीए आधारित प्रोटोकोल विकास
10. वीएनए आधारित एंटीना वर्गीकरण स्टैंड
11. फाइबर आप्टिक संचार स्टैंड
12. नेटवर्क आधारित निर्माण
13. वास्तविक सतह डिजाइन, रिकार्ड तथा प्लेबैक, सिग्नल सतर्कता, एलगोरिथम वैद्यीकरण तथा अधिक के लिए यूएसआरपी (यूनिवर्सल साफ्टवेयर रेडियो उपस्कर) आधारित वायरलैस संचार प्रणाली
14. नेटवर्क संचार और निर्माण नियंत्रण स्टैंड

अपनी स्थापना के तीन वर्ष के पश्चात, इस प्रयोगशाला ने आई.आई.टी., जोधपुर के अधिगम और शोध गतिविधियों में अत्यधिक योगदान दिया है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से अवर स्नातक तथा स्नातक दोनों के लिए संचार एवं नेटवर्किंग लैब, सतर्क इंस्ट्रूमेंटेशन, सिस्टम विश्लेशण, तकनीक और बॉयो–सेन्सर पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। प्रोगशाला ने डिजिटल रेडियो मानकों के लिए डीआरएम/डीआरएम+आईपी के विकास, लिंक बजट डिजाइन समुंद्री वातावरण, डीआरएफएम आधारित रेडार इको साईमुलेटर सहित कई औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं के लिए सही हार्डवेयर और साफ्टवेयर उपकरण प्रदान किए हैं। प्रयोगशाला में की जा रही अन्य परियोजनाएं हैं वहनीय वायरलैस विडियो ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास, कोइग्निटिव रेडिया और जिगबी प्रोटोकोल विकास।

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 से कार्य करना आरंभ किया है। इसका उद्देश्य अवर–स्नातक तथा स्नातक छात्रा जो कम्प्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में अपनी रुची का अध्ययन करते हैं; जो कम्प्यूटर नेटवर्क के पहलुओं को समझने तथा एक वास्तविक सेटिंग में नेटवर्किंग उपकरणों के साथ कार्य करने के योग्य बनाना है। इसके अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रौन्नत विषयों, जैसे कि वायरलैस मेस नेटवर्क, सेन्सर नेटवर्क, कम्प्यूटर नेटवर्क से पावर लाइनों पर संचार के लिए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में हुई गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

1. नेट एफपीजीए का प्रयोग करते हुए नेटवर्किंग हार्डवेयर की प्रोटोटाइपिंग (उदाहरण, इथरनेट स्विच, आईपीवी 4 रूटर इत्यादि)।
2. क्लिक रूटर मॉड्यूलर सॉफ्टवेयर फ्रेसवर्क का प्रयोग करते हुए पैकेट प्रोसेसर का विकास।
3. मिनी–इंटरनेट, सिंग्ल–हूप वायरलैस नेटवर्क, बहु–हूप वायरलैस मेस तथा सेंसर नेटवर्क, पावर लाइन संचार नेटवर्क, गृह दूरभाषा लाइन नेटवर्क के लिए अवसंरचना की स्थापना।

4. भिन्न नेटवर्कों के संबंध में विभिन्न प्रोटोकोल के निष्पादन विश्लेषण से संबंधित अध्ययन।
5. नोवल रूटिंग एलोगरिथम, परिवहन लेयर तंत्र और अगली पीढ़ी के नेटवर्क के लिए सेवाओं का विकास।
6. प्लनेट प्रयोगशाला अवसंरचना की स्थापना (जो 500 से अधिक साइटों को जोड़ते हुए अनिवार्य रूप से इंटरनेट पर सृजित वैश्विक आबंटित कम्प्यूटिंग मंच का भाग बनेगी)। यह छात्रों और शोधकर्ताओं को न केवल इंटरनेट की ट्रैफिक पद्धति को समझने की अनुमति देती है बल्कि आबंटित स्टोरेज, नेटवर्किंग मेपिंग, पीयर–टू–पीयर प्रणाली, घटक वितरण सेवा और कलाउड कम्प्यूटिंग के लिए इंटरनेट पर नई प्रौद्योगिकी प्रयोगों को भी विकसित करेगी।

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला ई–लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग और कम्प्यूटर विजन में कार्यक्रमों को सुसाध्य बनाती है। इस प्रयोगशाला में वीडियो/इमेज विषय वस्तु के सीमेंटिक विश्लेषण, वीडियो सर्विलांस, मानव गतिशीलता विश्लेषण, दस्तावेज छाया विश्लेषण और विषय–वस्तु पर आधारिक छाया पुनप्रापण में शोध करने पर विशेष बल दिया जाता है। ई–लर्निंग से संबंधित क्रियाकलापों में वीडियो रिकॉर्डिंग, ऑडियो–वीडियो, डिजिटाइजेशन, वीडियो संपादन इत्यादि शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में काइनेक्ट का प्रयोग करते हुए भारतीय सांकेतिक भाषा की पहचान संबंधी एक शोध आरंभ किया गया है।

उपकरणः

1. स्केनर्सः बुक ड्राइव मिनि, यूएमएएक्स पावरलुक।
2. कैमरेः सोनी 177 पीडी, सोनी केमकोर्डर, केनन 500डी वीसीआर; सोनी डीएसआर 45एपी
3. ट्राइपोडसः मेनफ्रोटो, आईमेक।

नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला

आधुनिक विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए और हमारे राष्ट्र द्वारा पुराने ईंधन पर अत्यधिक भरोसा करने से आई.आई.टी., जोधपुर को नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला (आरईएल) का संवर्धन करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से ऊर्जा तथा पर्यावरण से संबंधित मसलों पर शोध करने पर प्रोत्साहन मिला है। आरईएल नवीकरणीय ऊर्जा को डिजाइन करने, परीक्षण करने और उसका प्रसार करने तथा सक्षम ऊर्जा प्रणाली पर ध्यान देता है। आरईएल का उद्देश्य है उन प्रौद्योगिकियों की सहायता करना जिससे ये उद्योग और विकासशील देशों में सतत पर्यावरणीय विकास में योगदान करें। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रयोगशाला के संकाय और छात्र एक ऐसी नवाचारी प्रणाली का सृजन करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे सूर्य से और वायु से ऊर्जा का सक्षम रूप से उत्पादन हो सके। हाल ही में घरेलू विकास के लिए सौर और वायु ऊर्जा पर शुरू की गई परियोजना में ऊर्जा इंजीनियरी और पर्यावरणीय जोखिम विश्लेषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शोध की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है। आरईएल में कम्प्यूटर इंटरफेस सिस्टम है जिसमें लगभग 30 छात्र एक समय में काम कर सकते हैं। छात्र आरईएल के सर्वोच्च संसाधन हैं और आई.आई.टी. जोधपुर ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काफी प्रगति हासिल की है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य योजना बनाने तथा नवाचार शोध करने के लिए सभी अपेक्षित संसाधन प्रदान करता रहा है। आरईएल के विकास का एक पहलू अन्य शैक्षिक और औद्योगिक समूहों की भागीदारी का विकास करना है। भविष्य में यह प्रशिक्षण और सार्वजनिक निजी क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक हब होगा। हाल ही में, प्रयोगशाला ने माइक्रोबिअल फ्यूल सेल के प्रोटोटाइपिंग पर पेनासोनिक आरएंडडी इंडिया प्रा0 लि0 के साथ एक परामर्शदात्री परियोजना आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, लैब ने राजस्थान और गुजरात में 5 एमडब्ल्यू से कम पीवी पावर संयत्रों का आंकड़ा संग्रह, व्याख्या और विश्लेषण का आरंभ किया है।

नवीकरणीय उर्जा प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग करती है:

1. 2 किलोवाट चार्ज के नियंत्रक~12 वोल्ट विंड पावर के साथ, स्थायी मेगनेंट के साथ सिन्क्रोनाइजर जनरेटर ~12 वोल्ट, लैम्प बोर्ड~12 वोल्ट, ऑफ ग्रिड इनवर्टर इत्यादि।
2. डीसी कनवर्टर, इलैक्ट्रानिक लोड, मेटल हाइडराइड स्टोरेज सेल, इलैक्ट्रोलाइजर, 200 वाट/20 वोल्ट/10 ए के साथ पीईएम फ्यूल सेल।

3. प्रौन्नत फोटोवोल्टिक्स सोलर मॉडयूल साइमुलेशन मॉडल 23 वोल्ट/2 ए, सोलर आल्टीटयूट इमुलेटर के साथ सोलर मॉडयूल, सोलर चार्ज नियंत्रक 12/24 वोल्ट, 6ए सोलर एकुमुलेटर 12 वोल्ट, 7 एएच, ऑफ ग्रिड इनवर्टन 230 वोल्ट, 275 वीए इत्यादि।
4. कोटिंग प्रयोग के लिए समेकित आरएफ/डीसी स्पुटरिंग।

सोलर रेडिएशन प्रयोगशाला

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने आई.आई.टी. जोधपुर परिसर का अपने एक सोलर रेडिएशन केन्द्र के रूप में चयन किया है। इस केन्द्र पर सोलर रेडिएशन माप (वैश्विक और सीधे), आर्द्रता, तापमान, वर्षामापक तथा वायु गति मापन किए जाते हैं और यह आंकड़े चेन्नई में एमएमआरई नोडल केन्द्र सी–वेट को एक सेटेलाइट लिंक के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में उपकरणों में दो सोलर पैनल लगे हैं। इस केन्द्र से एकत्रित आंकड़े सोलर थर्मल और सोलर फोटोबोलेटाइल पावर प्लांटों की स्थापना के लिए अपेक्षित सोलर संसाधन मूल्यांकन के पास बनाते हैं जैसा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सोलर मिशन (जेएनएनएसएम) में दर्शाया गया है।

उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला

''आई.आई.टी. जोधपुर में सौर थर्मल शोध एवं शिक्षा में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना'' नामक एम.एन.आर.ई. वित्तपोषित परियोजना के तहत छः प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं। उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला इन विशिष्ट प्रयोगशालाओं में से एक है। इस प्रयोगशाला के उद्देश्य हैं:

1. फलूइड फ्लो और ताप हस्तांतरण संबंधी समस्याओं के मूल पहलू जैसे कि धूल संचयन
2. सघन सौर थर्मल प्रणालियों के लिए उप–प्रणाली का डिजाइन और विश्लेषण

इस प्रयोगशाला में तैयार तथा विश्लेषित कुछ उप–प्रणालियां हैं:

क. प्रक्रिया ताप प्रयोग हेतु खुला वोल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर
ख. कम्पेक्ट हीट एक्सचेंजर
ग. सोलर कन्वेक्टिव फर्नेस

इस प्रयोगशाला में सौर वायु टावर साइमुलेटर (एसएटीएस), लेजर डोपलर वीलोसिमीट्री जैसे प्रौनन्त शोध ग्रेड उपकरण जैसी परीक्षण सुविधा शामिल है। एसएटीएस सुविधा में खुला वोल्युमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल उर्जा स्टोरेज, वायु–जल ताप आदान–प्रदान शामिल है और इसका सौर कनवेक्टिव फर्नेस के साथ विस्तार किया जा रहा है।

माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर में माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला शैक्षिक ब्लॉक–1, कमरा सं–1107 में स्थित है। यह उत्कृष्ट प्रयोगशाला सभी विशिष्ट उपकरणों के प्रापण के लिए वचनबद्ध है और आई.आई.टी., जोधपुर की आधुनिक प्रयोगशालाओं का स्तर प्राप्त करने के नजदीक है। अनुभवी संकाय जीव–वैज्ञानिक नमूनों के मॉर्फोलोजीकल विश्लेषण के बारे में छात्रों के उत्साह का पोषण करते हैं और उन्हें वैज्ञानिक इंस्ट्रूमेंटों के संचालन में सहायता करते हैं। वर्तमान में, इस प्रयोगशाला में विभिन्न माइक्रोस्कोप और कई नमूना तैयारी उपकरणों की बड़ी संख्या मौजूद है।

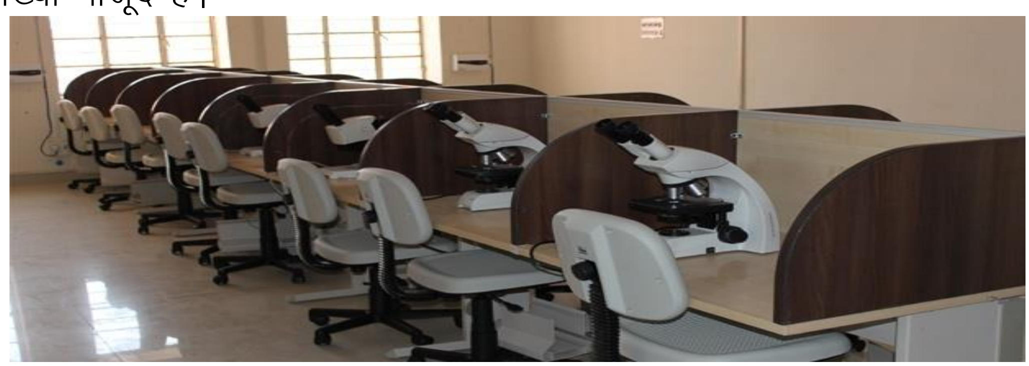

बॉयोविज्ञान और न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला

प्रौन्नत बायोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला जैविकरूप प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई. एस.एस.) उत्कृष्टता केन्द्र का एक भाग है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य न्यूरोविज्ञान में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध के लिए सेलूलर और मॉलीक्यूलर निरीक्षण उपकरण प्रदान करना है। हम ज्वलन तथा मरम्मत के लिए मॉलीक्यूलर एवं सेलूलर संबंधों में मॉलीक्यूलर तंत्र को हटाने हेतु जीवविज्ञान, जीव रसायन तथा माइक्रोस्कोपी दृष्टिकोण के साथ प्रकोष्ठ के संस्कृति अध्ययन का प्रयोग करते हैं। ज्वलन अभिज्ञातज, मस्तिष्क चोट, कैंसर, बहु उत्तक–दृढ़न, स्ट्रोक, अस्थमा, पार्किन्सन रोग और अल्जेमर रोग सहित कई रोगों का प्रमुख घटक है। ज्वलन को इनेट इम्यून सेल के संचय और प्रचुरोद्भवन द्वारा वर्गीकृत किया जाता है। इसके पश्चात मॉलीक्यूलर माध्यम के विस्तार जिसे साइटोकिन्स और कीमोकिन्स कहा जाता है, जिससे इम्यून सेल का स्थानांतरण एवं प्रचुरोद्भव हो जाता है तथा सेल मृत भी हो सकती है, के साथ मृत सेल और सेलूलर कचरा साफ होता है। संभावित रोगोपचार लक्ष्य की पहचान के लिए उस तंत्र को समझना आवश्यक है जिससे ज्वलन होता है तथा इस प्रक्रिया मे मॉलीक्यूलर माध्यम शामिल होते हैं।

बॉयोमॉलीक्यूलर सूचना प्रसंस्करण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के बायोमॉलीक्यूलस तथा संबद्व सिंथेटिक मॉलीक्यूल्स द्वारा सूचना प्रसंस्करण को समझने में रत है। प्रक्रिया में पहले एकल मॉलीक्यूल का प्रयोग करना और तत्पश्चात् दी गई सतह पर मॉलीक्यूल के समूह का प्रयोग करना शामिल है। किसी बाह्य उत्तक में मॉलीक्यूलस के बीच परस्पर संबंध हमें उनके बीच संचार को समझने में सहायता करेगा।

रासायनिक जीव–विज्ञान प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला कैंसर एवं अन्य स्नायु–घातक बीमारियों के पैथोजीनेसिस का पता लगाने के लिए सेलुलर और मॉलीक्यूलर जैव–रासायनिक उपागम का प्रयोग करता है। न्यूरोनल डैथ में रूचि के चलते, इस बात में कोई आश्चर्य नहीं कि यह प्रयोगशाला दल ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीस में दिलचस्पी रखता है जो न्यूरोनल सर्वाइवल में गुणवत्ता नियंत्रण घटनाओं के लिए विशेष रूप से आवश्यक है। प्रोटीन यूबीक्यूटिलेशन अत्यधिक वर्सेटाइल और क्रमबद्ध होता है और कोशिका शरीर विज्ञान के अगणित पहलुओं को विनियमित करने वाली मल्टी स्टैप पोस्ट ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन एंजाइमेटिक प्रक्रिया है। इस प्रयोगशाला की तीन प्रोटियोस्टेटिस के अनुरक्षण में ई3 युबीक्यूटिन लिगेज के गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका का पता लगाने के लिए ऐसे ई3 लिगेज की भूमिका का अध्ययन कर रही है और इस प्रकार सेलुलर जीवन और मृत्यु के क्षेत्र में भूमिका निभा रही है। ऐसे महत्वपूर्ण बॉयोकैमिकल निष्कर्ष मिसफोल्डिड प्रोटीन से जुड़े रोगों के लिए नवाचारी थीरेप्टिक पहलुओं में योगदान दे सकती हैं।

सेलुलर स्तर प्रक्रिया में ऑरगेनिजम में एक सुस्थापित प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली होती है जो लैब की टीम वर्तमान में समझने का प्रयास कर रही है। ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीज की भूमिका अब तक ऐसी प्रणाली में देखी गयी थी। हमारी प्रयोगशाला प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के क्षेत्र में गुणात्मक शोध के प्रति समर्पित है। हाल ही में हमने पाया है कि ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिज ई6–एपी वाला एचईसीटी डोमेन एसओडी आई म्यूटेंट द्वारा तैयार मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेटस के साथ इसके जुड़ने के जरिए अमीट्रोफिक लेटरल सलेरोसिस रोगों में मदद करता है। ऐसे निष्कर्ष इस बात का समर्थन करते हैं कि ई3 लिगेज में मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेशन को हटाने की क्षमता हो सकती है। तथापि, सेलुलर प्रणाली की अप्रत्याशित सक्षमता की प्रशंसा करते हुए हमें चेपरोन्स की महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखना चाहिए जिसे मिसफोल्डिड प्रोटीन को वापस लोने और इस प्रकार उन प्रोटीन के परिवर्तन के दौरान प्रयुक्त ऊर्जा के संरक्षण के उद्देश्य से ई3 यूबीक्यूटीन लिगेसिस के तुलना में वरीयता से कार्य करते हुए पाया गया है। कई उदाहरणों ने हमने यह सोचने पर मजबूर किया कि हम मिसफोल्डिड प्रोटीन को सही करने में चेपरोनस और ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिस दोनों की भूमिका का पता लगा सकते हैं। अतः, अब हम न केवल ई3 यूबीक्यूटिन का कार्य कर रहे हैं अपितु चेपरोन्स पर भी काम कर रहे हैं और सेल के लिए एक सक्षम गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली देने से उनके संचालनात्मक जुड़ाव में भी काम कर रहे हैं।

रसायन प्रयोगशाला

आई.आई.टी., जोधपुर की रसायन प्रयोगशाला का मुख्य लक्ष्य मामले की अपनी समझ के मोर्चे पर वास्तविक समस्याओं के समाधान में वैज्ञानिक पद्धति से छात्रों को प्रशिक्षित करना है। यह एक बहु–आयामी प्रयोगशाला है जो अवर स्नातक, स्नातक और पीएच.डी. छात्रों को उनके भविष्य के व्यवसाय की योजना बनाने में सहायता करने के लिए बड़ी संख्या में संसाधन उपलब्ध कराती है।

इस प्रयोगशााला में अधुनातन प्रलेखन का एक व्यापक स्पैक्ट्रम है जिसमें बुनियादी प्रयोगशाला स्थापना (ऑर्गेनिक, इनऑर्गेनिक, आर्गनोमैटालिक एवं सामग्री संश्लेषण), नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं एलपीजी गैस लाइन, इनर्ट एटमसफीयर बॉक्सेज, वैक्यूम लाइन वर्क, फ्यूम हुड पीएच, कंडक्टिविटी, बीओडी एवं सीओडी मीटर, रोटरी इवेपोरेटर, वैक्यूम पंप, सैंट्रीफ्यूजेज, हाई प्रेशन रिएक्टर सिस्टम, चिलर, हीटर्स, माइक्रोबलेंसेज, ऑर्बिटल शेकर, जीसी, एचपीएलसी और रैडलीज रैडी रिएक्टर शामिल हैं। शैक्षिक वर्श 2012–13 में प्रयोगशाला ने पोलारीमीटर, मेल्टिंग प्वाइंट इंस्ट्रूमेंट, सोलर साइमुलेटर, डिजिटल टाइट्रेटर, कुगनरोहर, इलैक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, और बेट्री विश्लेषण जैसे उपकरणों का प्रापण किया।

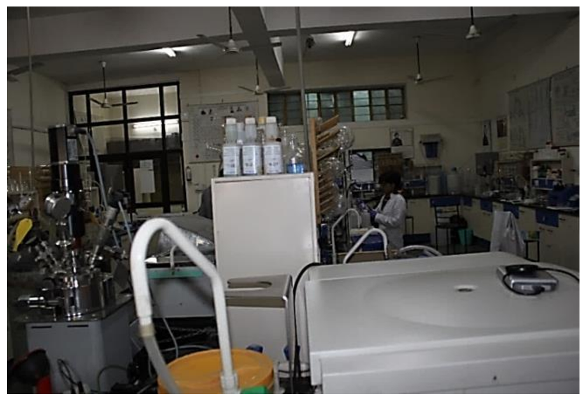

सॉलिड स्टेट प्रोब के साथ एक 500 एमएचजेड एनएमआर स्पैक्ट्रोमीटर एक आवश्यक संसाधन है जिसका मिशन शोधकर्ताओं को उनकी परियोजनाओं के संचालन हेतु एक मंच प्रदान करते हुए अत्याधुनिक उच्च फील्ड एनएमआर तथा पद्धति उपलब्ध करवाना तथा एनएमआर पद्धतियों में नई पद्धतियां विकसित करना है।

भौतिकी प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर की भौतिकी प्रयोगशाला का मिशन विद्यार्थियों को मूलभूत भौतिकी का प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराना है। इस प्रयोगशाला में विशिष्ट उपकरणों सहित अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं जहां मेकैनिक्स, वेब्स, इलेक्ट्रीसिटी, मैग्नेटिज्म और ऑप्टिक्स में विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं। अब प्रयोगशाला में प्रकाश की गति, जीमेन प्रभाव और माइकल्सन इंटरफेरोमीटर के साथ प्रयोग के लिए सुविधा मौजूद है।

सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी

संस्थान की सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के परीक्षण नमूनों की सुविधा प्रदान करती है जिससे उनकी यांत्रिकी विशेषताओं जैसे कि इलास्टिसिटी का मॉड्यूल, टेनसाइल और व्यापक क्षमता, तनाव मोड़, बेंडिंग लक्षण, हार्डनेस इत्यादि जैसे यांत्रिकी लक्षणों का पता लगाया जा सके।

प्रयोगशाला निम्नलिखित परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित है :

1. सार्वभौमिक परीक्षण मशीन 5—50 केएन
2. रॉकवेल टेस्टर
3. ब्रिनेस टेस्टर
4. विकर्स टेस्टर
5. पोलडी हार्डनेस टेस्टर
6. पोर्टेबल हार्डनेस टेस्टर
7. सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी।

सामग्री विश्लेषण प्रयोगशाला

शोध में उर्जा सृजन तथा भंडारण हेतु सामग्रियों सहित विभिन्न प्रयोगों के लिए अभिनव सामग्रियों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। वर्तमान कार्य में सौर सेल प्रयोग हेतु सॉल्यूशन योग्य सीआईजीएस कंपाउंड सेमीकंडक्टर का विकास तथा लिथियम आयन बैट्री और सुपरकेपेसीटर प्रयोग के लिए ट्रांजीशन मेटल ऑक्साईड आधारित सामग्री का विकास शामिल है। यह प्रयोगशाला स्पुटरिंग, सोल–जेल प्रक्रिया एसेम्बली इत्यादि जैसी बड़ी तथा पतली फिल्म तकनीकों के सिंथेसिस आसैर एक्स–रे डिफरेक्शन, स्केनिंग इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप, ऑप्टीकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक एलसीआर मीटर, बड़े नमूने हेतु फेरोइक माप प्रणाली इत्यादि जैसी कई वृगीकरण तकनीक से सुसज्जित है।

इसके अतिरिक्त, समूह सौर चुनिंदा कोटिंग, उच्च बारंबारता अवशोषक प्रणाली के लिए फेरोइक सामग्री और विभिन्न प्रयोग के लिए मेनेटिक पार्टिकल जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए बहु संचालन सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करता है। यह प्रयोगशाला थर्मल विश्लेषण, इलैक्ट्रोकैमिकल विश्लेषण, सर्फेस मोर्फोलोजी अध्ययन, रसायनों के पृथक्करण तकनीक, विद्युत संचालन माप उपकरणों, ग्लाव बॉक्स इत्यादि के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एम.पी.एम.एस./एस.क्यू.यू.आई.डी.)

आई.आई.टी. जोधपुर ने पदार्थ वर्गीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सुविधा सृजित की है। हाल ही में मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एमपीएमएस) का प्रापण करके इसमें एक अतिरिक्त आयाम जोड़ा गया है। एम.पी.एम.एस. (एस.क्यू.यू.आई.डी.) की स्थापना आने वाले कुछ माह में की जा रही है। यह क्षेत्र निर्भर मैगनेटिक माप के सहयोजन से डीसी तथा एसी दोनों मैगनेटिक माप हेतु बृहत ताप 2 के–1000के की श्रेणी प्रदान करेगा। ऐसे माप मैगनेटिक विशेताओं को समझने तथा मैगनेटिक सामग्रियों से संबद्ध स्पिन डायनामिक्स में सहायता करेगा।

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला

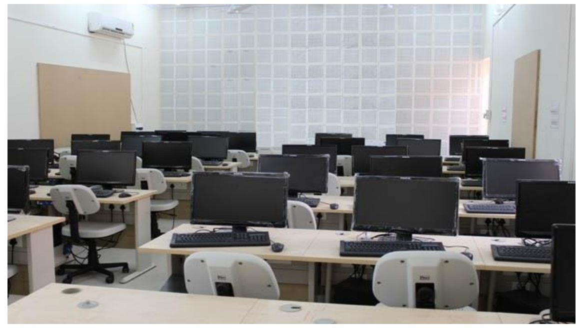

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला आई.आई.टी. जोधपुर के संपूर्ण छात्र समुदाय हेतु विदेशी भाषाओं में पढ़ाने और पढ़ने के लिए संसाधन सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराती है। यह प्रयोगशाला संस्थान की बहुभाषायी कंप्यूटिंग तथा मूल्यांकन केन्द्र है। प्रयोगशाला दल द्वारा ऐसी नई पद्धतियां खोजी जा रही हैं और उन्नत मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी की सहायता से क्रियान्वित की जा रही हैं जो किसी विदेशी भाषा को सीखने में अपेक्षाकृत अधिक अनुभव प्रामाणिक अनुभव हो सकती है। यह इंटरनेट तथा इंटरएक्टिव वीडियो, श्रव्य–दृश्य तकनीक, मल्टी–मॉडल आईकॉनिक एप्रोच और स्पीच की पहचान करने जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में सहायता करती है। पठन अभ्यास में श्रवण और निबंध, व्यापकरण पर आधारित अभ्यास, स्थानन समाधान और शिक्षण परीक्षण शामिल है। प्रयोगशाला रोबोटेल में स्मार्ट क्लस सिम्पोजियम और डाइनेट इंटरनेशनल से नए डायनेमिक इंगलिश लर्निंग कार्यक्रम आयोजित करती है। डिजिटल भाषा प्रयोगशाला में सभी सुविधाएं सक्षमता उन्मुखी और मानक–आधारित।

स्वास्थ्य केन्द्र

आई.आई.टी. जोधपुर आवासीय परिसरों में संस्थान के छात्रों, संकाय और कर्मचारी सदस्यों को चौबीस घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में 3 डॉक्टर और 4 सहायक स्टाफ सदस्य हैं। छात्रों एवं कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शहर में कुछ अस्पतालों के साथ संस्थान का करार है। आवासीय क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक अवसंरचना सुविधाएं तथा बुनियादी देखभाल के लिए जरूरी उपकरण हैं। उपचार पाने वाले रोगियों के लिए आवश्यक दवाएं स्टॉक की गई हैं और उन्हें प्रदान की जाती हैं। एक ईसीजी मशीन भी खरीदी गई है।

यह स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों का, संस्थान द्वारा प्रत्यायित अस्पतालों में भर्ती के दौरान उनके उपचार का समन्वयन और पर्यवेक्षण करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में किसी चिकित्सा आकस्मिकता के दौरान बुलाए जाने के लिए अपनी स्वयं की एक एम्बुलेंस है।

स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान के विजिटरों को आवासीय क्षेत्र में उनके आवास के दौरान अनुरोध प्राप्त होने पर अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। आपात परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं परिसर के उन नागरिकों को भी प्रदान की जाती हैं जो आईआईटी समुदाय से संबद्व नहीं हैं। रोगियों के रिकार्ड, खरीदी गई/वितरित दवाईयों के ब्यौरे, परिसम्पतियां, उपकरण आदि सभी के रिकार्ड कम्प्यूटर द्वारा रखे जाते हैं।

खेल–कूद सुविधाएं

खेलों के लिए सुविधाएं चार स्थानों नामतः छात्रावास परिसर, शैक्षिक परिसर, विद्याश्रम अंतर्राष्ट्रीय स्कूल के खेल मैदान तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नये परिसर में प्रदान की जाती हैं। संस्थान में संभार तंत्रीय कार्यालय द्वारा परिवहन की व्यवस्था की जाती है। आवासीय परिसर में छात्रों के प्रयोग के लिए एक जिम्नेजियम भी उपलब्ध है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

आई.आई.टी., जोधपुर ने भारत सरकार द्वारा जारी आरक्षण नीतियों और दिशा–निर्देशों का समुचित उपयोग और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतों से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करता है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में एससी/एसटी तथा ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों से संबद्ध मामलों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा संस्थान के बीच एक संचारकर्ता के रूप में कार्य करता है। आईआईटी जोधपुर एमसीएम छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन करते हुए आरक्षण नीति का पालन करता है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति के छात्र जिनकी पारिवारिक आय 4.50 लाख रूपए प्रति वर्ष तक है, संस्थान द्वारा की गई पहल से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार सर्वोच्च श्रेणी शिक्षा के केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं।

छात्र गतिविधियां

छात्र जिमखाना

"छात्र जिमखाना" छः विंग में बांटा गया है जिन्हें "परिषदें" कहा जाता है। प्रत्येक परिषद् विभिन्न क्बलों में बांटी गई है। ये विंग छात्रों की विभिन्न रुचियों को पूरा करते है और उनके समग्र विकास में योगदान देते है।

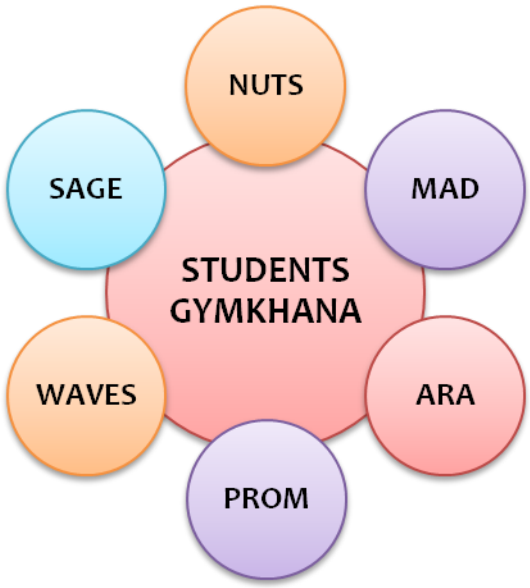

1. शैक्षिक और शोध कार्य (एआरए)

शैक्षिक और शोध कार्य समिति (एआरए) छात्र जिमखाना के तहत एक परिषद् है जो शोध तथा शिक्षा से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी। इस परिषद् का उद्देश्य छात्रों में संस्थान में शोध तथा शैक्षिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और इसके संबंध में निर्णय में प्रभावी छात्र पहचान और भागीदारी को सुनिश्चित करना है। इस परिषद् की भूमिका संस्थान में शोध के संवर्धन और उन्नति में भी विस्तारित की जाएगी। इस वर्ष शैक्षिक एवं शोध कार्य समिति की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रबुद्ध व्यक्तियों तथा शोध विद्वानों के विभिन्न लेक्चर आयोजित करने की योजना है।

मिशन

शैक्षिक तथा शोध कार्य समिति का मिशन निम्नानुसार है:

1. प्रोफ़ेसरों के तहत शोध परियोजनाएं करने हेतु छात्रों को एक मंच के रूप में कार्य करना और वास्तविक जीवन की समस्याओं के संबंध में छात्र समुदाय में संज्ञान का वातावरण तैयार करना तथा शोध आवश्यकताओं के प्रापण में उनकी सहायता करना;
2. छात्र–संकाय संबंधों का सुदढ़ीकरण करना तथा उन्हें केवल औपचारिक वार्ताओं से आगे ले जाना, उनके शोध में बाधाओं का पता लगाना तथा आदर्श हल निकालना;
3. छात्रों को हाल की खोज और प्रौद्योगिकीय उन्नतियों तथा अवसरों के प्रति परिचित कराने, जिन्हें वे अध्ययन कर सकते है, के लिए विभिन्न तकनीकी आयोजन और सेमीनार आयोजित करना।

कार्य तथा जिम्मेदारियां

शैक्षिक एवं शोध कार्य परिषद् के कार्य तथा जिम्मेदारियां निम्नानुसार हैः

1. शैक्षिक तथा शोध के मामलों पर छात्र समुदाय के विचारों को प्रभावी रूप से रखना।
2. वैयक्तिक छात्रों को उनकी विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं को हल करने में सहायता करना तथा उनकी समस्याओं को संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष रखना।
3. कंप्यूटर केंद्र, पुस्तकालय तथा अन्यों में पठन–कक्ष जैसे शैक्षिक क्षेत्रों की सभी केंद्रीकृत सुविधाओं के कार्यकरण के साथ समन्वय करना।
4. शैक्षिक पुनश्चर्या, सुधार नीतियों और संस्थान के शैक्षिक तथा शोध कार्यक्रमों पर उनके सुझावों के आधार पर विचार रखना।

2. मीडिया, आर्ट्स और डिजाइन (एमएडी)

सृजनात्मकता पृथक होने से कहीं अधिक है। कोई भी विलक्षण होने की योजना बना सकता है; यह आसान है। साधारण होना ही कठिन है। साधारण होना, अत्यंत साधारण होना ही सृजनात्मकता है। यह परिषद् लोगों को उनकी कल्पना, उनकी प्रतिभा का विकास करने में सहायता प्रदान करती है; उनकी रूचि के क्षेत्र में उनके ज्ञान में वृद्धि करने के लिए प्रौद्योगिकी में उन्नति की शिक्षा प्रदान करती है। इस परिषद् में अभिरूचि के निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रतिस्पर्धाएं हैंः

(क) एनीमेट्रन (एनीमेशन क्लब)

यह क्लब छात्रों को व्यावासियकों तथा अपनी स्वयं की टीम द्वारा कार्यशालाओं के माध्यम से एनीमेशन सीखाता है। स्टॉक मोशन एनीमेशन तथा सॉफ्टवेयर एनीमेशन के प्रति झुकाव के साथ क्लब पेपर एनीमेशन, 2डी तथा 3डी ग्राफिक्स एनीमेशन, पिक्सीलेशन, फ्लेश लाइट एनीमेशन की ओर बढ़ा है।

(ख) चित्रकार (फाइल आर्ट्स क्लब)

रंगों से खेलना इस क्लब का शौक है। छात्रों को फाइन अथवा संरचनात्मक कला में कार्यशालाओं और प्रतिस्पर्धाओं के जरिए प्रशिक्षण दिया जाता है। हम पेंटिंग, स्कैचिंग, ग्लास ईचिंग, फेस और टी–शर्ट पेंटिंग, वैक्स कार्बिंग, ग्रेफिटी कार्यशालाओं इत्यादि जैसे अभिरूचि की कई गतिविधियों का आयोजन करते हैं। यह क्लब आईआईटी, जोधपुर के विभिन्न उत्सवों को आकार प्रदान करता है।

(ग) डिजाइनर (डिजाइनिंग क्लब)

यह क्लब लोगों, पोस्टर, समाचार–पत्र, टी–शर्ट इत्यादि का डिजाइन तैयार करता है। इस क्लब ने कुछ सर्वोत्तम डिजाइन तैयार किए है जो एडोब फोटोशॉप, इनडिजाइन तथा इलेस्ट्रेटर जैसे सॉफ्टवेयर के साथ प्रशिक्षण प्रदान कर सकते है। क्लब के सदस्यों को ग्राफिक डिजाइनिंग में उत्कृष्टता प्राप्त है जो विचारों और कल्पनाओं का संवर्धन करती है। इस क्लब में मूड इन्डिगो–आईआईटी, मुम्बई में प्रतिस्पर्धाएं भी जीती है।

(घ) फ्रेम–एक्स (फिल्म निर्माण तथा वीडियो संपादन क्लब)

यह क्लब वीडियो बनाता है, उन्हें रिकॉर्ड तथा संपादित करता है। यह क्लब सतत् और सक्रिय रूप से लघु फिल्मों अथवा वृत्तचित्र जिन्होंने लोकप्रियता हासिल की है, उनको प्रस्तुत करते हुए विभिन्न अंतर कॉलेज उत्सवों में भाग लेता है। क्लब के सदस्य आधुनिक हेंडीकेम, गो–प्रो कैमराओं का प्रयोग करते है जिनमें विंडोज मूवीमेकर, सोनीवेगाज तथा एडोब आफ्टर इफेक्ट पर कार्य किया जाता है।

(ङ) पोर्टा टॉकीज (मूवी स्क्रीनिंग क्लब)

यह क्लब चलचित्रों, मैच और आधारित वार्ताओं के चलचित्रण के लिए उत्तरदायी है।

(च) शटरबग्स (फोटोग्राफी और फोटो–एडटिंग क्लब)

यह क्लब सेमीप्रो डीएसएलआर कैमराओं पर फोटोशॉप कार्यशालाएं आयोजित करता है तथा अनुभव प्रदान करता है। यह क्लब आई.आई.टी.जे. की सभी मीडिया कवरेज के लिए उत्तरदायी है।

3. प्रौद्योगिकी और विज्ञान की समझ का पोषण (एनयूटीएस)

"कल्पना ज्ञान से अधिक आवश्यक है" के विचार के साथ आईआईटी, जोधपुर की विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (एनयूटीएस) छात्रों को विज्ञान की पारंपरिक सीमाओं से आगे सोचने, उनके सपनों को साकार करने और अगली पीढ़ी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करने का अवसर प्रदान करता है।

(क) एयरोमॉडलिंग क्लब

एयरोमॉडलिंग संस्थान में विमानन तथा एयरोमॉडलिंग के उत्साही व्यक्तियों के लिए एक समूह है। यह क्लब छात्रों को रॉकेट, ग्लाइडर, प्लेन, हॉवरक्राफ्ट बनाने और उन्हें हवा में उड़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस क्लब की गतिविधियों में विभिन्न एयरोमॉडलिंग तथा विमानन विषयों पर लेक्चर और कार्यशालाएं तथा छोटी परियोजनाओं पर कार्य करना शामिल है।

(ख) ऑटोमोबाइल क्लब

यह क्लब छात्रों का अपनी स्वयं की कार डिजाइन करने और बनाने के लिए संवर्धन करता है। क्लब ने एक पर्यावरण सुकर मैनुअल सह–इलेक्ट्रिक संचालित वाहन तैयार किया है। यह क्लब एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय, ऑटोमोटिब इंजीनियर्स सोसायटी (एसएई) से जुड़ा है और बाजा तथा ईफी साइकल जैसी उनकी राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेता रहता है।

(ग) एस्ट्रोनॉमी क्लब

यह क्लब छात्रों को प्रकृति में एस्ट्रोनॉमी को बेहतर तरीके से समझने में नियमित रूप से व्याख्यान और विचार–विमर्श आयोजित करता है। क्लब ने ओवरनाइट ऑबजर्वेट्री प्रतिस्पर्धा "मेसियर मैराथन" में 72 वस्तुओं की खोज करके अंतर–आईआईटी टेक मीट 2014 में रिकॉर्ड बनाया।

(घ) इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

यह क्लब छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट से परिचित कराता है और उन्हें बीगल बोन, रेस्पबेरी पाई इत्यादि जैसे मिनी कंप्यूटर पर कार्य करके उन्हें कौशल में शिक्षण प्रदान करता है। यह क्लब वर्ष भर में आयोजित विभिन्न लेक्चरों और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से छात्रों को एनालॉग तथा डिजीटल इलेक्ट्रॉनिक्स से भी परिचित करता है।

(ङ) रोबोटिक्स क्लब

यह क्लब डीटीएमएफ, इमेज प्रोसेसिंग, मोशन सेंसिंग इत्यादि जैसी प्रौद्योगिकियों पर छात्रों को अनुभव प्रदान करने के लिए नियमित रूप से लेक्चरों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। आज यह क्लब छात्रों के लिए उनके प्रयोगात्मक मशीन निर्माण कौशल तथा ज्ञान को प्रदर्शित तथा विकसित करने के लिए एक सक्रिय मंच है।

(च) प्रोग्रामिंग तथा वेब डिजाइनिंग क्लब

नियमित लेक्चरों, प्रतिस्पर्धाओं और शरत कोडिंग कैम्प के साथ यह क्लब छात्रों को उनके आसपास के लोगों से सीखने और अपनी कोडिंग दक्षता में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है। छात्र समान विचारधारा वाले लोगों के समूह के साथ बैठते हैं और विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कोडिंग प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयारी करते हैं।

(छ) विज्ञान क्लब

यह क्लब छात्रों को रूबिक क्यूब हल करने, अपने स्वयं के एंग्री बर्ड स्टेशन तैयार करने और एयरगन से खेलने, रूब गोल्डबर्ग इत्यादि का अवसर प्रदान करता है। इस क्लब की गतिविधियां छात्रों की कल्पना दक्षता का परीक्षण करती है और उनमें सुधार हेतु उनकी सहायता करती है।

4. संवर्धन, संबंध, अवसर, प्रबंधन (पीआरओएम)

यह परिषद् सभी परिषदों की विभिन्न गतिविधियों के सार्वजनिक संबंध और प्रबंधन से संबंधित सभी मामलों का कार्य करती है। यह व्यक्तित्व, प्रबंधकीय कौशल, सार्वजनिक वक्तव्य, लेखन तथा साथियों के साथ समन्वय में वृद्धि में सहायता करती है जिससे उसका समग्र विकास होता है। पीआरओएम के अंतर्गत निम्नलिखित सेल हैः

(क) संवर्धन प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ विभिन्न अंतरा और अंतरकॉलेज उत्सवों, वर्ष भर में आयोजित किए जाने वाले विशेष इवेंटों तथा सेमीनारों के लिए विषय–वस्तु लिखता है और रिपोर्ट करता है। यह स्थानीय मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाली विषय–वस्तु का भी समन्वय करता है।

(ख) सार्वजनिक वक्तव्य एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ

सार्वजनिक वक्तव्य एक अति महत्तवपूर्ण पहलू है जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। यह प्रकोष्ठ सार्वजनिक वक्तव्य कौशल में सुधार लाने, आत्म–विश्वास के स्तर को बढ़ाने और सार्वजनिक वक्तव्य में छात्रों को दक्ष बनाने के लिए सत्रों का आयोजन करता है।

(ग) उद्यमशीलता प्रकोष्ठ

यह प्रकोष्ठ अन्य संस्थानों के ई–प्रकोष्ठों के साथ समन्वय करता है और उद्यमशीलता से संबंधित विभिन्न सेमीनारों और उपयोगी गतिविधियों का संचालन करता है।

(घ) संसाधन प्रबंधन प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य विभिन्न अंतर और अंतरा स्तरीय गतिविधियों के दौरान कुशलता से संसाधनों का प्रबंधन करना है।

(ङ) वित्त एवं मामला अध्ययन प्रकोष्ठ

कई व्यक्ति अपने जीवन में कई बार निवेश और वित्तीय निर्णयों में कठिनाई का सामना करते हैं। वित्तीय सहायता के बारे में स्पष्ट सूचना उन्हें ऐसे निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती हैं। यह प्रकोष्ठ छात्रों को ऐसे मामला अध्ययन लेने में सहायता करता है जो यह देखने में सहायक होते हैं कि जीवन की वास्तविक परिस्थितियों में निर्णय लेने में जटिलताओं का सामना कैसे किया जा सकता है।

(च) नेतृत्व वृद्धि और समग्र विकास (एलईएडी)

यह पी.आर.ओ.एम. का एक कदम है जिसका उद्देश्य छात्रों के समग्र व्यक्तित्व तथा सॉफ्ट स्किल का संवर्धन करना तथा उन्हें व्यावसायिक जगत के लिए तैयार करना है। व्यावसायिकों द्वारा व्यक्तित्व निखार, जीवन–वृत्ति लेखन, व्यक्तिगत साक्षातकार इत्यादि में कुशलताओं हेतु कार्यशालाओ का आयोजन किया जाता है। छात्रों को साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित करने के लिए तथा उनके व्यक्तित्व का विकास करने में सहायता प्रदान करने के लिए ग्रुप डिस्कशन, मौक इंटरव्यू तथा पब्लिक स्पीकिंग सत्रों का आयोजन किया जाता है। छात्र न केवल व्यावसायिकों परंतु वरिष्ठ परामर्शदाताओ से भी विशेषज्ञ दिशा–निर्देश प्राप्त करते हुए वास्तविक जगत का परिचय प्राप्त करते है।

5. खेलकूद, साहत तथा खोज (एसएजीई)

खेलों को अत्यंत प्रभावशाली एथलीटों, रंगीन विशेषताओं, प्रभावशाली नेतृत्व तथा यादगार हीरों तैयार करने के लिए जाना जाता है। आई.आई.टी. जोधपुर की खेलकूद परिषद् कैम्पस के समुदाय में खेलकूद गतिविधियों को शामिल करने की इसी भावना को प्रदर्शित करती है। इस परिषद् का उद्देश्य खेलों का संवर्धन करना और खेल की सच्ची भावना को प्रदर्शित करना तथा छात्रों को टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। यह परिषद् प्रत्येक छात्र के जीवन में दैनिक अभ्यास के भाग के रूप में इस आवश्यक गतिविधि को समाहित करने के लिए प्रयासरत है। व्यावसायिक कोचों के दिशा–निर्देश तथा सर्वोत्तम खेल सुविधाओं के हर व्यक्ति में खिलाड़ी को उजागर करने तथा प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाते है।

व्यक्ति स्वयं में मजबूत हो सकते हैं किन्तु वे एक टीम में अधिक मजबूत होते हैं। केवल विजेता ही अच्छा हो सकता है परंतु इस क्षण को अन्य सदस्यो के साथ बांटने से अच्छा कुछ भी नहीं है। किसी के जीवन में दुर्लभ समय में से एक अपने मित्रों और कुछ शत्रुओं के साथ खेलना और फिर भी खेल के संबंध में एक दूसरे का सम्मान करना है। यह किसी छात्र के जीवन में उत्साह, बलिदान और समग्र खेल भावना की गुणवत्ता को समाहित करने के लिए खेल आरंभ करना आवश्यक है। यह परिषद् संस्थान की उस टीम को तैयार करती है जो किसी भी आईआईटी में वार्षिक रूप से आयोजित किए जाने वाले अंतर आई.आई.टी. खेल आयोजनों में भाग लेती है। अंतर–आई.आई.टी. प्रतिस्पर्धा शीर्षक पूरे आई.आई.टी. जोधपुर परिवार में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह वह स्थान है जहां प्रत्येक खिलाड़ी को खेल के संबंध में उसकी प्रतिभा प्रदर्शित करने और लिगेजी को जारी रखने की जिम्मेदारी के साथ संबंधित आईआईटी के उत्कृष्ट इतिहास का प्रतिनिधित्व करते हुए जर्सी पहनकर मैदान में भागने का अवसर प्रदान करती है। प्रत्येक अंतर आईआईटी खिलाड़ी की संस्थान के सम्मान के लिए, खेल को जीतने, टीम के लिए रक्त, आंसू और पसीना बहाने तथा खेल जीतने की अनन्य इच्छा होती है।

संस्थान ने एक्वेटिक्स, एथलेटिक्स, बैंडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, लॉन टेनिस, स्कवैश, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन जैसे खेलों में जैसे कि अंतर आई.आई.टी. खेल मीट में प्रतिनिधित्व किया है।

संस्थान में वर्ष भर में कई खेल इवेंट आयोजित किए जाते हैं जो आपकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उत्साह को बनाए रखने का मंच प्रदान करते हैं। प्रत्येक वर्ष यह परिसर अंतरा संस्थान खेल उत्सव "क्रीड़ांश" का आयोजन करती है। यह खेल उत्सव बड़ी भागीदारी को आकर्षित करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें संस्थान में अपने संगत ब्रांचों के सम्मान के लिए एक–दूसरे से लड़ने की खेल प्रतिभाओं को देखा जा सकता है। इसमें टग ऑफ वार, खो–खो तथा अन्य खेलों के साथ कबड्डी जैसे खेल आयोजित किए जाते हैं।

खेलों के अतिरिक्त यह परिषद् विभिन्न साहसी यात्राओं का भी आयोजन करती है और कैरम क्लब, शतरंज क्लब, स्कैटिंग क्लब तथा योगा क्लब और जॉगर्स क्लब का समन्वय करती है।

6. लेखन, जागरूकता, स्वर, मनोरंजन, समाज (वेव्स)

वेव्स संस्थान में सभी सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। यह छात्रों को उनकी कला का प्रदर्शन करने तथा उनकी कलात्मक योग्यताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। वेव्स के अंतर्गत पांच क्लब है जो वर्ष भर कार्य करते हैं।

(क) नृत्य क्लब

नृत्य क्लब विभिन्न नृत्य रूपों के संबंध में कार्यशालाओं पर विशेष जोर देते हुए अंतरा संस्थान से अंतर कॉलेज इवेंट की श्रेणी में गतिविधियों का आयोजन करता है। **'डिफीटदबीट'** नाम की टीम ने देश भर में केओस (आई.आई.एम.ए.) तथा मूड इंडिगो (आई. आई.टी.बी.) सहित विभिन्न कॉलेज उत्सवों में भाग लिया है और उसे इंडियन हिप हॉप डांस प्रतिस्पर्धा के ऑडिशन के लिए भी चुना गया है।

(ख) संगीग क्लब

संगीत क्लब प्रदर्शित किए जाने वाली आवश्यकता के प्रति लगाव और मंच प्रदान करता है। नए छात्रों के लिए छात्र बैंड प्रदर्शनों से लेकर कॉलेज उत्सवों के स्तर तक संगीत क्लब सभी इच्छुक छात्रों के लिए अवसर प्रदान करता है। मुख्य झलकियों में अनप्लग्ड नाइट्स और म्यूजिकल एक्सट्रावेगेन्जा शामिल हैं। इनके अलावा, आरंभकर्ताओं के लिए संगीत शिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

(ग) क्विज क्लब

इस क्लब का मुख्य उद्देश्य एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में प्रश्नोत्तरी के प्रति रूचि तैयार करना है जिसमें हर कोई भाग ले सकता है और उसी दौरान ज्ञान भी प्राप्त करत सकता है। यह क्लब छात्रों को प्रश्नोत्तरी के कलात्मक जगत के बारे में अवसर प्रदान करके तथा कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कोलीजिएट क्विजों में प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करने हेतु रोचक क्विज प्रतिस्पर्धाओं/सत्रों का आयोजन करता है।

(घ) नाटक क्लब

आईआईटी जोधपुर का नाटक क्लब "ड्रामेबाज" कई नाटकों का आयोजन करता है जो शिक्षाप्रद तथा मनोरंजक दोनों होते हैं। संस्थान में गणतंत्र तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां नुक्कड़ नाटक होते हैं और श्रोताओं द्वारा इनकी काफी प्रशंसा की जाती है जिससे हर बार दर्शक अवाक् रह जाते हैं। यह स्टेज नाटक भी प्रस्तुत करता है।

(ङ) साहित्य क्लब

यह क्लब पुस्तकों, बैले, लेटरों तथा शब्दों के जादू के समग्र नए जगत की खोज के दृ ष्टिकोण पर कार्य करता है। यह क्लब न केवल लेखन के बारे में है परंतु इसमें जाम, शोर मचाना, बाधाएं, वाद–विवाद इत्यादि जैसे मनोरंजक इवेंट भी शामिल है और इसमें भाषा कोई बाधा नहीं होती है, हमारे यहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों के साहित्य क्लब है।

(च) स्पिक मेके

युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति संवर्धन सोसायटी (स्पिक मेसी) एक ऐसी सोसायटी है जो हमारी गहरी भारतीय विरासत की सुरक्षा और उसे लोकप्रिय बनाने में सहायक है। स्पिक मेसी आईआईटी जोधपुर अध्याय को वर्ष 2012 में औपचारिक रूप प्रदान किया गया था।

छात्र उत्सव

छात्र ऊर्जा और पहलों से भरे संस्कृति के पोषण में सफल रहे। उन्होंने ऐसे इवेंट आयोजित किए जिन्होंने उनके बीच संचार और संबंधों के माध्यम के रूप में कार्य किया। गणेश चतुर्थी, दीवाली, संक्रांति, ईद और होली जैसे प्रमुख उत्सावों का अत्यधिक उत्साह के साथ आयोजन किया गया। खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से खेल गतिविधियां भी आयोजित की गई जिनका संकाय सदस्यों द्वारा भी समर्थन किया गया। वर्ष 2013–14 में कैम्पस में आयोजित की गई कुछ प्रमुख छात्र गतिविधियां निम्मानुसार हैः

वर्चस

वर्चस आई.आई.टी. जोधपुर का खेल उत्सव है। यह खेल भावना का आयोजन करता है और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कॉलेज की टीमों द्वारा किए गए अथक प्रयासों को प्रदर्शित करने के एक मंच के रूप में कार्य करता है। वर्चस का पहली बार आयोजन भारत, विशेषकर राजस्थान के कॉलेजों में खेलों का संवर्धन करने और भारत में एथलीटों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करने के दृष्टिकोण से वर्ष 2011 में किया गया था।

फुटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, स्कवैश, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स के क्षेत्रों में जोधपुर के राष्ट्र स्तरीय स्टेडियमों में प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। वर्चस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संवर्धन करता है और यह टीमों के लिए अपने संगत खेलों में अपनी प्रतिभा को सिद्ध करने का शानदार अवसर है।

इसके अतिरिक्त, देश की प्रमुख शैक्षिक संस्था होने के नाते आईआईटी, जोधपुर के छात्र "सोच–वर्चस का सामाजिक पहलू" के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करने का प्रयास करते है। सोच एक ऐसा मंच है जहां हम सामाजिक मुद्दों को उठाते है और विचार–विमर्शों तथा वाद–विवादों के माध्यम से संभावित हल निकालने का प्रयास करते हैं; विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को शामिल करने के लिए जागरूकता का प्रसार करते है और अभियान चलाते है। हम समाज के उत्थान के लिए गहन सामाजिक प्रभाव तैयार करने का प्रयास करते है।

"उत्साह, वीरता, विजय" की भावना के साथ वर्चस 2014 दिनांक 13 फरवरी, 2014 को आरंभ हुआ और इसके उल्लसित प्रतिस्पर्धा और डायनामिक प्रतिस्पर्धाओं के साथ यह 16 फरवरी, 2014 को समाप्त हुआ। 13 फरवरी की प्रातः देश भर से बड़ी संख्या में भागीदारों ने उपस्थित दर्ज की है। प्रातः आयोजित होने वाले कुछ मैचों के पश्चात् उत्सव का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि श्री हेमंत गेरा, डिवीजनल कमीशनर, जोधपुर और संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सी.वी.आर. मूर्ति ने अपनी शुभकामनाएं दी। मशाल प्रज्जवलन द्वारा प्रतिस्पर्धाओं का आरंभ हुआ। अगले कुछ दिनों में भागीदारों मे उत्साह, खेल भावना तथा उल्लास देखा गया। खेल आयोजनों के अतिरिक्त, वर्चस की टीम ने संगत सामाजिक मुद्दों के साथ भागीदारों को संवेदी बनाने हेतु पैनल विचार–विमर्श भी आयोजित किया। वर्चस के तत्वाधान में सोच–सामाजिक कदम ने 'सोचने' को मजबूत करते हुए उत्सव के हर अंक में विभिन्न सामाजिक मुद्दे उठाए है। यह इवेंट संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदत्त पुरस्कार वितरण द्वारा समाप्त हुआ। 2014 में सोच की टीम ने समाज में भीख मांगने के विरूद्ध जागरूकता फैलाने में अपने सर्वोत्तम प्रयास किए और कम से कम कुछ विभाखिरियों की सम्मान के साथ जीने में सहायता की। लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना था जो भिखारियों को भीख मांगने के बजाय कमाने के मूल्य को समझा सके।

सोच के भाग के रूप में आयोजित मुख्य इवेंट थेः

1. **आवाजः** शहर भर से कुछ प्रबुद्ध वक्ताओं और छात्रों के अत्यधिक सहयोग के साथ एक पैनल विचार–विमर्श आयोजित किया गया था।
2. **अंतरा और अंतरा–स्कूल प्रतिस्पर्धाएंः** युवा पीढ़ी जो कल के जिम्मेदार नागरिक है की सोच को समझने के लिए जोधपुर के कुछ स्कूलों का दौर किया गया। उनके विचारों को जानने के लिए ड्राइंग, प्रस्ताव लेखन जैसी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

इग्नस

इग्नस आई.आई.टी. जोधपुर का वार्षिक तकनीकी–सामाजिक–सह–सांस्कृतिक उत्सव है। इसकी उत्कृष्टता के कई वर्षों में इसमें प्रत्येक वर्ष देश भर के विभिन्न कॉलेजों की उपस्थिति देखी गई है जो इगनस को अत्यधिक प्रतिक्षित इवेंट बनाती है। इसमें कई

सांस्कृतिक इवेंट, गतिविधियां और प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाती है जो उत्सव को ऊर्जा से परिपूर्ण रखती है। इस सांस्कृति इवेंट में मुख्यतः प्रोनाइट, प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धाएं इत्यादि शामिल होते हैं। इवेंट के "टेक्नो" भाग में जो कि आपके उत्साह को जगाता है। नवाचार संवर्धन, प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक सोच का लक्ष्य निहित होता है।

अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को महसूस करते हुए इगनस ने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विभिन्न अभियान, प्रतिस्पर्धाओं और प्रदर्शनियों का संचालन करके समाज का सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए एक अभियान – "प्रकृति" आरंभ किया है। मनोरंजन में शहर भर में ट्रेजर हंट – ब्रेकथ्रू जो कि जोधपुर में आयोजित किए जाने वाले अपने किस्म का अन्नय इवेंट है, जैसे अनौपचारिक इवेंटों का भी आयोजन किया जाता है।

आई.आई.टी. जोधपुर के वार्षिक अंतर–कॉलेज सामाजिक–तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव इगनस जो 27 फरवरी से 2 मार्च, 2014 तक आयोजित किया गया था, में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भागीदारी देखी घई। कुल लगभग पांच हजार भागीदारी के साथ इगनस ने पहले ही दिन विश्व के सर्वप्रसिद्ध सम्मोहनकर्ता एंड्र्यू न्यूटन का प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसके पश्चात् स्पिक मेसी के कलाकारों द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया। विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने विभिन्न सांस्कृतिक और तकनीकी गतिविधियों में भाग लिया। दूसरे भाग में पेंटाग्राम बैंड द्वारा विशाल ददलानी द्वारा अत्यधिक शानदार प्रस्तुती प्रस्तुक की गई। तीसरे दिन मिस दीवा इंडिया प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई जिसमें शोभिता धुलीपला – मिस इंडिया अर्थ, 2013 इसकी न्यायाधीन बनी। चौथे दिन लगभग 4000 लोगों ने सुरीले बॉलीवुड गायक शिल्पार राव और पेंटाग्राम के विशाल ददलानी की धुनों पर नृत्य किया। क्लैश ऑफ बैंड तथा अंतरंग (फैशन–शो) जैसे इवेंट इगनस'14 की अन्य झलकियां थी। सामाजिक कदम में प्रकृति की टीम ने लगभग 500 वृक्षों का रोपड़ करते हुए एक वृक्षा रोपड़ अभियान आरंभ किया और पर्यावरण के घटते हुए मानक के बारे में जागरूकता तथा प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करके स्कूलों तथा कॉलेजों में इसके संवर्धन की आवश्यकता पर जोर दिया। अतः, इगनस ने आईआईटी जोधपुर के परिसर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी दर्शकों की बड़ी संख्या तैयार की ।

सम्मान में और बातें जोड़ने के लिए छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग, इथिकल हैकिंग जैसे वर्तमान विषयों के प्रति परिचय के प्रति तकनीकी परिचय कराने के लिए कई कंपनियों के व्यावसायिक द्वारा कार्यशालाओं द्वारा आयोजन किया गया जिनमें श्री विवेक प्रकाश, हैकरअर्थ के संस्थापक शामिल थे। इगनस को अलग बनाने वाली बात यह है कि इसमें लाभप्रद जोशीले और उत्साही तीनों पहलू सम्मिलित है।

अंतरा–संस्थान उत्सव

अंतर–संस्थान उत्सवों के अतिरिक्त आई.आई.टी. जोधपुर का छात्र जिमखाना अपने स्वयं के समुदाय के लिए अंतरा–संस्थान उत्सवों का भी आयोजन करता है। ये उत्सव है स्पंदन, निम्बल, कलाकृति और क्रीडांश

(क) स्पंदन

स्पंदन आई.आई.टी. जोधपुर का अंतरा–संस्थान सांस्कृतिक उत्सव है। सामान्यतः यह सत्र का पहला उत्सव है, इसमें उत्साही लोगों जो सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के अत्यधिक इच्छुक होते है, द्वारा भागीदारी की जाती है। विभिन्न श्रेणियों में नाटक, नृत्य, गायन, साहियत्य, फोटोग्राफी इवेंट, अनौपचारिक और अन्यों में फैशन–शो जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न श्रेणियों में विविधता गहन होती है। स्पंदन के तीन दिनों ने पूरे कैम्पस को रातभर तैयारी करने के लिए जगाये रखा। स्पंदन वर्ष में होने वाला पहला सार्वजनिक आयोजन है और इसलिए यह छात्रों को पूरे वर्ष एक–दूसरे के साथ मेल–मिलाप करने का अवसर प्रदान करता है। किसी व्यक्ति के भीतर छुपी हुई सृजनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए तथा उत्साह के साथ भागीदारी इस उत्सव का लक्ष्य है।

(ख) निम्बल

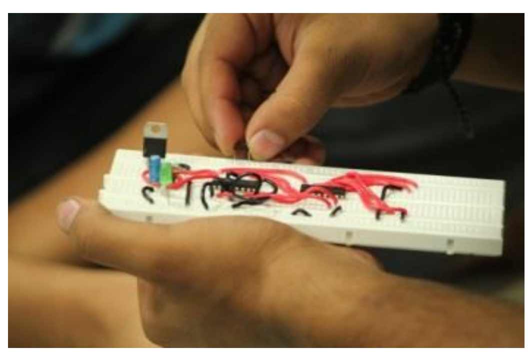

निम्बल, अंतरा–कॉलेज तकनीकी उत्सव, कॉलेज के तकनीकी छात्रों को उनकी छुपी हुई प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। निम्बल में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोग्रामिंग जैसे गहन दिमागी तकनीकी और वैज्ञानिक इवेंटों से लेकर एंग्री बर्ड, क्विज, क्रिप्टो इत्यादि जैसे इवेंटों तक की श्रेणी से ओत–प्रोत चार कार्य परिपूर्ण दिन शामिल होते है। इन इवेंटों के अतिरिक्त छात्रों को अत्यधिक श्रम करने के लिए प्रेरित करने हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा वार्ताओं का आयोजन किया जाता है चूंकि खोज और अविष्कार का कोई अंत नहीं है।

(ग) कलाकृति

'कलाकृति' मनोरंजक प्रतिस्पर्धाओं, रोचक कार्यशालाओं और बैक–टू–बैक फिल्म प्रदर्शनियों का समूह है। "चूंकि आप जो भी कल्पना कर सकते है वह वास्तविक होता है" – ये पंक्तियां छात्रों के बीच प्रतिभा को जगाये रखती है और इसका परिणाम काफी रंगारंग होता है। फाइन आर्ट्स तथा क्ले मॉडलिंग से लेकर फोटोग्राफी और वीडियो एडीटिंग तक की श्रेणी में कई इवेंटों के साथ 'कलाकृति' में डिजाइनरों और गैर–डिजाइनरों की एक साथ भागीदारी देखी गई। 'स्क्रिबल दिवस' जैसे इवेंट जो पूरे अंतिम वर्ष के बैच को इकट्ठा करते है जिसमें सभी अन्य छात्र विदाई और विदाई संदेश देते है अथवा उन्हें दिए गए वस्त्र सम्मान भाग पर छाप छोड़ते है। प्रत्येक के मुख पर मुस्कान लाने का एक मार्ग 'कलाकृति' हमारे घनिष्ठ समुदाय में हर्ष, एकता और एकत्रत्व को फैलाने में सफल रहा है।

(घ) क्रीडांश

क्रीडांश का आयोजन खेल परिषद् द्वारा खेल उत्साहियों को खेलों के लिए उनकी इच्छा को पूरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए किया जाता है। गली क्रिकेट, स्ट्रीट फुलबॉल तथा सिंगल कोर्ट, बास्केटबॉल, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कई अन्य आउटोडर तथा इनडोर मैचों का आयोजन किया जाता है। भागीदारों तथा आयोजकों का पूर्ण समर्पण क्रीडांश को वर्ष का एक प्रफुल्लित इवेंट बनाए रखता है।

परिवर्तनः एक सामाजिक कदम

"परिवर्तन" आईआईटी, जोधपुर का एक सामाजिक कदम है जिसका उद्देश्य समाज के गरीब और वंचित समूह में शिक्षण तथा युवा परामर्श के माध्यम से शैक्षिक स्तर और सामाजिक जागरूकता में सुधार करना। आईआईटी, जोधपुर के समुदाय ने समाज में इस बढ़ती हुई समस्या के प्रति वंचित व्यक्तियों की सहायता हेतु इस सामाजिक पहल को आरंभ किया। परिवर्तन आसपास शिक्षित एवं सूचित समाज का निर्माण करने की दिशा में कार्यरत है। परिवर्तन का लक्ष्य "शिक्षा के माध्यम से समाज में असमानता को दूर करना" है।

2013–14 में परिवर्तन ने अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए विभिन्न कदम उठाए:

1. संगारिया, परिवर्तन के अपनाए गए गांव में निःशुल्क चिकित्सा जांच, दवाओं के द्वारा एक स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया और इस प्रकार 176 से अधिक ग्रामवासियों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ।
2. रक्त के महत्व को जानते हुए जो कि मानवता के लिए सर्वोच्च उपहार है, आवासीय क्षेत्र (जीपीआरए) में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समूच जोधपुर से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।
3. संगारिया गांव के बच्चों में पोलियो उन्मूलन के उद्देश्य से उन्हें पोलियो की दवा पिलाई गई।
4. जीपीआरए के नजदीक सरकारी स्कूल में युवा व्यक्तियों के स्वास्थ्य और अच्छे जीवन मे सहायता करने तथा उन्हें स्वस्थ भविष्य का निर्माण करने में सहायता प्रदान करने के लिए कैरियर काउंसलिंग भी प्रदान की गई।
5. नजदीक के एक सरकारी स्कूल में एक शरत कैम्प का आयोजन किया गया। उन्हें यह प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया कि शिक्षण मनोरंजक हो सकता है तथा उनमें जेंडर समानता के महत्व को समाहित किया गया।
6. सर्दियों के दौरान कुछ पुराने कंबल और वस्त्र इकट्ठे किए गए तथा जोधपुर में निराश्रितों तथा गरीबों में वितरित किए गए।

छात्र पुरस्कार

हमारे छात्रों द्वारा उनकी गतिविधियों का आयोजन करना प्रोत्साहजनक होता है। साथ ही, उन्होंने अपने छात्र जिमखाना का संविधान तैयार किया है। शिक्षा में हमारे चार छात्रों को उनके शैक्षिक कार्य के लिए मान्यता दी गई है:

1. हीना राठौर, पीएच.डी. छात्र को टीसीएस शोध फैलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत टीसीएस शोध स्कॉलर योजना के लिए चुना गया;
2. दीपक छंगानी, पीएच.डी. छात्र को एलसीवियर साइंस द्वारा "आईआईटी जोधपुर के स्कोपस चौम्पियन" घोषित किया गया;
3. किरण प्रकाश शेजाले, पीएच.डी. छात्र ने प्रकाश के संबंध में ऑप्टिक्स'14 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वर्ण पदक के साथ सर्वोत्तम कागज पुरस्कार प्राप्त किया; तथा
4. तन्मय सेठी, चौथे वर्ष बी.टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) छात्र को मैसर्स शैल कॉर्पोरेशन, यूएसए द्वारा छात्रों के लिए आयोजित 360, एक वैश्विक विचार प्रतिस्पर्धा के भाग के रूप में प्रस्तुत विचारों के लिए विश्व भर से 750 छात्रों में से छांटा गया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी: हमारे दो बी.टेक. छात्रों, अरुण बालाजी वासुदेवन और श्रीकांत मुरलीधरन ने 1–8 दिसंबर, 2013 तक सिडनी में कंप्यूटर विजन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने अपना शोध पेपर "स्पाशियल और टेम्पोरल क्यूज का प्रयोग करते हुए डायनामिक सीन वर्गीकरण" प्रस्तुत किया। उन्हें इस कागज को तैयार करने के लिए हमारे पूर्व संकाय शनमुगनाथन रमन द्वारा निदेशित किया गया था।

अंतर–आई.आई.टी. खेल मीट: खेलों में कुशाग्र सुराना, प्रथम वर्ष बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) छात्र ने इस वर्ष आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित अंतर–आईआईटी खेल मीट में फ्री स्टाइल एक्वेटिक प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया।

मूडी तथा अंतर–आई.आई.टी. टेकफेस्ट में उपलब्धियां: हमारे छात्रों ने आईआईटी मुम्बई के सर्वाधिक लोकप्रिय "मूड इन्डिगो (मूडी)" वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव जिसे 20–30 दिसंबर, 2013 को आयोजित किया गया था, में पुरस्कार जीते। बी.टेक. द्वितीय वर्ष के कीर्ति वर्धन राठौर ने कैम्पस की डायरियों के लिए प्रतिचिह्न, विजिटिंग कार्ड और लेटरहेड तैयार करने के लिए 15,000 रुपए का प्रथम पुरस्कार जीता। बी.टेक. प्रमथ वर्ष के क्षितिज मिनोचा ने "एप्पल फॉर ए" नामक ग्राफिकल में दिए गए आंकड़ों को सृजनात्मक रूप से प्रदर्शित करते हुए 4,500 रुपए का प्रथम पुरस्कार जीता।

हमारे छात्रों ने 2–5 जनवरी, 2014 को आईआईटी मुम्बई में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी एक पैन–आईआईटी प्रतिस्पर्धा, अंतर–आईआईटी टेक मीट में स्थान जीतकर हमारा गौरव ऊंचा रखा। प्रतीक कालक्षेती, वैभव गुप्ता और अशवंथ थानी की टीम ने 'सोलर वाटर डिसालीनेशन प्लांट' का प्रोटोटाइप तैयार करके "सामाजिक प्रभाव" इवेंट में दूसरा स्थान और श्रेयश श्रीवास्तव, आयुश रैना, रोहिल सुराना और प्रियंका आर्या की टीम ने एक एस्ट्रोनॉमी इवेंट "मेशियर मैराथन" प्रतिस्पर्धा, जिसे जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप यूटीलिटी, पुणे द्वारा आयोजित किया गया था, में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

परामर्श सेवाएं

आई.आई.टी. में पढ़ने से अत्यधिक शैक्षिक वृद्धि और समग्र विकास होता है। तथापि, इसमें काफी चुनौतियां और तनाव भी निहित होता है। हमारी परामर्शी सेवा टीम छात्रों को अपने उद्देश्य प्राप्त करने के लिए तनाव में सहायता देने हेतु वैयक्तिक दिशा–निर्देश और आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। परामर्शी सेवा संकाय सदस्यों के दिशा–निर्देशों में समर्पित छात्रों के एक समूह द्वारा स्वयंसेवी संगठन है। यह व्यक्तिगत तथा शैक्षिक दोनों स्तर पर विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए छात्रों की सहायता करता है और संस्थान में छात्रों के रूप में उनके अनुभव को सघन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आई.आई.टी. जोधपुर की परामर्श सेवा वर्श 2009 में एक संकाय सलाहकार के पर्यवेक्षण में बी.टेक. अवर स्नातक छात्रों के पहले बैच द्वारा आरंभ की गयी थी। वर्षों में यह एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में उभरी है। प्रत्येक वर्ष यह इस बात को सुनिश्चि करने के लिए कड़ा प्रयास करती है कि प्रत्येक छात्र आईआईटी, जोधपुर को अत्यधिक जटिल स्तरों तक जाने और संस्थान द्वारा अब तक प्राप्त सभी उपलब्धियों को समाहित करे। परामर्श सेवा टीम ने छात्रों के कल्याण के लिए कार्य करने के प्रति वचनबद्ध 30 छात्रों के साथ एक संकाय सलाहकार की टीम होती है। "छात्र गाइड" इस टीम की पृष्ठभूमि होते है जिसमें प्रत्येक गाइड अपने पर्यवेक्षण और दिशा–निर्देशों में 8–10 छात्रों को दिशा–निर्देश देते है। इस टीम का मुख्य उद्देश्य नए प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए उन्मुखी कार्यक्रम आयोजित करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को एक घरेलू अनुभव बनाए रखते हुए संस्थान में जीवन की गति के साथ उन्हें जोड़ना तथा धीरे–धीरे उनके इस संस्थान में अवर स्नातक जीवन में शामिल करना है।

काउंसलिंग सेवा टीम इस दौरान कई छात्रों द्वारा सामना की जा रही विशेष भाषा संबंधी आवश्यकताओं की भी देखभाल करती है। यह टीम उनके जीवन में इस परिवर्तन को यादगार बनाने के लिए प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़ती है।

छात्र गाइड यह सुनिश्चित करते है कि नए छात्र छात्रावासों और उनके शैक्षिक जीवन में समुचित प्रकार से समाहित हों। इस प्रयास के भाग के रूप में वे छात्रों तथा उनके परिवारों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए। यह टीम इस बात को सुनिश्चित करती है कि ने केवल छात्र बल्कि उनके अभिभावक भी एक स्वस्थ संबंध बनाए रखने के लिए छात्र गाइड के साथ संपर्क करने का अवसर प्राप्त करें। इस परामर्शी सेवा के भाग के रूप में कॉलेज के कार्यकाल के दौरान निम्नलिखित सभी तीन पहलुओं में छात्रों के विकास का संवर्धन करना इस टीम का कर्तव्य है:

(क) शैक्षिक
(ख) बाह्य गतिविधियां
(ग) व्यक्तिगत

इस उद्देश्य के लिए मुद्दों की बड़ी श्रेणी के लिए स्वैच्छिक, गोपनीय और निःशुल्क परामर्शी सेवाएं प्रदान की जाती है, जिनमें शामिल हैं:

(क) *शैक्षिक सहायताः* संस्थान के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सूचना, सक्षम समय प्रबंधन कौशल, अध्ययन कौशल से संबंधित सूचना प्रदान करना;
(ख) *व्यक्तिगतः* होम–सिकनेस को दूर करना, नए वातावरण और संबंधित कठिनाइयों में समायोजित होना इत्यादि;
(ग) *परामर्शी सलाहः* मानसिक–शिक्षा और छात्रों को संदर्भीय सेवाएं;
(घ) संस्थान तथा छात्रों की मौजूदा बॉडी के साथ मेलजोल।
(ड.) छात्रों को बाह्य अभिरूचि/आदतों की खोज के प्रति प्रोत्साहित करना।

परामर्शी सेवाओं द्वारा छात्रों के समक्ष संस्थान में उनके कॉलेज जीवन के दौरान आ रही कठिनाइयों का सामना करने के लिए व्यक्तिगत दिशा–निर्देश प्रदान करके उनकी चिंताओं और समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाता है। परामर्श सेवा टीम द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जाती हैः

(क) संस्थान को एक रैगिंग मुक्त परिसर के रूप में बनाए रखना;
(ख) प्रत्येक वर्ष नए बैच के लिए "उन्मुखी कार्यक्रम" आयोजित करना ताकि उन्हें आईआईटी जोधपुर की संस्कृति परिचित कराया जा सके;
(ग) निम्नलिखित के संबंध में कार्यशालाओं का आयोजन करनाः
    [1] कैरियर काउंसलिंग,
    [2] तनाव प्रबंधन,
    [3] समय प्रबंधन,
    [4] स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता,
    [5] व्यावसायिक प्रशिक्षण,
    [6] रिलेशनशिप समस्याएं,
    [7] होमसिकनेस का सामना करना, और
    [8] एडिक्शन तथा अन्य
(घ) प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा प्रेरणा वार्ताओं का आयोजन;
(ङ) निम्नलिखित का संचालन करके छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का हल करनाः
    [1] देशी भाषा पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा के सत्र, और
    [2] मूल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कौशल निर्माण सत्र इत्यादि;
(च) विभिन्न बैचों के छात्रों के बीच तथा संकाय सदस्यों इत्यादि के साथ संपर्क निर्माण इवेंटों का आयोजन करना; तथा
(छ) खराब शैक्षिक प्रदर्शन वाले छात्रों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से हल करना।

आने वाले वर्षों मे आई.आई.टी. जोधपुर की परामर्श सेवा परिसर परामर्श कार्यक्रम आरंभ करेगी जिसमें संकाय और कर्मचारी सदस्य छात्र–अध्यापक संबंधों के लिए मूल्य हेतु परामर्शदाताओं की भूमिका निभाएंगे। बी.टेक. छात्रों और संकाय तथा कर्मचारी सदस्यों से व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत दोनों पहलुओं में अर्थपूर्ण शामिल होने की आशा की जाती है। संस्थान में बिताये गए शुरूआती वर्षों में सुकर पारगमन में सहायता देने के लिए अच्छा अंतर व्यक्तिगत कौशल, जीवन का संतुलित दृष्टिकोण, युवा छात्रों को समझने, उन पर जोर देने, उनकी सहायता करने, प्रेरित करने, सुनने और उन्हें फीडबैक देने की आशा की जाती है।

छात्र प्लेसमेंट सेल

छात्र प्लेसेंट सेल (एसपीसी) का संचालन और प्रबंधन अधिकारियों के साथ छात्रों द्वारा किया जाता है जो प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप प्रक्रियाओं का कार्य करते हैं। छात्र विभिन्न कंपनियों से संपर्क करने के कार्य का समन्वय करते हैं, छात्रों के साथ उनके इंटरएक्शन, पूर्व–प्लेसमेंट वार्ता, परीक्षाओं और साक्षात्कारों का प्रबंध करते है।

वर्ष 2013–14 में कोर इंजीनियरिंग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा बैंकिंग क्षेत्र, सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में कंपनियों ने प्लेसमेंट हेतु आई.आई.टी. जोधपुर का दौरा किया।

हमारे कुल 62 छात्रों (59 यूजी और 3 पीजी) को वर्ष 2013–14 में विभिन्न कंपनियों में नियुक्त किया गया। 2013–14 के ब्यौरे निम्नानुसार हैः

बी.टेक. अवर स्नातक छात्र

क्र.सं	कंपनी	नाम	रोल नंबर	शाखा
1.	आकाश इंस्टीट्यूट	निकेत कुमार सिंह	यूजी201012024	एमई
2.	एमॅड्यूस सॉफ्टवेयर लैब्स	पोटे रोहन रामचंद्र	यूजी201011018	ईई
3.		हेमलता सोनी	यूजी201010008	सीएसई
4.	एआरएम लिमिटेड	रवि महावर	यूजी201011025	ईई
5.		योगेश कुमार गुप्ता	यूजी201010043	सीएसई
6.		रोहित गुप्ता	यूजी201010029	सीएसई
7.	सिस्को सिस्टम्स इंडिया	सुकलकर पवन विजयराव	यूजी201010033	सीएसई
8.		पंकज खंडेलवाल	यूजी201010025	सीएसई
9.		महेश चंद गुर्जर	यूजी201010014	सीएसई
10.	कॉग्निजेंट	एस. प्रवीण कुमार	यूजी201010030	सीएसई
11.		जुनैद मसूद	यूजी201010009	सीएसई
12.		रीना यादव	यूजी201010028	सीएसई
13.		अंकुर हसीजा	यूजी201012007	एमई
14.		विश्वास गर्ग	यूजी201010042	सीएसई
15.		हेमंत वर्मा	यूजी201011047	ईई
16.		विकास यादव	यूजी201010040	सीएसई
17.	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.)	यतिन चौधरी	यूजी201012045	एमई
18.		श्रीकांत एम.	यूजी201011035	ईई
19.		गौरव कुमार	यूजी201012015	एमई

20.		हिमांशु जायसवाल	यूजी201011009	ईई
21.		सबा सुहैल	यूजी201011029	ईई
22.		धीरज टाक	यूजी201010006	सीएसई
23.		सौरभ सिंह	यूजी201010031	सीएसई
24.		नरेंद्र मीणा	यूजी201010021	सीएसई
25.	फ्यूचर्स फस्ट	उत्कर्ष त्रिवेदी	यूजी201012040	एमई
26.	हेवेल्स इंडिया लिमिटेड	वासु गोयनका	यूजी201012041	एमई
27.		स्नेहलता जोशी	यूजी201012038	एमई
28.		सचिन गुप्ता	यूजी201012032	एमई
29.		रजत जैन	यूजी201011023	ईई
30.	एल एंड टी लिमिटेड	आदित्य बुदराजू	यूजी201012002	एमई
31.		गुड्ला सुशांत	यूजी201012014	एमई
32.	मॉर्गन स्टेनली	मनु अग्रवाल	यूजी201010044	सीएसई
33.		सौरभ महेश्वरी	यूजी201010032	सीएसई
34.		मनप्रीत सिंह बेदी	यूजी201010017	सीएसई
35.		गोडुगु रवि किरण	यूजी201010007	सीएसई
36.	नागेर्रो सॉफ्टवेयर	मुकुल बंसल	यूजी201011013	ईई
37.		संदीप कुमार सिंह	यूजी201011030	ईई
38.		पंकज अग्रवाल	यूजी201010023	सीएसई
39.		मोहम्मद हम्जा खान	यूजी201010019	सीएसई
40.	नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स (आर एंड डी)	आयुष वर्मा	यूजी201011001	ईई
41.		अश्विन सुरेश	यूजी201011046	ईई
42.	ओराकल कॉरपोरेशन	अभिषेक आनंद	यूजी201010001	सीएसई
43.		तपिश राठौर	यूजी201010037	सीएसई
44.	न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर	पंकज भारद्वाज	यूजी201010024	सीएसई
45.		मोहम्मद असद	यूजी201010018	सीएसई
46.		मनीष कुमावत	यूजी201010016	सीएसई
47.	ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड	विनोद कुमार मीणा (सिगमोइड)	यूजी201010041	सीएसई
48.		अरुण बालाजी वी.	यूजी201011003	ईई
49.	रेजोनेस एडूवेन्चर्स प्रा. लिमिटेड	आकाश बंसल	यूजी201012004	एमई
50.		अमर सिंह सैनी	यूजी201010003	सीएसई
51.		नरेन्द्र कुमार सिंह	यूजी201011014	ईई
52.	सैमसंग आर एंड डी	निश्चय काला	यूजी201010022	सीएसई

	इंडिया इंस्टिट्यूट			
53.		विकास गोयल	यूजी201010039	सीएसई
54.		बोलेमपल्ली त्रिविक्रम चौधरी	यूजी201010005	सीएसई
	सिगमोइड एनेलेटिक्स	विनोद कुमार मीणा	यूजी201010041	सीएसई
55.	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज	सूर्य प्रताप सिंह यादव	यूजी201011038	ईई
56.	टाटा मोटर्स	अभिनव	यूजी201012001	एमई
57.		अमन दोहरे	यूजी201012006	एमई
58.	ट्रिडेंट	तन्मय सेठी	यूजी201012039	एमई
59.		प्रिंस गुप्ता	यूजी201011019	ईई

एम.टेक. अवर स्नातक छात्र

क्र.सं.	कंपनी	नाम	रोल नंबर	शाखा
1.	सिस्को सिस्टम्स इंडिया	कुलकर्णी सिद्धार्थ सदानंद	पीजी201272005	आईसीटी
2.		सत्यम सक्सेना	पीजी201272009	आईसीटी
3.	भारत की क्रेडिट रेटिंग सूचना सेवा (सीआरआईएसआईएल)	सलोनी सरदना	पीजी201273004	एसएस

भूतपूर्व छात्र (एल्युमिनि)संबंध

बी.टेक. छात्रों के पहले बैच द्वारा उनके कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात उन्हें संस्थान, फेलो एल्युमिनि, तथा कनिष्ठ छात्रों के साथ जुड़े रहने के लिए अप्रैल 2012 में एक एल्युमिनि एशोसिएशन का गठन किया गया।

भूतपूर्व छात्र संबंध कार्यालय अध्यक्ष, भूतपूर्व छात्र संबंध की ओर से सभी अधिकारिक संचार, इवेंट और अन्य गतिविधियों के लिए प्राथमिक समन्वय केन्द्र है। यह कार्यालय छात्र एल्युमिनि सेल के साथ वार्षिक एल्युमिनि समारोह का आयोजन करने, विविध एल्युमिनि पुरस्कार प्रदान करने (दीक्षांत समारोह के दौरान) तथा एल्युमिनि से संबंधित अन्य इवेंटों के लिए उत्तरदायी है।

यह कार्यालय मजबूत भूतपूर्व छात्र संबंध स्थापित करने तथा भूतपूर्व छात्र, संकाय, छात्रों तथा संस्थान के बीच प्रभावी संचार के लिए एक अनन्य मंच तैयार करने के लिए कठिन परिश्रम करता है। एल्युमिनि संबंध कार्यालय का प्रबंधन इसके अध्यक्ष डॉ. आनंद कृष्णन पलापले तथा उनके साथ समन्वयक (छात्र), एक स्टाफ सदस्य और दो छात्र सदस्यों द्वारा किया जाता है।

आई.आई.टी. जोधपुर में पंजीकृत छात्रों की सूची

(31 मार्च 2014 के अनुसार)

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार आई.आई.टी. जोधपुर में संस्थान द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 749 पंजीकृत छात्र हैं। निम्नलिखित तालिका इन कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों के ब्यौरे दर्शाती है:–

कार्यक्रम	पंजीकरण का वर्ष	संख्या
पीएच.डी	2013	27
	2012	19
	2011	20
	2010	4
	कुल	***70***
एम. टेक.	2011	41
	2012	22
	2013	25
	कुल	***88***
बी.टेक.	2010	128
	2011	148
	2012	146
	2013	169
	कुल	***591***
	सकल योग	**749**

संस्थान द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों की केन्द्रों और शाखाओं के अनुसार सूची निम्नानुसार हैं।

पीएच.डी. छात्र

क्रम सं.	रोल नं.	नाम	केन्द्र
1.	पीजी201081501	बिलाल उस्मानी	ऊर्जा
2.	पीजी 201081502	धर्मेन्द्र सिंह राजपुरोहित	ऊर्जा
3.	पीजी 201081504	सुरेश कुमार	ऊर्जा
4.	पीजी201082502	दीपक कुमार छंगानी	आईसीटी
5.	पीजी 201181001	दीपेश पाटीदार	ऊर्जा
6.	पीजी 201181003	पुरा राम	ऊर्जा
7.	पीजी 201181004	विकास प्रताप सिंह	ऊर्जा
8.	पीजी 201181005	विकास चंद्र जानू	ऊर्जा
9.	पीजी 201181501	लोकेश सैनी	ऊर्जा
10.	पीजी 201181502	सुरेन्द्र सिंह बरला	ऊर्जा

11.	पीजी201182001	अभय सामंत	आईसीटी
12.	पीजी201182003	हीना राठौड़	आईसीटी
13.	पीजी201182005	पुनीत कुमार जैन	आईसीटी
14.	पीजी201182006	राम निवास माहिया	आईसीटी
15.	पीजी201182007	रवि राज चौधरी	आईसीटी
16.	पीजी201182009	सपना रणवा	आईसीटी
17.	पीजी201182010	सौरभ माहेश्वरी	आईसीटी
18.	पीजी201182011	शिबानी बिसॉय	आईसीटी
19.	पीजी201182501	अमित भाटी	आईसीटी
20.	पीजी201182502	कपिल शर्मा	आईसीटी
21.	पीजी201182506	श्रीविशाल माहेश्वरी	आईसीटी
22.	पीजी201183001	रोहन शर्मा	एसएस
23.	पीजी201183501	प्रमोद कुमार	एसएस
24.	पीजी201183502	प्रीती यादव	एसएस
25.	पीजी 201281001	अजय जैन	ऊर्जा
26.	पीजी 201281002	धर्मेश कुमार	ऊर्जा
27.	पीजी 201281003	पूनम शर्मा	ऊर्जा
28.	पीजी 201281004	शेजळे किरन प्रकाश	ऊर्जा
29.	पीजी201282002	दीपक भारती	आईसीटी
30.	पीजी201282003	गिरीराज व्यास	आईसीटी
31.	पीजी201282006	ओंकार कृष्णा	आईसीटी
32.	पीजी201282007	राकेश कांजी	आईसीटी
33.	पीजी201282009	सुरेश दहिया	आईसीटी
34.	पीजी201282010	वैभव सैनी	आईसीटी
35.	पीजी201282012	विभा सहलोत	आईसीटी
36.	पीजी201282501	शिल्पा पांडे	आईसीटी
37.	पीजी 201283001	अनूप जोशी	एसएस
38.	पीजी 201283003	मानवेन्द्र शर्मा	एसएस
39.	पीजी 201283005	परविंदर सिंह	एसएस
40.	पीजी 201283006	प्रद्युम्न कुमार पांडे	एसएस
41.	पीजी 201283007	राकेश कुमार	एसएस
42.	पीजी 201283008	रणवीर सिंह	एसएस
43.	पीजी 201283009	विनय प्रताप सिंह	एसएस
44.	पीजी 201381001	आदित्य राव गौतम	ऊर्जा
45.	पीजी 201381002	गौतम कुमार गुप्ता	ऊर्जा
46.	पीजी 201381003	ओम प्रकाश महेला	ऊर्जा

47.	पीजी 201381004	प्रखर निगम	ऊर्जा
48.	पीजी201382001	मोनिका चौधरी	आईसीटी
49.	पीजी201382002	प्राची बुडानिया	आईसीटी
50.	पीजी201382003	रजनीश कुमार	आईसीटी
51.	पीजी201382004	विकास कुमार सिहाग	आईसीटी
52.	पीजी201382005	विपिन जोशी	आईसीटी
53.	पीजी201383001	अंजली सिंह	एसएस
54.	पीजी201382002	अनुराग साहू	एसएस
55.	पीजी201383002	दीप्ती त्रिवेदी	एसएस
56.	पीजी201383005	राज कुमार सातनकर	एसएस
57.	पीजी 201383006	श्रद्धा चौधरी	एसएस
58.	पीजी201384002	अंकिशा विजय	बीआईएसएस
59.	पीजी 201384003	अनुज कुमार भारती	एसएस
60.	पीजी 201384004	अरूण कुमार उपाध्याय	एसएस
61.	पीजी 201384005	आयमान अमानुल्लाह	एसएस
62.	पीजी 201384006	भुवनेश राठौड़	एसएस
63.	पीजी 201384007	कीर्ती दुबे	एसएस
64.	पीजी 201384008	मेघा सिंह	एसएस
65.	पीजी 201384009	निधि शर्मा	एसएस
66.	पीजी 201384010	राहुल बधवार	एसएस
67.	पीजी 201384011	राखी एन. के.	एसएस
68.	पीजी 201384012	रिद्धि अग्रवाल	एसएस
69.	पीजी 201384013	शालिनी सिंह	एसएस
70.	पीजी 201384014	विभुती जोशी	एसएस

एम.टेक. छात्र, बैच 2011

क्रम सं.	रोल नं	नाम	केन्द्र
1.	पीजी 201171001	आकाश यादव	ऊर्जा
2.	पीजी 201171003	अनुराग	ऊर्जा
3.	पीजी 201171004	दिगपाल कुमार	ऊर्जा
4.	पीजी 201171005	गौरव हेडौ	ऊर्जा
5.	पीजी 201171006	नुपुर राठौड़	ऊर्जा
6.	पीजी 201171007	पल्लवी कार	ऊर्जा
7.	पीजी 201171008	पराग कमल तालुकदार	ऊर्जा
8.	पीजी 201171009	प्रियंका भरतीया	ऊर्जा
9.	पीजी 201171010	राकेश कुमार	ऊर्जा
10.	पीजी 201171011	राकेश शर्मा	ऊर्जा
11.	पीजी 201171012	राम निवास वर्मा	ऊर्जा
12.	पीजी 201171013	शुभी श्रीवास्तव	ऊर्जा
13.	पीजी 201171014	विनोद कुमार वर्मा	ऊर्जा
14.	पीजी 201171015	ऐजाज़ सिद्दीकी	ऊर्जा
15.	पीजी 201172001	अमरीक सिंह	आईसीटी
16.	पीजी 201172002	अंकिता सामारिया	आईसीटी
17.	पीजी 201172003	अनूप सिंह	आईसीटी
18.	पीजी 201172004	दीपक कुमार गुप्ता	आईसीटी
19.	पीजी 201172005	दुर्गेश कुमार	आईसीटी
20.	पीजी 201172006	गरीमा जैन	आईसीटी
21.	पीजी 201172007	गौरव राज	आईसीटी
22.	पीजी 201172008	गोविंद साल्वी	आईसीटी
23.	पीजी 201172009	हिमांशु सिंघवी	आईसीटी
24.	पीजी 201172010	कपिल लहुवा	आईसीटी
25.	पीजी 201172011	नागभूषण ईश्वर	आईसीटी
26.	पीजी 201172012	नकुल शशीकांत गौड़	आईसीटी
27.	पीजी 201172013	नमन जोशी	आईसीटी
28.	पीजी 201172014	प्रसाद कुलकर्णी	आईसीटी
29.	पीजी 201172015	रामनारायण यादव	आईसीटी
30.	पीजी 201172016	रवि भंडारी	आईसीटी
31.	पीजी 201172017	रवि रंजन	आईसीटी
32.	पीजी 201172018	सत्यनारायण साहू	आईसीटी
33.	पीजी 201172019	सौरभ हेडा	आईसीटी
34.	पीजी 201172020	शहनवाज अब्दुल्लाह	आईसीटी

35.	पीजी 201172021	शैलेन्द्र सोनी	आईसीटी
36.	पीजी 201172022	सुप्रीतम शीत	आईसीटी
37.	पीजी 201172023	उमेश तंवर	आईसीटी
38.	पीजी 201172024	यतिन मेहंदिरत्ता	आईसीटी
39.	पीजी 201172025	ज़फर अहमद अंसारी	आईसीटी
40.	पीजी 201172026	इती मित्तल	आईसीटी
41.	पीजी201172027	शांतनव चक्रवर्ती	आईसीटी

एम.टेक. छात्र, बैच 2012

कम सं.	रोल नं.	नाम	केन्द्र
1.	पीजी201271001	अवधेश कुमार शर्मा	ऊर्जा
2.	पीजी201271002	बलराम चौधरी	ऊर्जा
3.	पीजी201271003	गुरवीर सिंह	ऊर्जा
4.	पीजी201271005	रतनदीप सिंह	ऊर्जा
5.	पीजी201271006	वीनू कुमारी	ऊर्जा
6.	पीजी201271007	विनय वैश्नव	ऊर्जा
7.	पीजी201271008	ज़ीशान अहमद	ऊर्जा
8.	पीजी201271009	संदीप गुप्ता	ऊर्जा
9.	पीजी201272001	अम्मार आदिल	आईसीटी
10.	पीजी201272002	दीपा	आईसीटी
11.	पीजी201272003	गगनदीप सिंह	आईसीटी
12.	पीजी201272004	हितेशी जैन	आईसीटी
13.	पीजी201272005	कुलकर्णी सिद्धार्थ सदानंद	आईसीटी
14.	पीजी201272006	मंजुनाथ बी. जे.	आईसीटी
15.	पीजी201272007	नरेश कुमार वर्मा	आईसीटी
16.	पीजी201272009	सत्यम सक्सेना	आईसीटी
17.	पीजी201272010	शक्ती गौरव	आईसीटी
18.	पीजी201272011	शिंदे नेहा नरेश	आईसीटी
19.	पीजी201272012	शिरीश मिश्रा	आईसीटी
20.	पीजी201273001	आदर्श कुमार मिश्रा	एसएस
21.	पीजी201273002	ब्रजेश कुमार शुक्ला	एसएस
22.	पीजी201273004	सलोनी सरदाना	एसएस

एम.टेक. छात्र, बैच 2013

क्रम सं.	रोल नं	नाम	केन्द्र
1.	पीजी201372001	अभय अरोड़ा	आईसीटी
2.	पीजी201372003	अरका उज्जल डे	आईसीटी
3.	पीजी201372004	आस्था त्यागी	आईसीटी
4.	पीजी201372006	दिव्या शर्मा	आईसीटी
5.	पीजी201372012	पीयुष चक्रवर्ती	आईसीटी
6.	पीजी201372014	रूपाली	आईसीटी
7.	पीजी201372015	श्रुति श्रीवास्तव	आईसीटी
8.	पीजी201372016	सुमित कुमार पालीवाल	आईसीटी
9.	पीजी201372017	तुषार	आईसीटी
10.	पीजी201372018	अक्षय जैन	आईसीटी
11.	पीजी201372019	प्रवीन चौपड़ा	आईसीटी
12.	पीजी201372020	उमेश चतुर्वेदी	आईसीटी
13.	पीजी201372021	विश्णु दत्ता	आईसीटी
14.	पीजी201371002	चांदनी कुमारी	ऊर्जा
15.	पीजी201371003	शीतांषु तिवारी	ऊर्जा
16.	पीजी201371004	विनय माहेश्वरी	ऊर्जा
17.	पीजी201373001	अभिनव शर्मा	एसएस
18.	पीजी201373002	अमनजोत कौर	एसएस
19.	पीजी201373003	अनुपम जैन	एसएस
20.	पीजी201373004	हरजीत कौर	एसएस
21.	पीजी201373005	ज्योति फ़ौजदार	एसएस
22.	पीजी201373006	मैथ्यू एलेग्जेंडर	एसएस
23.	पीजी201373007	निशित वी. ओज़े	एसएस
24.	पीजी201373008	रवीन्द्र बवूर	एसएस
25.	पीजी201373010	महावीर मील	एसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2010

कम सं.	रोल नं.	नाम	शाखा
1.	यूजी201010001	अभिषेक आनंद	सीएसई
2.	यूजी 201010002	अमन दीप	सीएसई
3.	यूजी 201010003	अमर सिंह सैनी	सीएसई
4.	यूजी 201010004	अनुराग सैनी	सीएसई
5.	यूजी 201010005	बोलेमपल्ली त्रिविक्रम चौधरी	सीएसई
6.	यूजी 201010006	धीरज टाक	सीएसई
7.	यूजी 201010007	गोड्डुगु रवि किरण	सीएसई
8.	यूजी 201010008	हेमलता सोनी	सीएसई
9.	यूजी 201010009	जुनैद मसूद	सीएसई
10.	यूजी 201010010	कंचन कुमारी	सीएसई
11.	यूजी 201010011	खुशीराम मीणा	सीएसई
12.	यूजी 201010012	किशोर मेहरा	सीएसई
13.	यूजी 201010013	ललित यादव	सीएसई
14.	यूजी 201010014	महेश चंद गुर्जर	सीएसई
15.	यूजी 201010015	मंदीप सिंह यादव	सीएसई
16.	यूजी 201010016	मनीष कुमावत	सीएसई
17.	यूजी 201010017	मनप्रीत सिंह बेदी	सीएसई
18.	यूजी 201010018	मोहम्मद असद	सीएसई
19.	यूजी 201010019	मो. हमज़ा खान	सीएसई
20.	यूजी 201010020	मोनू	सीएसई
21.	यूजी 201010021	नरेन्द्र मीणा	सीएसई
22.	यूजी 201010022	निश्चय काला	सीएसई
23.	यूजी 201010023	पंकज अग्रवाल	सीएसई
24.	यूजी 201010024	पंकज भारद्वाज	सीएसई
25.	यूजी 201010025	पंकज खंडेलवाल	सीएसई
26.	यूजी 201010026	पवन मीणा	सीएसई
27.	यूजी 201010027	पवन मीणा	सीएसई
28.	यूजी 201010028	रीना यादव	सीएसई
29.	यूजी 201010029	रोहित गुप्ता	सीएसई
30.	यूजी 201010030	एस. प्रवीण कुमार	सीएसई
31.	यूजी 201010031	सौरभ सिंह	सीएसई
32.	यूजी 201010032	सौरभ माहेश्वरी	सीएसई
33.	यूजी 201010033	सुकलकर पवन विजयराव	सीएसई
34.	यूजी 201010034	सुमित जांगीड़	सीएसई

35.	यूजी 201010035	सुनीता पाटीर	सीएसई
36.	यूजी 201010036	सुरेन्द्र सिंह मीणा	सीएसई
37.	यूजी 201010037	तपिश राठौड़	सीएसई
38.	यूजी 201010038	वेमना विनित	सीएसई
39.	यूजी 201010039	विकास गोयल	सीएसई
40.	यूजी 201010040	विकास यादव	सीएसई
41.	यूजी 201010041	विनोद कुमार मीणा	सीएसई
42.	यूजी 201010042	विश्वास गर्ग	सीएसई
43.	यूजी 201010043	योगेश कुमार गुप्ता	सीएसई
44.	यूजी 201010044	मनु अग्रवाल	सीएसई
45.	यूजी201011001	आयुष वर्मा	ईई
46.	यूजी 201011002	अमित कुमार वर्मा	ईई
47.	यूजी 201011003	अरूण बालाजी वी.	ईई
48.	यूजी 201011004	भरत कुमार तंवर	ईई
49.	यूजी 201011005	चिंतपल्ली शिव प्रतीक	ईई
50.	यूजी 201011006	दिलीप कुमार मीणा	ईई
51.	यूजी 201011008	घाटगे मयूर साम्भाजी	ईई
52.	यूजी 201011009	हीमांषु जायसवाल	ईई
53.	यूजी 201011010	महेश चंदा एम.	ईई
54.	यूजी 201011011	मनीष कुमार मीणा	ईई
55.	यूजी 201011013	मुकुल बंसल	ईई
56.	यूजी 201011014	नरेन्द्र कुमार सिंह	ईई
57.	यूजी 201011016	निम्मर्ति वर प्रसाद	ईई
58.	यूजी 201011017	पासनूरी प्रशांत	ईई
59.	यूजी 201011018	पोटे रोहन रामचंद्र	ईई
60.	यूजी 201011019	प्रिंस गुप्ता	ईई
61.	यूजी 201011020	प्रिया धनदेव	ईई
62.	यूजी 201011021	राहुल मालव	ईई
63.	यूजी 201011022	राहुल मीणा	ईई
64.	यूजी 201011023	रजत जैन	ईई
65.	यूजी 201011024	राजीव कुमार	ईई
66.	यूजी 201011025	रवि माहावर	ईई
67.	यूजी 201011026	रिंकु मीणा	ईई
68.	यूजी 201011027	रिशी कुमार	ईई
69.	यूजी 201011028	रीत शेखावत	ईई
70.	यूजी 201011029	सबा सुहैल	ईई

71.	यूजी 201011030	संदीप कुमार सिंह	ईई
72.	यूजी 201011031	सौरभ संतोष	ईई
73.	यूजी 201011032	शशीकांत	ईई
74.	यूजी 201011033	सिद्धार्थ सिंह राव	ईई
75.	यूजी 201011034	शिव सिंह मीणा	ईई
76.	यूजी 201011035	श्रीकांत एम.	ईई
77.	यूजी 201011036	सुदेश गोरा	ईई
78.	यूजी 201011037	सुधीर कुमार सिंह	ईई
79.	यूजी 201011038	सूर्य प्रताप सिंह यादव	ईई
80.	यूजी 201011039	तरूण पटेल	ईई
81.	यूजी 201011040	तिरूमानि वंशी कृष्णा	ईई
82.	यूजी 201011041	वीपी सिंह मीणा	ईई
83.	यूजी 201011042	विकास कुमार	ईई
84.	यूजी 201011043	विनोद मीणा	ईई
85.	यूजी 201011044	विवेक दुबे	ईई
86.	यूजी 201011045	योगेन्द्र कुमार गोयल	ईई
87.	यूजी 201011046	अश्विन सुरेश	ईई
88.	यूजी 201011047	हेमंत वर्मा	ईई
89.	यूजी 201012001	अभिनव	एमई
90.	यूजी 201012002	आदित्य बुदराजु	एमई
91.	यूजी 201012003	आदित्य रंजन	एमई
92.	यूजी 201012004	आकाश बंसल	एमई
93.	यूजी 201012005	अभिलाष सिंह	एमई
94.	यूजी 201012006	अमन दोहरे	एमई
95.	यूजी 201012007	अंकुर हसीजा	एमई
96.	यूजी 201012008	अंशुल गुप्ता	एमई
97.	यूजी 201012009	अनुज कुमार	एमई
98.	यूजी 201012010	अशोक कुमार मीणा	एमई
99.	यूजी 201012012	चेतराम मीणा	एमई
100.	यूजी 201012014	गुड्ला सुशांत	एमई
101.	यूजी 201012015	गौरव कुमार	एमई
102.	यूजी 201012018	जगमोहन श्री राव	एमई
103.	यूजी 201012019	जयदीप	एमई
104.	यूजी 201012020	जय प्रकाश मीणा	एमई
105.	यूजी 201012021	कुलदीप सिंह	एमई
106.	यूजी 201012022	मनराज मीणा	एमई

107.	यूजी 201012023	मोहित ननेरिया	एमई
108.	यूजी 201012024	निकेत कुमार सिंह	एमई
109.	यूजी 201012025	निशांत कुमार	एमई
110.	यूजी 201012026	नितेश कुमार	एमई
111.	यूजी 201012027	नितिन कटियार	एमई
112.	यूजी 201012028	प्रदीप राय	एमई
113.	यूजी 201012029	हीमांशु चंद्रकांत आर.	एमई
114.	यूजी 201012030	रूगा राम	एमई
115.	यूजी 201012032	सचिन गुप्ता	एमई
116.	यूजी 201012033	सर्वेश दयाल	एमई
117.	यूजी 201012034	शेख अबु अम्सल	एमई
118.	यूजी 201012035	शिवेन्द्र राय	एमई
119.	यूजी 201012036	सिद्धार्थ जैन	एमई
120.	यूजी 201012037	सीताराम मीणा	एमई
121.	यूजी 201012038	स्नेहलता जोशी	एमई
122.	यूजी 201012039	तन्मय सेठी	एमई
123.	यूजी 201012040	उत्कर्ष त्रिवेदी	एमई
124.	यूजी 201012041	वासु गोयंका	एमई
125.	यूजी 201012042	विजय सिंह मीणा	एमई
126.	यूजी 201012043	विपिन कुमार	एमई
127.	यूजी 201012044	विवेक गंज गहलोत	एमई
128.	यूजी 201012045	यतिन चौधरी	एमई
129.	यूजी 201012046	योगेश कुमार	एमई

बी.टेक. छात्र, बैच 2011

क्रम सं.	रोल नं.	नाम	शाखा
1.	यूजी201110001	अभिषेक सैनी	सीएसई
2.	यूजी201110002	अमित राज	सीएसई
3.	यूजी201110003	अपूर्व गुप्ता	सीएसई
4.	यूजी201110004	आशीष कुमार	सीएसई
5.	यूजी201110005	बनोथ सूर्या प्रसाद	सीएसई
6.	यूजी201110006	देवाशीष घटक	सीएसई
7.	यूजी201110007	देवेन भूषन	सीएसई
8.	यूजी201110008	गुरुप्रताप	सीएसई
9.	यूजी201110009	हरि ओम गौड़	सीएसई
10.	यूजी201110011	हेमराज कुमावत	सीएसई
11.	यूजी201110012	जितेन्द्र कुमार चौधरी	सीएसई
12.	यूजी201110013	जितेन्द्र सिंह गढ़वाल	सीएसई
13.	यूजी201110014	कल्पनाथ राव	सीएसई
14.	यूजी201110015	कनकंटि नितिन वीर रेड्डी	सीएसई
15.	यूजी201110017	कुचाना महर्षि देवराज	सीएसई
16.	यूजी201110018	महेश	सीएसई
17.	यूजी201110019	मयंक अग्रवाल	सीएसई
18.	यूजी201110020	मयंक मित्तल	सीएसई
19.	यूजी201110021	पलक समैया	सीएसई
20.	यूजी201110022	पित्ता दिव्या श्री	सीएसई
21.	यूजी201110023	प्रनीत ए. एस.	सीएसई
22.	यूजी201110024	प्रशांत रस्तोगी	सीएसई
23.	यूजी201110025	रवि कुमार मीणा	सीएसई
24.	यूजी201110026	रेवती रमन सिंह	सीएसई
25.	यूजी201110027	रिषि मिश्रा	सीएसई
26.	यूजी201110028	साहिल खरब	सीएसई
27.	यूजी201110029	संजीव कुमार	सीएसई
28.	यूजी201110030	संतोष कुमार सिद्धार्थ	सीएसई
29.	यूजी201110031	सौरभ कुमार गंगवार	सीएसई
30.	यूजी201110032	शाह जैनिल दिलिप	सीएसई
31.	यूजी201110033	शिवम वर्मा	सीएसई
32.	यूजी201110034	सिद्धार्थ कुमार सिंह	सीएसई
33.	यूजी201110035	सिद्धार्थ माहेश्वरी	सीएसई
34.	यूजी201110036	सोनू मेहता	सीएसई

35.	यूजी201110037	सैयद नावेद अहमद	सीएसई
36.	यूजी201110038	यश कुमार सोनथालिया	सीएसई
37.	यूजी201110039	येरावोत्तुला रोहित	सीएसई
38.	यूजी201110040	गट्ला राजशेखर रेड्डी	सीएसई
39.	यूजी201110041	अभिषेक बसन	सीएसई
40.	यूजी201110042	अरविंद पांडे	सीएसई
41.	यूजी201110043	स्मृति जैन	सीएसई
42.	यूजी201110044	विकास गोयल	सीएसई
43.	यूजी201111002	अभिषेक पिलानिया	ईई
44.	यूजी201111003	अंशुल नारायण भट्ट	ईई
45.	यूजी201111004	अंशुल सिंह परिहार	ईई
46.	यूजी201111005	अनुराग धर्मावत	ईई
47.	यूजी201111006	अतुल अग्रवाल	ईई
48.	यूजी201111007	बत्तुला शशि कौशिक	ईई
49.	यूजी201111008	ब्रजेश कुमार	ईई
50.	यूजी201111009	बुस्सा पवन कुमार	ईई
51.	यूजी201111010	दमाचेरला संदीप	ईई
52.	यूजी201111011	देवेन्द्र कुमार जांगीड़	ईई
53.	यूजी201111012	गजरला रवि तेजा	ईई
54.	यूजी201111014	गुणीत सिंह मेहता	ईई
55.	यूजी201111015	हरि ओम मीणा	ईई
56.	यूजी201111016	हर्षित दीक्षित	ईई
57.	यूजी201111017	हेम सिंह मीणा	ईई
58.	यूजी201111018	हेमंत कुमार बिलोनिया	ईई
59.	यूजी201111019	कडू अमृता अनिल	ईई
60.	यूजी201111020	कोत्ताा सुधीर	ईई
61.	यूजी201111021	कोयिन्नि दीक्षिता	ईई
62.	यूजी201111022	कृष्ण कुमार दमोलिया	ईई
63.	यूजी201111023	कुलदीप कुमार राठौड़	ईई
64.	यूजी201111024	कुमार सौरव	ईई
65.	यूजी201111025	ललित कुमार पी.	ईई
66.	यूजी201111026	प्रशांत मित्तल	ईई
67.	यूजी201111027	राहुल राठौड़	ईई
68.	यूजी201111028	रंगराजू यषोमणी सरकार	ईई
69.	यूजी201111029	रवीन्द्र कुमार षर्मा	ईई
70.	यूजी201111030	रवयांश कुमार	ईई

71.	यूजी201111031	संचित कुमार सिंह	ईई
72.	यूजी201111032	सत्येन्द्र कुमार गौतम	ईई
73.	यूजी201111033	शिवालिका अग्रवाल	ईई
74.	यूजी201111034	शिवम पुनिया	ईई
75.	यूजी201111035	सुधांशु सिंह	ईई
76.	यूजी201111036	सुनिल कुमार	ईई
77.	यूजी201111037	वडकट्टू श्रीजा	ईई
78.	यूजी201111038	विनित कुमार	ईई
79.	यूजी201111039	वोरुगंटि सूर्या तेजा	ईई
80.	यूजी201111041	आल्विन रॉय अलियाथ	एमई
81.	यूजी201111042	अनिरुद्ध रामरख्यानी	ईई
82.	यूजी201111043	आशुतोष मित्तल	ईई
83.	यूजी201111044	धीरज भट्ट	ईई
84.	यूजी201111045	हीना मसूरिया	ईई
85.	यूजी201112002	अंकित अग्रवाल	एमई
86.	यूजी201112004	आशुताष विश्वकर्मा	एमई
87.	यूजी201112005	अतिश्य जैन	एमई
88.	यूजी201112006	सी. श्री हर्षा	एमई
89.	यूजी201112007	चेतन रेगर	एमई
90.	यूजी201112008	चिलाकमर्रि सत्य रंग प्रशांत	एमई
91.	यूजी201112009	दीप कुमार	एमई
92.	यूजी201112010	देशराज मीणा	एमई
93.	यूजी201112011	देवेश सिंह	एमई
94.	यूजी201112012	धीरज	एमई
95.	यूजी201112013	गजानंद सैनी	एमई
96.	यूजी201112014	गौतम कुमार	एमई
97.	यूजी201112015	हर्ष कुमार कर्मवीर	एमई
98.	यूजी201112016	हर्षित श्रीवास्तव	एमई
99.	यूजी201112017	हीमांशु साहु	एमई
100.	यूजी201112018	किशन शर्मा	एमई
101.	यूजी201112019	कोत्तपल्लि मोनिश	एमई
102.	यूजी201112020	कुणाल विश्णु पारसवानी	एमई
103.	यूजी201112021	कुंदन सिंह मीणा	एमई
104.	यूजी201112022	मणिन्दर सिंह	एमई
105.	यूजी201112023	मनीष सचदेवा	एमई
106.	यूजी201112024	मोहित दाधीच	एमई

107.	यूजी201112025	मुकुल कुमार गुप्ता	एमई
108.	यूजी201112026	नवनीत कुमार यादव	एमई
109.	यूजी201112027	नीरज कुमार	एमई
110.	यूजी201112028	राहुल सत्य बाबु	एमई
111.	यूजी201112029	सागर आनंद रामगरे	एमई
112.	यूजी201112030	संदीप शंकरराव हट्टे	एमई
113.	यूजी201112031	संकेत किनागे	एमई
114.	यूजी201112032	श्रवण मिश्रा	एमई
115.	यूजी201112033	सिद्धि मीना	एमई
116.	यूजी201112036	तागड़े प्रतीक प्रकाश	एमई
117.	यूजी201112037	वैद्य केदार संजय	एमई
118.	यूजी201112038	विकास	एमई
119.	यूजी201113002	अभिषेक सिंह	एसएस
120.	यूजी201113003	अजय सुन्नर्ति	एसएस
121.	यूजी201113004	अखिल अरोड़ा	एसएस
122.	यूजी201113006	अंकित सिंह	एसएस
123.	यूजी201113007	अर्पित अग्रवाल	एसएस
124.	यूजी201113008	अथर्व एस. घईसस	एसएस
125.	यूजी201113010	देसिड़ि शिव प्रकाश	एसएस
126.	यूजी201113012	दिव्या ग्रोवर	एसएस
127.	यूजी201113013	गुरजोत सिंह	एसएस
128.	यूजी201113014	हिंमांशु शुक्ला	एसएस
129.	यूजी201113015	जसवंत	एसएस
130.	यूजी201113016	जितेन्द्र कुमार मीणा	एसएस
131.	यूजी201113017	काकिराला अनुरूप	एसएस
132.	यूजी201113018	कौलागि सुधेन्द्र नारायण	एसएस
133.	यूजी201113019	कृति सक्सेना	एसएस
134.	यूजी201113020	कुसुम लता मीणा	एसएस
135.	यूजी201113022	एम. हरि हरन	एसएस
136.	यूजी201113023	मन्तनि तेजस्वि	एसएस
137.	यूजी201113024	मोहम्मद रेहान मोहम्मद साधीर	एसएस
138.	यूजी201113025	नीलेश द्विवेदी	एसएस
139.	यूजी201113026	नेहा सिंह चौहान	एसएस
140.	यूजी201113027	पी. विवेक	एसएस
141.	यूजी201113028	प्रतीक कुमार	एसएस
142.	यूजी201113029	राहुल कुमार	एसएस

143.	यूजी201113030	राज रोहित जालेम	एसएस
144.	यूजी201113032	रिषभ जैन	एसएस
145.	यूजी201113033	संखा नारायण गुरिया	एसएस
146.	यूजी201113036	शिंदे साहिल अनिल	एसएस
147.	यूजी201113037	तवीष गर्ग	एसएस
148.	यूजी201113039	विन्नकोटा साई रक्षित	एसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2012

क्रम सं.	रोल नं.	नाम	शाखा
1.	यूजी201210001	अभिषेक कुमार	सीएसई
2.	यूजी201210002	आदित्य यादव	सीएसई
3.	यूजी201210003	आकाश मिश्रा	सीएसई
4.	यूजी201210004	अक्षित जैन	सीएसई
5.	यूजी201210005	असीम राज बरनवाल	सीएसई
6.	यूजी201210006	अशीत कुमार	सीएसई
7.	यूजी201210007	अत्तनि माधुर्या	सीएसई
8.	यूजी201210008	बंदेला प्रत्युशा	सीएसई
9.	यूजी201210009	बासमगरी हारिका	सीएसई
10.	यूजी201210010	बुदेले मानस महेश	सीएसई
11.	यूजी201210011	डाके आकाष हीरामन	सीएसई
12.	यूजी201210012	दिनेश कुमार जांगरा	सीएसई
13.	यूजी201210013	दिनेश कुमार सैनी	सीएसई
14.	यूजी201210014	गौरव शास्त्री	सीएसई
15.	यूजी201210015	गोंडि देदीप्या साई	सीएसई
16.	यूजी201210016	गोर्ला उहाश्री	सीएसई
17.	यूजी201210017	जिनांक जैन	सीएसई
18.	यूजी201210018	कालशेट्टी प्रतीक मल्लीनाथ	सीएसई
19.	यूजी201210019	कुणाल दाधीच	सीएसई
20.	यूजी201210020	माला मुत्यालप्पा	सीएसई
21.	यूजी201210021	मनीष जायसवाल	सीएसई
22.	यूजी201210022	एन. के. किरन	सीएसई
23.	यूजी201210023	पंकज कुमार	सीएसई
24.	यूजी201210024	पवन कुमार सैनी	सीएसई
25.	यूजी201210025	राजेश कुमार मीणा	सीएसई
26.	यूजी201210026	रिषभ गर्ग	सीएसई

27.	यूजी201210027	रिषिकेश मीणा	सीएसई
28.	यूजी201210028	रितेश कुमार	सीएसई
29.	यूजी201210029	रोहन खन्ना	सीएसई
30.	यूजी201210030	सचिन ग्रोवर	सीएसई
31.	यूजी201210031	समर्थ कुमार गोयल	सीएसई
32.	यूजी201210032	शाह अक्षत मुकेश कुमार	सीएसई
33.	यूजी201210033	शिवम कुमार गर्ग	सीएसई
34.	यूजी201210034	सिद्धार्थ तलेसरा	सीएसई
35.	यूजी201210035	सोनिका अग्रवाल	सीएसई
36.	यूजी201210036	सुनिल कुमार	सीएसई
37.	यूजी201210037	वैभव सिंह खोखर	सीएसई
38.	यूजी201210038	विजेन्द्र सुकारिया	सीएसई
39.	यूजी201210039	विकास मीणा	सीएसई
40.	यूजी201210040	अंकित जैन	सीएसई
41.	यूजी201211001	अभिषेक थेपरा	ईई
42.	यूजी201211002	अजय चरन	ईई
43.	यूजी201211003	आकर्ष रस्तोगी	ईई
44.	यूजी201211004	अक्षय आर्या	ईई
45.	यूजी201211006	अनुभवी मित्तल	ईई
46.	यूजी201211007	अश्विनी कुमार	ईई
47.	यूजी201211008	अश्विनी नैनावत	ईई
48.	यूजी201211009	दीपक वर्मा	ईई
49.	यूजी201211010	देवबत्तिनि श्रीहर्षा	ईई
50.	यूजी201211011	धर्म राज मीणा	ईई
51.	यूजी201211012	धीरज पी.	ईई
52.	यूजी201211013	दीनेश गुर्जर	ईई
53.	यूजी201211014	फराजुद्दीन अंसारी	ईई
54.	यूजी201211015	घनश्याम	ईई
55.	यूजी201211016	हीतेश कुमार सिंगल	ईई
56.	यूजी201211017	के. वी विकास रेड्डी	ईई
57.	यूजी201211018	ललित मिरधा	ईई
58.	यूजी201211019	ममता ढ़ाका	ईई
59.	यूजी201211020	मुकेश कुमार	ईई
60.	यूजी201211021	निशा अग्रवाल	ईई
61.	यूजी201211022	निशित उमेश पारीख	ईई
62.	यूजी201211023	पवन कुमार वर्मा	ईई

63.	यूजी201211024	पीयुष दुगर	ईई
64.	यूजी201211025	प्रकाश गहलोत	ईई
65.	यूजी201211027	रजत	ईई
66.	यूजी201211028	रजत आर. राहतगांवकर	ईई
67.	यूजी201211029	रजनीश मीणा	ईई
68.	यूजी201211030	संचित गुप्ता	ईई
69.	यूजी201211031	संकेत जैन	ईई
70.	यूजी201211032	संतोष कुमार मीणा	ईई
71.	यूजी201211033	सौरव कुमार	ईई
72.	यूजी201211034	शरत कुंतनहाल	ईई
73.	यूजी201211035	शिवम उपाध्याय	ईई
74.	यूजी201211036	शिरीश लाल भटनागर	ईई
75.	यूजी201211037	श्रीरामदास अशोक कुमार	ईई
76.	यूजी201211038	सुनिल सरन	ईई
77.	यूजी201211039	तरुण वाटवानी	ईई
78.	यूजी201211040	उपेन्द्र कुमार नागर	ईई
79.	यूजी201211041	विनय शंकर सक्सेना	ईई
80.	यूजी201211042	अंतोस सी. वर्गीस	ईई
81.	यूजी201211043	हीमांशु टाकवानी	ईई
82.	यूजी201212001	आदित्य खंडेलवाल	एमई
83.	यूजी201212002	अजय कुमार जगेतिया	एमई
84.	यूजी201212003	अंजली बंसीवाल	एमई
85.	यूजी201212005	आशीष कुमार	एमई
86.	यूजी201212006	आशीष कुमार	एमई
87.	यूजी201212007	अतुल दुबे	एमई
88.	यूजी201212008	आयुष भादुरिया	एमई
89.	यूजी201212009	बी. वी. किशोर	एमई
90.	यूजी201212010	बाला राघवेन्द्र गौड़	एमई
91.	यूजी201212011	बोड्डुपल्लि निबोध	एमई
92.	यूजी201212012	चामर्ति कामेश्वर शिवा दिनेश	एमई
93.	यूजी201212013	चेतन गुप्ता	एमई
94.	यूजी201212014	दमन	एमई
95.	यूजी201212015	दिलखुश मीणा	एमई
96.	यूजी201212017	हिमांशु यादव	एमई
97.	यूजी201212018	कमलेश असेरी	एमई
98.	यूजी201212019	कनक श्रीवास्तव	एमई

99.	यूजी201212020	मनीष सोनी	एमई
100.	यूजी201212021	एन. विनय कुमार रेड्डी	एमई
101.	यूजी201212022	नवनीत मित्तल	एमई
102.	यूजी201212023	पवन कुमार शाक्या	एमई
103.	यूजी201212024	सचिन यादव	एमई
104.	यूजी201212025	संदीप कुमार मीणा	एमई
105.	यूजी201212026	सौरभ जैन	एमई
106.	यूजी201212027	सौरभ पांडे	एमई
107.	यूजी201212028	शाह जिगर दीपक	एमई
108.	यूजी201212030	श्रेयस श्रीवास्तव	एमई
109.	यूजी201212031	शुभम गुप्ता	एमई
110.	यूजी201212032	स्निगधदीप मोईत्रा	एमई
111.	यूजी201212033	सोनू सिबा बारा	एमई
112.	यूजी201212034	सुरेन्द्र पाल सिंह	एमई
113.	यूजी201212035	तपेश कुमार मौर्या	एमई
114.	यूजी201212036	थानी अश्वंत	एमई
115.	यूजी201212037	वैभव गुप्ता	एमई
116.	यूजी201212038	वरूण सूर्यन	एमई
117.	यूजी201212039	विकास कुमार गोएंका	एमई
118.	यूजी201212040	विशाल कुमार	एमई
119.	यूजी201212041	अंशुमान सिंह	एमई
120.	यूजी201212042	कीर्तीवर्धन राठौड़	एमई
121.	यूजी201213002	अनमोल	एसएस
122.	यूजी201213005	दिव्या नागर	एसएस
123.	यूजी201213006	गौरव चौधरी	एसएस
124.	यूजी201213007	गौरव कुमार पात्रो	एसएस
125.	यूजी201213008	हरि ओम मीणा	एसएस
126.	यूजी201213013	कोटा वी. आकाश	एसएस
127.	यूजी21213014	क्षितिज सोनी	एसएस
128.	यूजी201213016	महेन्द्र कछवाह	एसएस
129.	यूजी201213018	मनीष मल्होत्रा	एसएस
130.	यूजी201213019	नरेन्द्र कुमार	एसएस
131.	यूजी201213020	पालाडुगु वेंकट कार्तिक	एसएस
132.	यूजी201213021	पलाश जैन	एसएस
133.	यूजी201213022	पराग रहांगडले	एसएस
134.	यूजी201213023	पीसे इंद्रनील रजनीश	एसएस

135.	यूजी201213024	प्रगति नागर	एसएस
136.	यूजी201213025	प्रसून	एसएस
137.	यूजी201213026	प्रियंका राजू मासने	एसएस
138.	यूजी201213027	पूर्वी तिवारी	एसएस
139.	यूजी201213028	रघुनाथ मीणा	एसएस
140.	यूजी201213029	रवि कुमार	एसएस
141.	यूजी201213031	रूचिका	एसएस
142.	यूजी201213033	शरवन सोनगरा	एसएस
143.	यूजी201213034	शिवम चौधरी	एसएस
144.	यूजी201213035	श्रेष्ठा गर्ग	एसएस
145.	यूजी201213036	सुनिल सुथार	एसएस
146.	यूजी201213037	विभव शर्मा	एसएस

बी.टेक. छात्र, बैच 2013

क्रम सं.	रोल नं.	नाम	शाखा
1.	यूजी201310001	आकाश असीजा	सीएसई
2.	यूजी201310002	आयुश शारदा	सीएसई
3.	यूजी201310003	अभय कुमार सिंह	सीएसई
4.	यूजी201310004	अमन	सीएसई
5.	यूजी201310005	अमित जैन	सीएसई
6.	यूजी201310006	अंजली मालव	सीएसई
7.	यूजी201310007	अर्चित अग्रवाल	सीएसई
8.	यूजी201310008	अरणव चौपड़ा	सीएसई
9.	यूजी201310009	अरणव जिंदल	सीएसई
10.	यूजी201310010	अवन जयेन्द्र राठौड़	सीएसई
11.	यूजी201310011	भारती	सीएसई
12.	यूजी201310012	भारती आर्या	सीएसई
13.	यूजी201310013	दीशांत गोयल	सीएसई
14.	यूजी201310014	हेमंत प्रताप सिंह	सीएसई
15.	यूजी201310015	कार्तिक सिंह	सीएसई
16.	यूजी201310016	कोमांडूरि साई राघव	सीएसई
17.	यूजी201310017	कुशाग्र सुराणा	सीएसई
18.	यूजी201310018	महेन्द्र कुमार जाट	सीएसई
19.	यूजी201310019	मकरंद मिलिंद गोमशे	सीएसई
20.	यूजी201310020	मुट्टीनेनी नव्या	सीएसई

21.	यूजी201310021	निखिल जीवनसिंह ताजी	सीएसई
22.	यूजी201310022	नितिान वी.	सीएसई
23.	यूजी201310023	पीयुष यादव	सीएसई
24.	यूजी201310024	प्रियंका आर्या	सीएसई
25.	यूजी201310025	राजकुमार मीणा	सीएसई
26.	यूजी201310026	रमेश मीणा	सीएसई
27.	यूजी201310027	रवि प्रकाश गुप्ता	सीएसई
28.	यूजी201310028	रविन्द्र कुमार सैनी	सीएसई
29.	यूजी201310029	रितीक श्रीवास्तव	सीएसई
30.	यूजी201310030	शिव भगवान	सीएसई
31.	यूजी201310031	शिव कुमार सेन	सीएसई
32.	यूजी201310032	शिव मोहन	सीएसई
33.	यूजी201310033	शुभम सक्सेना	सीएसई
34.	यूजी201310035	सौरभ खोसो	सीएसई
35.	यूजी201310036	सुरेश गहलोत	सीएसई
36.	यूजी201310037	तपन भट्नागर	सीएसई
37.	यूजी201310038	उपेन्द्र सिंह चौहान	सीएसई
38.	यूजी201310039	वाघेला राजन अरविंदकुमार	सीएसई
39.	यूजी201310040	वैभव पालीवाल	सीएसई
40.	यूजी201310041	विवेक लता	सीएसई
41.	यूजी201311001	अभिषेक अग्रवाल	ईई
42.	यूजी201311002	अभिषेक जाजू	ईई
43.	यूजी201311003	अभिषेक कुमार यादव	ईई
44.	यूजी201311004	अमित कुमार	ईई
45.	यूजी201311005	अनिरुद्ध सिंह शेखावत	ईई
46.	यूजी201311006	अंकित गर्ग	ईई
47.	यूजी201311007	अंशुल अग्रवाल	ईई
48.	यूजी201311008	अंशुल यादव	ईई
49.	यूजी201311009	अशोक कुमार	ईई
50.	यूजी201311010	आशुतोष गुप्ता	ईई
51.	यूजी201311011	आशुतोष वैष्णव	ईई
52.	यूजी201311012	भभूता राम	ईई
53.	यूजी201311013	दिनेश कुमार दनवा	ईई
54.	यूजी201311014	दीपेन्द्र सिंह रिदमालोत	ईई
55.	यूजी201311015	एकांत कुमार	ईई
56.	यूजी201311016	गुरपिंदर सिंह	ईई

57.	यूजी201311017	हेडे तेजन रोहित	ईई
58.	यूजी201311018	हेमंत मीणा	ईई
59.	यूजी201311019	कनिका महाजन	ईई
60.	यूजी201311020	खुशबू सक्सेना	ईई
61.	यूजी201311021	क्षितिज संदीप मिनोचा	ईई
62.	यूजी201311022	मोहित गुप्ता	ईई
63.	यूजी201311023	निरंजन सनोडिया	ईई
64.	यूजी201311024	पाडूरू कंदर्प साई	ईई
65.	यूजी201311025	प्रखर गुप्ता	ईई
66.	यूजी201311026	राहुल जैन	ईई
67.	यूजी201311027	राजेन्द्र कुमार यादव	ईई
68.	यूजी201311028	रामदेव भिचार	ईई
69.	यूजी201311029	रिषिकेश मीणा	ईई
70.	यूजी201311030	श्रद्धा गर्ग	ईई
71.	यूजी201311031	सिद्धांत जैन	ईई
72.	यूजी201311032	सिसोदिया वृशाली	ईई
73.	यूजी201311033	स्नेहा गुप्ता	ईई
74.	यूजी201311034	सुमित पेगवाल	ईई
75.	यूजी201311035	सुशांत गौतम	ईई
76.	यूजी201311036	सैयद अफशान अली	ईई
77.	यूजी201311037	तल्लोजु जवाहर	ईई
78.	यूजी201311038	तिलोका राम	ईई
79.	यूजी201311039	वी. अश्विन	ईई
80.	यूजी201311040	वैभव शर्मा	ईई
81.	यूजी201312001	आदित्य सक्सेना	एमई
82.	यूजी201312002	अखिल मेहता	एमई
83.	यूजी201312003	अमित कुमार	एमई
84.	यूजी201312004	अंकित रायपुरिया	एमई
85.	यूजी201312005	अर्पित कुमार गहलोत	एमई
86.	यूजी201312006	आयुष रैना	एमई
87.	यूजी201312007	बलवीर डांगा	एमई
88.	यूजी201312008	भास्करज्योति बर्मन	एमई
89.	यूजी201312009	धीरज कुमार सिसोदिया	एमई
90.	यूजी201312010	ड्रान एरॉन	एमई
91.	यूजी201312011	हार्दिक जैन	एमई
92.	यूजी201312012	हर्ष वर्धन श्रीवास्तव	एमई

93.	यूजी201312013	हीमांशु अग्रवाल	एमई
94.	यूजी201312014	हीमांशु कुमार सिंह	एमई
95.	यूजी201312015	हीमांशु शर्मा	एमई
96.	यूजी21312016	के. लक्ष्मी फाल्गुणि	एमई
97.	यूजी201312017	कानुगंती वामशी	एमई
98.	यूजी201312018	लक्ष्य भट्ट	एमई
99.	यूजी201312019	लक्ष्मण कुमार	एमई
100.	यूजी201312020	लोकेश स्वामी	एमई
101.	यूजी201312021	मनीष राजेन्द्र जादव	एमई
102.	यूजी201312022	मयंक गुप्ता	एमई
103.	यूजी201312023	मोहम्मद फिरोज	एमई
104.	यूजी201312024	मोहित अग्रवाल	एमई
105.	यूजी201312025	पटेल हर्ष भूपेन्द्रभाई	एमई
106.	यूजी201312026	प्रद्युम्न मीणा	एमई
107.	यूजी201312027	प्रखर श्रीवास्तव	एमई
108.	यूजी201312028	पुष्पेन्द्र ध्रुवे	एमई
109.	यूजी201312029	पुष्पेन्द्र मिश्रा	एमई
110.	यूजी201312030	रोहन कुमार	एमई
111.	यूजी201312031	रोहित सिंह	एमई
112.	यूजी201312032	सचिन	एमई
113.	यूजी201312033	शुभम शौर्या	एमई
114.	यूजी201312034	शुभम तेजी	एमई
115.	यूजी201312035	वाघेला निरव जितेन्द्रकुमार	एमई
116.	यूजी201312036	वैभव जैन	एमई
117.	यूजी201312037	विकास कुमार	एमई
118.	यूजी201312038	विक्रांत अरोड़ा	एमई
119.	यूजी201312039	विराट श्रीवास्तव	एमई
120.	यूजी201313002	अमन अजमेरा	एसएस
121.	यूजी201313003	अनिरुद्ध व्यास	एसएस
122.	यूजी201313004	अरविंद सैनी	एसएस
123.	यूजी201313005	आयुष भास्कर	एसएस
124.	यूजी201313006	दर्पनेनी चंदना	एसएस
125.	यूजी201313007	दीपिका जल्ली	एसएस
126.	यूजी201313008	दीपेष गर्ग	एसएस
127.	यूजी201313010	गायकवाड संग्राम दशरथ	एसएस
128.	यूजी201313011	गौरव सिंह	एसएस

129.	यूजी201313013	जयंत कारपेंटर	एसएस
130.	यूजी201313014	जयंत वी. खापड़े	एसएस
131.	यूजी201313015	जोशी अच्युत संजय लिंगा	एसएस
132.	यूजी201313016	लिंगाला प्रशांत कुमार	एसएस
133.	यूजी201313017	मंदीप	एसएस
134.	यूजी201313018	नरेश कुमार प्रजापती	एसएस
135.	यूजी201313019	पी. मनीषा	एसएस
136.	यूजी201313020	पंकज पंवार	एसएस
137.	यूजी201313021	पंकज यादव	एसएस
138.	यूजी201313023	पेरला सुकेश	एसएस
139.	यूजी201313024	पिंकेश कुमार	एसएस
140.	यूजी201313025	प्रभाष जैन	एसएस
141.	यूजी201313026	प्रखर माथुर	एसएस
142.	यूजी201313027	प्रमोद कुमार	एसएस
143.	यूजी201313028	प्रशांत कुमार	एसएस
144.	यूजी201313029	पुलवर्ति अनिरुद्ध	एसएस
145.	यूजी201313030	रोहिल सुराणा	एसएस
146.	यूजी201313031	रोहित कुमार	एसएस
147.	यूजी201313032	संगेपु अश्रित	एसएस
148.	यूजी201313033	सरोज प्रसाद छटोई	एसएस
149.	यूजी201313034	शीला मीणा	एसएस
150.	यूजी201313035	शिप्रा जैन	एसएस
151.	यूजी201313036	शुभम सिंह	एसएस
152.	यूजी201313037	तरुण देविरेड्डी	एसएस
153.	यूजी201313038	विशाल कुमार	एसएस
154.	यूजी201314001	अभिषेक ठोम्बरे	बीआईएसएस
155.	यूजी201314002	आदित्य चौधरी	बीआईएसएस
156.	यूजी201314003	अजय कुमार कुमावत	बीआईएसएस
157.	यूजी201314004	अरणव मिश्रा	बीआईएसएस
158.	यूजी201314005	चंद्रेश कुमार	बीआईएसएस
159.	यूजी201314006	धनजीत ब्रह्मा	बीआईएसएस
160.	यूजी201314007	हीमांशु सिकारिया	बीआईएसएस
161.	यूजी201314008	जलज शर्मा	बीआईएसएस
162.	यूजी201314010	कौस्तुभ कुमार	बीआईएसएस
163.	यूजी201314011	कुलदीप मीणा	बीआईएसएस
164.	यूजी201314012	निशा कुमारी	बीआईएसएस

165.	यूजी201314013	प्रांजल सिंह	बीआईएसएस
166.	यूजी201314014	राकेश यादव	बीआईएसएस
167.	यूजी201314015	शरथ चल्लपल्लि	बीआईएसएस
168.	यूजी201314017	श्रेया माहेश्वरी	बीआईएसएस
169.	यूजी201314018	उज्जवल आनंद	बीआईएसएस

वित्तीय स्थिति

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सामान्य योजना शीर्ष के तहत सहायता अनुदान के रूप में 2,601.85 लाख रू. और 01–04–2013 को आरंभिक शेष के रूप में 3,937.79 लाख रू. की राशि जारी की है। संस्थान की आंतरिक आय 924.17 लाख रू. थी। वर्ष के दौरान कुल योजनागत व्यय 5,490.48 लाख रू. (आवती 2,238.02 लाख रू. और अनावर्ती 3,252.45 लाख रू.) था।

•••

9

वार्षिक रिपोर्ट
2013-14